website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 40 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार 20 जनवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

न्यूक्लियर सेक्टर, AI और आतंकवाद... UAE राष्ट्रपति के 3 घंटे के भारत दौरे में 5 समझौतों पर मुहर, पाकिस्तान को सख्त संदेश!

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आमंत्रण पर संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान सोमवार (19 जनवरी 2026) को भारत की आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे। बीते दस वर्षों में यह उनकी भारत की पाँचवीं यात्रा रही, जबकि UAE के राष्ट्रपति के तौर पर यह तीसरी आधिकारिक यात्रा थी। वैश्विक राजनीति में जारी उथल-पुथल के बीच यह दौरा रणनीतिक रूप से बेहद अहम माना जा रहा है।

दोनों देशों के बीच प्रमुख परियोजनाओं पर सहमति बनी

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने भारत-UAE द्विपक्षीय सहयोग के पूरे दायरे की समीक्षा की। दोनों नेताओं ने माना कि पिछले एक दशक में भारत-UAE व्यापक रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हुई है। इसी क्रम में अबू धाबी में भारतीय कला, विरासत और पुरातत्व के संग्रहालय सहित एक सांस्कृतिक केंद्र स्थापित करने पर सहमति बनी।

आतंकवाद, एआई, रक्षा सहयोग पर बनी बात

तीन घंटे के दौरे के दौरान आतंकवाद, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), रक्षा सहयोग और निवेश जैसे अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। विदेश सचिव विक्रम मिसरी के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी और यूएई राष्ट्रपति के बीच निजी और प्रतिनिधिमंडल स्तर पर बातचीत हुई। दोनों नेताओं की मौजूदगी में कई

अहम दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया, जिनमें सैटेलाइट मैन्युफैक्चरिंग क्षमता विकसित करने से जुड़ा समझौता भी शामिल है।

एलएनजी की आपूर्ति करेगा UAE

ऊर्जा क्षेत्र में भारत और यूएई के बीच एक बड़ा समझौता हुआ, जिसके तहत यूएई भारत को हर साल 0.5 मिलियन मीट्रिक टन एलएनजी की आपूर्ति करेगा। इसके साथ ही यूएई भारत का दूसरा सबसे बड़ा एलएनजी आपूर्तिकर्ता बन गया है। इसके अलावा गुजरात के धोलेरा स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन के विकास में यूएई की भागीदारी को लेकर भी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए गए।

न्यूक्लियर एनर्जी सेक्टर पर बनी सहमति

दोनों देशों ने न्यूक्लियर एनर्जी सेक्टर में साझेदारी को लेकर सहमति जताई है। साथ ही एआई को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में शामिल करने पर चर्चा हुई। इसके तहत यूएई भारत में डेटा सेंटर में निवेश करेगा और दोनों देश मिलकर एक सुपरकंप्यूटिंग क्लस्टर स्थापित करेंगे। पश्चिम एशिया और अफ्रीका में निर्यात बढ़ाने के लिए भी संयुक्त प्रयास किए जाएंगे।

आतंकवाद पर पाकिस्तान को सख्त संदेश

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। दोनों नेताओं ने सीमा पार आतंकवाद की कड़ी निंदा की और इस बात पर सहमति जताई कि आतंकवाद, उसे फंड करने वालों और उसके समर्थकों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। इसे पाकिस्तान के लिए एक स्पष्ट और सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

एक दिन गिग वर्कर बनकर राघव चड्ढा ने दिखाई डिलीवरी पार्टनर्स की असली मुश्किलें

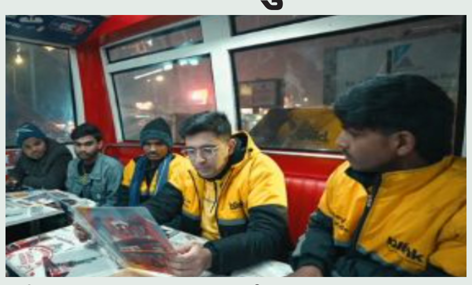

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने गिग वर्कर्स की रोजमर्रा की चुनौतियों को सामने लाने के लिए एक अनोखी पहल की। उन्होंने एक दिन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के डिलीवरी पार्टनर के तौर पर बिताया और उसका पूरा अनुभव वीडियो के रूप में साझा किया। इस वीडियो में चड्ढा डिलीवरी यूनिफॉर्म पहने, राजधानी की सड़कों पर एक गिग वर्कर के साथ ऑर्डर डिलीवर करते नजर आते हैं। वीडियो के जरिए उन्होंने गिग वर्कर्स की कठिन कामकाजी परिस्थितियों, ट्रैफिक, मौसम की मार और सख्त डिलीवरी टाइमलाइन जैसी समस्याओं को उजागर किया। उन्होंने बताया कि केवल संसद में भाषण देना काफी नहीं था, बल्कि इन मुश्किलों को समझने के लिए खुद उन्हें जीना जरूरी था। चड्ढा ने ब्लिंकिट डिलीवरी बॉय शिवम के साथ ठंड में पूरी रात की शिफ्ट की और देखा कि कैसे 10 मिनट की डिलीवरी शर्तें वर्कर्स को तेज रफ्तार और जोखिम भरे फैसले लेने पर मजबूर करती हैं। इस पहल को गिग वर्कर्स के समर्थन में चल रहे उनके बड़े अभियान का हिस्सा बताया गया है। हाल के दिनों में राघव चड्ढा ने गिग वर्कर्स की देशव्यापी हड़ताल का समर्थन किया और सोशल सिक्योरिटी नियमों के ड्राफ्ट जारी होने को उनकी एक अहम जीत बताया।

लद्दाख और जम्मू-कश्मीर में 5.7 तीव्रता का भूकंप, नुकसान की कोई खबर नहीं

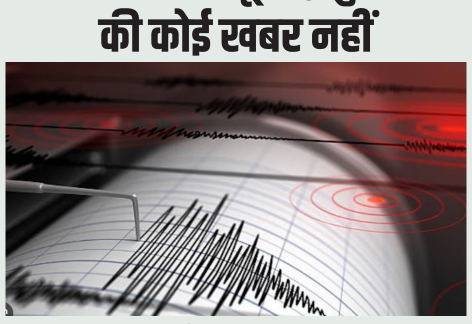

नई दिल्ली। लद्दाख और जम्मू-कश्मीर में सोमवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.7 मापी गई भूकंप का केंद्र लद्दाख क्षेत्र के लेह इलाके में था। स्थानीय मौसम विभाग के डायरेक्टर मुख्तार अहमद ने न्यूज़ एजेंसी को बताया, "आज सुबह 11.51 बजे रिक्टर स्केल पर 5.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिसका केंद्र लद्दाख क्षेत्र के लेह इलाके में था। भूकंप के कोऑर्डिनेट्स अक्षांश 36.71 उत्तर और देशांतर 74.32 पूर्व थे। यह धरती की सतह से 171 किलोमीटर अंदर आया।" अब तक कहीं से भी किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं मिली है। लद्दाख क्षेत्र और घाटी के कुछ हिस्से भूकंप के लिहाज से संवेदनशील इलाकों में आते हैं। 8 अक्टूबर, 2005 को सुबह 8.50 बजे रिक्टर स्केल पर यहां 7.6 तीव्रता का भूकंप आया, जिसका केंद्र पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के मुजफ्फराबाद शहर में था। इस भूकंप से पूरा मुजफ्फराबाद शहर मलबे में बदल गया था। साथ ही इसने खैबर पख्तूनख्वा के पास के बालाकोट और जम्मू और कश्मीर के कुछ इलाकों को भी प्रभावित किया। भूकंप के झटके अफगानिस्तान, ताजिकिस्तान और शिनजियांग क्षेत्र में भी महसूस किए गए। भूकंप से हुए नुकसान की गंभीरता का कारण जमीन का तेजी से ऊपर उठना था। हालांकि मैग्नीट्यूड के हिसाब से यह इस इलाके में आया सबसे बड़ा भूकंप नहीं था, लेकिन इसे सबसे जानलेवा माना जाता है, जिसने 1935 के क्वेटा भूकंप को भी पीछे छोड़ दिया। यह उस दशक की पांचवीं सबसे जानलेवा प्राकृतिक आपदा थी।

नितिन नबीन बने भाजपा अध्यक्ष पद के एकमात्र उम्मीदवार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नितिन नबीन को एकमात्र उम्मीदवार घोषित किया है। नामांकन और जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद उनके निर्विरोध निर्वाचन का रास्ता साफ हो गया है। सोमवार देर रात जारी आधिकारिक बयान में राष्ट्रीय प्रतिवेदक के. लक्ष्मण ने बताया कि नामांकन वापस लेने की समय सीमा समाप्त होने तक नबीन के अलावा किसी अन्य उम्मीदवार ने दावा नहीं किया। प्रतिवेदक के अनुसार दोपहर 2 से 4 बजे के बीच नितिन नबीन के समर्थन में नामांकन पत्रों के 37 सेट जमा हुए, जिन्हें जांच के बाद वैध पाया गया। किसी भी प्रत्याशी ने नामांकन वापस नहीं लिया। भाजपा के 36 में से 30 राज्य अध्यक्षों के निर्वाचित होने से चुनाव प्रक्रिया को गति मिली। 45 वर्षीय नबीन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और निवर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा का समर्थन प्राप्त है। बिहार से पांच बार विधायक रह चुके नबीन को युवा नेतृत्व और संगठनात्मक निरंतरता का प्रतीक माना जा रहा है।

चुप्पी एक तरह का लालच, ऐसे नहीं बना सकते देश महान; राहुल गांधी का कहां निशाना?

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केरल में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अपना अहम मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी देश तब तक महान नहीं बन सकता, जब तक उसके लोग अपने मतों और विचारों को स्वतंत्रता के साथ व्यक्त नहीं करते। राहुल गांधी ने जोर देकर कहा कि लोगों को अपने विचारों के लिए संघर्ष करना होगा और लालच की संस्कृति को छोड़कर अपनी आवाज उठानी होगी। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा, "पूरे देश में हम ऐसे कई लोगों को देखते हैं, जो किसी मुद्दे पर विश्वास करने के बावजूद उसे कहने का साहस नहीं करते। लेकिन उन्हें यह समझना चाहिए कि कोई भी राष्ट्र चुप्पी के दम पर महान नहीं बनता। महान राष्ट्र और महान लोग तभी महान बनते हैं, जब वे अपने विचारों और मतों को खुलकर व्यक्त करते हैं और उनके लिए संघर्ष करते हैं।" राहुल जब यह भाषण दे रहे थे, उस समय एक दुभाषिया उनके शब्दों का मलयालम भाषा में अनुवाद

कर श्रोताओं तक पहुंचा रहा था। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए राहुल गांधी ने कहा, "चुप्पी की संस्कृति के भीतर लालच की भावना छिपी होती है। जैसे कि जब तक मुझे वह मिल रहा है, जिसकी मुझे जरूरत है, तब तक यह मायने नहीं रखता कि मेरे आसपास क्या हो रहा है। मुझे कुछ कहने की जरूरत नहीं है। मैं लोगों को अपमानित होते हुए, उनकी हत्या होते हुए, उन्हें मारे जाते हुए देख सकता हूं। अगर ऐसा है, तो यही लालच की संस्कृति है और हमें इसे बदलना होगा।"

जनता से आज्ञा पालन करवाना चाहते हैं भाजपा, संघः राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा, आरएसएस और कांग्रेस के बीच सबसे बड़ा अंतर सत्ता के केंद्रीकरण और विकेंद्रीकरण को लेकर है। उन्होंने कहा, "अगर आप भाजपा, आरएसएस और कांग्रेस पार्टी के अंतर को गहराई से देखें, तो पाएंगे कि वे सत्ता के केंद्रीकरण के पक्षधर हैं, जबकि हम सत्ता के विकेंद्रीकरण के समर्थक हैं। वे भारत की जनता से केवल आज्ञापालन चाहते हैं। वे भारत की जनता की आवाज सुनना ही नहीं चाहते।" हालांकि राहुल गांधी ने अपने भाषण में किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके इस बयान को उन लोगों से जोड़कर देखा जा रहा है, जो सरकार से असहमति रखते हैं, इसके बावजूद खुलकर अपने विचार व्यक्त नहीं करते। ऐसा इसलिए क्योंकि कहीं न कहीं उन्हें अपने लाभ खत्म होने या सरकार के निशाने पर आने का डर बना रहता है।

स्पेन में भीषण रेल हादसा, 21 की मौत, 30 घायलों की हालत नाजुक

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पेन के एडम्यूज (कोर्डोबा) में तेज गति से चलने वाली दो यात्री रेलगाड़ियां (हाई-स्पीड ट्रेनों) पटरी से उतर गईं। इस हादसे में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों यात्री घायल हो गए। इनमें 30 की हालत गंभीर है। पहले एक ट्रेन पटरी से उतरकर एम्बुलेंस से टकराई और उसके कई डिब्बे अलग हो गए। मरने वालों में दूसरी ट्रेन का ड्राइवर भी है। यह हादसा रविवार देररात हुआ। घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

मृतकों की संख्या बढ़ सकती है

इस रेल हादसे को लेकर रेलमंत्री ऑस्कर पुएंते ने कहा है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। उन्होंने बताया कि इरियो कंपनी की ट्रेन 18:40 बजे मालागा से पुएर्टा डे एटोचा (मैड्रिड) के लिए निकली थी। हादसा 19:39 बजे अदमूज में हुआ। इस ट्रेन के छह डिब्बे पटरी से उतर गए और अल्विया (मैड्रिड-हुएलवा) के ट्रैक पर आ गए। इसी समय समानांतर रूप से 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दूसरी ट्रेन आ गई। दूसरी ट्रेन से

टक्कर के बाद वह बेपटरी हो गई। रेलमंत्री ने रात साढ़े 12 बजे संवाददाता सम्मेलन में कहा कि डिब्बों में फंसे सभी लोगों को बचा लिया गया है। हादसे की जांच स्वतंत्र आयोग करेगा।

ट्रेनों की आवाजाही सोमवार को रहेगी निलंबित

अदमूज के मेयर राफेल मोरेनो स्थानीय पुलिस के साथ दुर्घटना स्थल पर सबसे पहले पहुंचे। चारों ओर अंधेरा था। चीख-पुकार मची हुई थी। उधर, आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इस हादसे के कारण मैड्रिड और अंडालूसिया के बीच हाई-स्पीड लाइन पर रेल यातायात रोक दिया गया। राजधानी और कॉर्डोबा, सेविले, मालागा और हुएलवा के बीच ट्रेनों की आवाजाही सोमवार को निलंबित रहेगी।

तेलंगाना में के. कविता के साथ मिलकर काम करेंगे प्रशांत किशोर?

-बिहार में हार के बाद सामने आया PK का नया प्लान

नई दिल्ली । चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर के तेलंगाना की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने की अटकलें तेज हो गई हैं। बताया जा रहा है कि बीआरएस की पूर्व नेता के. कविता द्वारा बनाई जा रही नई राजनीतिक पार्टी के गठन में प्रशांत किशोर अहम भूमिका निभा सकते हैं। दोनों नेताओं के बीच इसे लेकर कई दौर की बैठकें हो चुकी हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि तेलंगाना की राजनीति में एक नई ताकत खड़ी करने की दिशा में गंभीर प्रयास चल रहे हैं। सूत्रों के अनुसार प्रशांत किशोर ने के. कविता के साथ काम करने में रुचि दिखाई है। पिछले दो महीनों के दौरान हैदराबाद में दोनों नेताओं के बीच कम से कम दो अहम बैठकें हुई हैं। हाल के हफ्तों में इन चर्चाओं में तेजी आई है, जिससे के. कविता की ओर से नई पार्टी के गठन की तैयारियां तेज होती नजर आ रही हैं। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम को लेकर अब तक किसी भी पक्ष की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

संक्रांति के दौरान पांच दिनों तक चली मीटिंग

संक्रांति पर्व के दौरान के. कविता और प्रशांत किशोर के बीच लगातार पांच दिनों तक बैठकें चलीं। इन बैठकों में गंभीर और विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। के. कविता ने तेलंगाना की जनता के लिए एक ऐसी राजनीतिक पार्टी बनाने का अपना विजन साझा किया, जिसमें जनता यह महसूस कर सके कि संगठन का वास्तविक स्वामित्व उन्हीं के पास है और पार्टी पूरी तरह जनता के नजरिए से काम करे। प्रशांत किशोर और के. कविता के बीच हुई चर्चाओं में पार्टी की संगठनात्मक संरचना, जनसंपर्क रणनीति और दीर्घकालिक राजनीतिक दिशा जैसे मुद्दों पर विस्तार से मंथन हुआ। इन बैठकों से यह स्पष्ट होता है कि पर्दे के पीछे नई पार्टी को औपचारिक रूप देने की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है।

समितियों का गठन, तेलंगाना की पहचान पर जोर

नई पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए के. कविता पहले ही 50 समितियों का गठन कर चुकी हैं। इन समितियों को जनता की जरूरतों और आकांक्षाओं के आधार पर नीतियों का ड्राफ्ट तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई है। फिलहाल ये समितियां जमीनी स्तर पर विस्तृत अध्ययन कर रही हैं, ताकि प्रस्तावित पार्टी का एजेंडा जन-केंद्रित शासन और स्थानीय मुद्दों को प्रभावी ढंग से सामने ला सके। इस पूरे घटनाक्रम से जुड़े लोगों का कहना है कि के. कविता तेलंगाना की स्वतंत्र राजनीतिक पहचान की रक्षा और उसे और मजबूत करने के उद्देश्य से नई राजनीतिक पार्टी के गठन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। भले ही अभी तक इसकी औपचारिक घोषणा नहीं हुई हो, लेकिन प्रशांत किशोर के साथ लगातार हो रही बैठकें और संगठनात्मक गतिविधियों की रफ्तार यह संकेत देती है कि नई पार्टी की योजना धीरे-धीरे ठोस आकार ले रही है।

'हमारे पड़ोस में आतंकवाद को बढ़ावा न दें', एस. जयशंकर ने पोलैंड के विदेश मंत्री को सामने बैठाकर सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली । दिल्ली में पोलैंड के डिप्टी प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोर्स्की के साथ हुई बैठक के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आतंकवाद के मुद्दे पर पोलैंड के रुख पर कड़ी आपत्ति जताई। पोलैंड के विदेश मंत्री द्वारा पाकिस्तान के समर्थन वाले बयान को लेकर एस. जयशंकर ने दो टूक शब्दों में कहा कि पोलैंड को आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनानी चाहिए। इस मौके पर उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत का दृष्टिकोण भी स्पष्ट किया।

'आतंकी इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने में मदद न करे पोलैंड'

भारत ने रादोस्लाव सिकोर्स्की से साफ कहा कि वह पाकिस्तान में आतंकवादी इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने में किसी भी तरह की मदद न करें। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा, "हाल ही में न्यूयॉर्क और पेरिस में मैंने यूक्रेन संघर्ष और उसके परिणामों पर अपने विचार खुलकर रखे हैं। ऐसा करते हुए मैंने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि भारत को चुन-चुनकर निशाना बनाना गलत और अन्यायपूर्ण है। मैं आज फिर वही बात दोहरा रहा हूं। आप इस क्षेत्र से अनजान नहीं हैं और सीमा पार आतंकवाद की पुरानी समस्या से भली-भांति परिचित हैं।"

आतंकवाद को लेकर क्या बोले पोलैंड के विदेश मंत्री?

एस. जयशंकर की बातों से सहमति जताते हुए पोलैंड के विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोर्स्की ने कहा, "मैं सीमा पार आतंकवाद से मुकाबले की जरूरत पर आपसे पूरी तरह सहमत हूं। जैसा कि आपने सुना होगा, पोलैंड हाल के समय में आगजनी और राज्य प्रायोजित आतंकवाद का शिकार हुआ है, जब पोलैंड की एक रेलवे लाइन को उड़ाने की कोशिश की गई थी। हालांकि आतंकवादियों की नाकामी के चलते कोई जनहानि नहीं हुई।"

पोलैंड ने पाकिस्तान के साथ साझा बयान में कश्मीर का किया था जिक्र

पोलैंड के विदेश मंत्री ने अक्टूबर 2025 में पाकिस्तान के साथ जारी संयुक्त बयान में कश्मीर का उल्लेख किया था। उस बयान में कहा गया था, "पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर और पोलैंड ने यूक्रेन युद्ध पर अपना-अपना पक्ष रखा।" भारत ने उस समय इस बयान की कड़ी निंदा की थी और अब दिल्ली में हुई बैठक के दौरान एस. जयशंकर ने यही मुद्दा पोलैंड के विदेश मंत्री के सामने फिर उठाया।

पोलैंड ने टैरिफ को लेकर भारत के रुख का समर्थन किया

पोलैंड ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के उस बयान का समर्थन किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका कुछ खास देशों को टैरिफ के जरिए निशाना बना रहा है। रादोस्लाव सिकोर्स्की ने कहा, "टैरिफ के माध्यम से चुनिंदा देशों को टारगेट किए जाने वाले आपके बयान से मैं पूरी तरह सहमत हूं। हमें आशंका है कि इससे वैश्विक व्यापार में बड़ी उथल-पुथल पैदा हो रही है।"

यूरोप-भारत रिश्तों पर भी हुई बात

पोलैंड के उप प्रधानमंत्री ने कहा कि यूरोप को उम्मीद है कि भारत इस क्षेत्र के साथ अपना जुड़ाव बनाए रखेगा। उन्होंने कहा, "हम देख रहे हैं कि आप यूरोप के कई देशों में नए दूतावास स्थापित कर रहे हैं, जिससे यह साफ होता है कि आप यूरोपीय संघ के साथ संबंधों को लेकर गंभीर और प्रतिबद्ध हैं।"

पीएम आवास योजना से यूपी में 62 लाख परिवारों को मिला अपना घर: सीएम योगी

यूपी। उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना ने लाखों जरूरतमंद परिवारों के सपनों को साकार किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को प्रदेश के 2 लाख लाभार्थियों को बड़ी सौगात देते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी 2.0 के तहत पहली किस्त जारी की। लखनऊ के गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 2,000 करोड़ रुपये की अनुदान राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में ट्रांसफर की।

आजादी के बाद पहली बार 62 लाख लोगों को पक्का आवास

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले पौने नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में 60 लाख से अधिक परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिया गया है। अब 2 लाख नए लाभार्थियों के जुड़ने से यह आंकड़ा 62 लाख तक पहुंच गया है। उन्होंने इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि आजादी के बाद यह पहला अवसर है, जब इतनी बड़ी संख्या में लोगों को पक्के आवास की सुविधा मिली है। इसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और नेतृत्व को जाता है।

अच्छी सरकारें सुविधाओं का विस्तार करती हैं: सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा कि जब अच्छी सरकारें आती हैं, तो वे जनता को बेहतर सुविधाएं देने का काम करती हैं। मौजूदा सरकार के कार्यकाल में सड़कों का जाल बिछा है, शहर स्वच्छ हुए हैं, पेयजल और यातायात सुविधाओं में सुधार हुआ है और स्मार्ट सिटी के लक्ष्य की ओर तेजी से कदम बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि पहली बार स्ट्रीट वेंडर्स को भी पीएम स्वनिधि योजना के तहत आर्थिक सहायता मिल रही है।

केवल आवास नहीं, स्वावलंबन की नींव

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना सिर्फ एक घर देने की योजना नहीं है, बल्कि यह स्वावलंबन की मजबूत नींव है। हर व्यक्ति का सपना होता है कि उसका अपना घर हो। रोटी, कपड़ा और मकान जीवन की बुनियादी जरूरतें हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन तीनों जरूरतों की व्यवस्था की है—रोटी के लिए राशन कार्ड, कपड़े के लिए रोजगार के अवसर और मकान के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना।

शहरी आवास क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि

सीएम योगी ने बताया कि वर्ष 2017 से 2025 के बीच 17 लाख 66 हजार शहरी परिवारों को आवास उपलब्ध कराया गया है, जो अब बढ़कर 19 लाख 75 हजार तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि आवास केवल छत नहीं होता, बल्कि आत्मनिर्भरता का आधार होता है। आवास के साथ शौचालय, बिजली कनेक्शन, उज्ज्वला गैस कनेक्शन और आयुष्मान कार्ड जैसी सुविधाएं भी दी जा रही हैं।

2 लाख लाभार्थियों के खातों में पहुंचे 2,000 करोड़ रुपये

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कार्यक्रम की तस्वीरें साझा करते हुए बताया कि केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर की वर्चुअल उपस्थिति में 2 लाख से अधिक लाभार्थियों के खातों में सीधे 2,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि ट्रांसफर की गई। कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र भी वितरित किए गए और मुख्यमंत्री ने सभी को सुरक्षित व आत्मनिर्भर जीवन की शुभकामनाएं दीं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

महाराष्ट्र निकाय चुनाव: क्षेत्रीय अस्मिता से व्यापक हिंदुत्व की ओर राजनीति का संकेत

महाराष्ट्र के नगर निकाय चुनाव परिणाम केवल स्थानीय सत्ता संतुलन की तस्वीर नहीं दिखाते, बल्कि वे राज्य की बदलती सामाजिक-राजनीतिक चेतना का गहरा संकेत भी देते हैं। देश की सबसे बड़ी जीडीपी वाले इस राज्य के 29 नगर निगमों में हुए चुनावों ने स्पष्ट कर दिया है कि महाराष्ट्र की राजनीति अब पारंपरिक क्षेत्रीय पहचान और नई वैचारिक धारा के बीच एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका में पहली बार भाजपा (प्लस) की जीत को केवल एक चुनावी सफलता मानना सतही विश्लेषण होगा। इससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि बालासाहेब ठाकरे की विरासत का दावा करने वाले ठाकरे बंधुओं का गठजोड़ इस चुनाव में सत्ता से बाहर हो गया। लगभग ढाई दशक तक देश के सबसे अमीर नगर निकाय पर नियंत्रण बनाए रखना शिवसेना की राजनीतिक ताकत और मराठी अस्मिता का प्रतीक माना जाता था। उसका हाथ से जाना यह संदेश देता है कि आक्रामक हिंदुत्व की राजनीति का जो गढ़ कभी शिवसेना हुआ करता था, वह अब भाजपा की वैचारिक और सांगठनिक क्षमता के सामने टिक नहीं सका। यह परिणाम इस ओर भी इशारा करता है कि मराठी मानुष की क्षेत्रीय भावना अब खुद को व्यापक हिंदू पहचान के साथ समन्वित करने की ओर बढ़ रही है। मुंबई जैसे महानगर में रोजगार, बुनियादी सुविधाएं, शहरी विकास और राष्ट्रीय राजनीति के विमर्श ने स्थानीय अस्मिता की राजनीति को नए सांचे में ढाल दिया है। हालांकि यह भी सच है कि भाजपा का प्रदर्शन पूर्ण क्लीन स्वीप नहीं रहा और उद्धव-राज ठाकरे की जोड़ी ने संयुक्त रूप से प्रभाव दर्ज कराया, लेकिन यह प्रभाव सत्ता में बदल नहीं सका। इससे ठाकरे बंधुओं के सामने यह चुनौती खड़ी हो गई है कि वे अपनी राजनीति की दिशा और भाषा को नए सिरे से तय करें। पुणे नगर निगम में भाजपा की दोबारा जीत एक और महत्वपूर्ण संकेत देती है। यह परिणाम बताता है कि शरद पवार जैसे अनुभवी नेता का राजनीतिक तिलिस्म भी शहरी महाराष्ट्र में कमजोर पड़ रहा है। पुणे शिक्षित मध्यवर्ग, आईटी पेशेवरों और उद्यमियों का शहर है, जहां विकास, प्रशासनिक दक्षता और स्थिरता को प्राथमिकता दी जाती है। यहां भाजपा की पकड़ यह दर्शाती है कि पार्टी ने शहरी मतदाता के मनोविज्ञान को समझने और उसे अपने पक्ष में साधने में सफलता पाई है। शेष 27 नगर निगमों में भाजपा का बेहतर प्रदर्शन यह संकेत देता है कि पार्टी महाराष्ट्र में केवल गठबंधन आधारित नहीं, बल्कि स्थायी जनाधार बनाने की ओर अग्रसर है। यह बदलाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि महाराष्ट्र ऐतिहासिक रूप से भाषा और क्षेत्रीय पहचान की राजनीति का मजबूत केंद्र रहा है। तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे राज्यों में भी भाषा और क्षेत्रीय अस्मिता ने राष्ट्रीय दलों के विस्तार को सीमित रखा है। इसी कारण भाजपा को दक्षिण भारत में अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई। लेकिन महाराष्ट्र के ये चुनाव परिणाम बताते हैं कि व्यापक हिंदुत्व की राजनीति में सर्वभाव-समाहन की क्षमता है।

चुनावी दौर में जांच एजेंसियां और विपक्ष का सवाल हमारी लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर गहराता संकट और भरोसे का

-चुनावों से पहले विपक्ष पर कार्रवाई लोकतंत्र समान अवसर और संस्थागत तटस्थता को कठघरे लाती

भारतीय लोकतंत्र की बुनियाद कुछ मूल स्तंभों पर टिकी है—स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव, कानून के समक्ष समानता, और ऐसी संस्थाएं जो बिना भय, दबाव और पक्षपात के अपने दायित्व निभाएं। लेकिन बीते कुछ वर्षों में एक सवाल बार-बार उठता रहा है कि क्या हमारी केंद्रीय जांच एजेंसियां—खासकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर विभाग—वास्तव में उसी निष्पक्षता के साथ काम कर रही हैं, जिसकी अपेक्षा संविधान करता है? यह सवाल तब और तीखा हो जाता है जब हर बड़े चुनाव से ठीक पहले विपक्षी दलों और उनके नेताओं पर छापे, समन, गिरफ्तारियां और जांचें तेज हो जाती हैं। प्रथम दृष्टया, सरकार और जांच एजेंसियों की यह दलील सैद्धांतिक रूप से सही लगती है कि भ्रष्टाचार या आर्थिक अपराधों की जांच चुनावी कैलेंडर देखकर नहीं की जा सकती। अगर कहीं गड़बड़ी है तो जांच होनी ही चाहिए—चाहे चुनाव हों या न हों। कानून किसी की सहूलियत के मुताबिक नहीं चलता। लेकिन क्या यही पूरा सच है? अगर ऐसा ही है, तो फिर यह सवाल क्यों बार-बार उठता है कि चुनावों से पहले विपक्षी दल ही क्यों निशाने पर रहते हैं, जबकि सत्ताधारी दल या उसके नेताओं पर ऐसी कार्रवाई शायद ही कभी दिखाई देती है? यहां बात केवल आरोपों की नहीं, बल्कि धारणा (परसेप्शन) की है। लोकतंत्र में धारणा बहुत मायने रखती है। जब आम वोटर को यह लगने लगे कि खेल का मैदान बराबर नहीं है, कि एक पक्ष को संस्थागत ताकत का फायदा मिल रहा है और दूसरे पक्ष को उसी तंत्र से दबाया जा रहा है, तो यह भावना लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा की आत्मा को कमजोर करती है।

संविधान, संस्थाएं और निष्पक्षता

भारतीय संविधान जांच एजेंसियों को स्वतंत्र रूप से काम करने का दायित्व देता है। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे बिना किसी राजनीतिक दबाव के, केवल सबूतों और कानून के आधार पर कार्रवाई करें। कानून के समक्ष समानता का सिद्धांत यही कहता है कि सत्ता में बैठे व्यक्ति और विपक्ष में खड़े नेता—दोनों के लिए नियम एक जैसे हों। लेकिन व्यवहार में तस्वीर कुछ और ही दिखती है। बीते एक दशक के राजनीतिक नैरेटिव पर नजर डालें तो यह धारणा मजबूत हुई है कि ईडी और सीबीआई न्याय के औजार कम और राजनीति के हथियार ज्यादा बनती जा रही हैं। यह धारणा अचानक नहीं बनी। इसके पीछे घटनाओं की एक लंबी श्रृंखला है, जो लगभग हर बड़े चुनाव से पहले दोहराई जाती है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से जुड़ी राजनीतिक कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक पर छापेमारी हुई। मामला अदालत में विचाराधीन है, इसलिए आरोपों के गुण-दोष पर टिप्पणी करना यहां मकसद नहीं है। लेकिन चुनावी माहौल में ऐसी कार्रवाई का राजनीतिक संदेश क्या जाता है, इसे नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। इसी तरह आम आदमी पार्टी (आप) को राज्य और केंद्र—दोनों स्तरों के चुनावों के दौरान ईडी और सीबीआई की कार्रवाइयों का सामना करना पड़ा। दिल्ली सरकार के मंत्रियों से लेकर शीर्ष नेतृत्व तक पर जांच की तलवार लटकी रही। तमिलनाडु में 2021 के विधानसभा चुनावों से पहले डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन के परिवार के सदस्यों पर आयकर छापे पड़े और कई नेताओं पर ईडी की जांच शुरू हुई। इन उदाहरणों को अलग-अलग घटनाओं के रूप में देखा जा सकता है, लेकिन जब इन्हें एक साथ रखकर देखा जाता है तो एक पैटर्न उभरता है। यह पैटर्न चुनावी परिदृश्य से अलग नहीं दिखता।

आंकड़े क्या कहते हैं?

भावनाओं और आरोपों से हटकर अगर हम आंकड़ों पर नजर डालें, तो तस्वीर और भी सवाल खड़े करती है। 2014 के बाद से दर्ज मामलों का विश्लेषण बताता है कि सीबीआई और ईडी द्वारा दर्ज किए गए मामलों में लगभग 95 प्रतिशत विपक्षी नेताओं के खिलाफ हैं। ईडी की कार्रवाइयों में तो अभूतपूर्व बढ़ोतरी देखी गई है। 2014 से पहले के लगभग एक दशक में ईडी की छापेमारियों की संख्या सौ के आसपास थी। लेकिन 2014 के बाद के दशक में यह संख्या हजारों तक पहुंच गई। यह बढ़ोतरी अपने आप में सवाल नहीं है—क्योंकि मनी लॉन्ड्रिंग और आर्थिक अपराध बढ़े भी हो सकते हैं। सवाल यह है कि इस बढ़ी हुई सक्रियता का निशाना लगभग हमेशा विपक्ष ही क्यों बनता है? और यह सवाल तब और गंभीर हो जाता है जब हम यह देखते हैं कि मौजूदा केंद्रीय मंत्रिपरिषद के 72 में से 29 मंत्रियों—यानी लगभग 40 प्रतिशत—पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। ये आंकड़े किसी विपक्षी दल ने नहीं, बल्कि खुद इन मंत्रियों ने निर्वाचन आयोग को दिए गए अपने शपथ पत्रों में घोषित किए हैं। इन मामलों में हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण, चोरी और धोखाधड़ी जैसे गंभीर आरोप भी शामिल हैं। स्वाभाविक सवाल उठता है—क्या इन मामलों की भी उतनी ही सख्ती और तेजी से जांच हुई है? अगर नहीं, तो क्यों?

धारणा बनाम मंशा

यह जरूरी नहीं कि एक ही पक्ष पर बार-बार कार्रवाई होना किसी सुनियोजित मंशा का पुख्ता सबूत हो। लेकिन लोकतंत्र में धारणा भी उतनी ही अहम होती है जितनी मंशा। जब एक के बाद एक विपक्षी नेताओं पर कार्रवाई होती है और सत्ताधारी पक्ष लगभग अछूता नजर आता है, तो गैर-बराबरी की भावना गहराती है। भारत जैसे देश में, जहां पहले से ही संस्थानों पर भरोसा कमजोर होता जा रहा है, ऐसी धारणा लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े कर देती है।

लोग यह मानने लगते हैं कि जांच एजेंसियां किसी राजनीतिक शून्य में काम नहीं करतीं, बल्कि सत्ता के समीकरणों से प्रभावित होती हैं। खासतौर पर चुनावों के समय जब ये एजेंसियां प्रमुख विपक्षी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करती हैं—चाहे वह जानबूझकर हो या संयोगवश—तो उसके राजनीतिक नतीजे सामने आते ही हैं। विपक्ष की छवि प्रभावित होती है, उसका प्रचार अभियान बाधित होता है और चुनावी बहस का एजेंडा बदल जाता है।

लोकतांत्रिक चेतना पर असर

लोकतंत्र सिर्फ वोट डालने की प्रक्रिया नहीं है। यह एक भरोसे का सिस्टम है—भरोसा कि सभी राजनीतिक दलों को बराबर अवसर मिलेगा, भरोसा कि संस्थाएं निष्पक्ष रहेंगी, और भरोसा कि नतीजे एक समान मैदान में हुई प्रतिस्पर्धा का परिणाम होंगे। जब लाखों वोटरों को यह लगने लगे कि चुनावी मैदान बराबरी का नहीं है, तो नतीजों की वैधता पर सवाल उठने लगते हैं। लोग यह सोचने लगते हैं कि क्या सच में जनता का फैसला निर्णायक था, या फिर संस्थागत दबावों ने चुनावी माहौल को प्रभावित किया। यह भावना लोकतांत्रिक चेतना के लिए खतरनाक है। इसीलिए केंद्रीय एजेंसियों के पक्षपात की धारणा को महज विपक्ष की शिकायत कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। यह लोकतंत्र में समान भागीदारी की भावना से जुड़ा मुद्दा है।

आरोपों के गुण-दोष से परे सवाल

यहां यह साफ कर देना जरूरी है कि यह बहस किसी भी नेता या दल पर लगे आरोपों के गुण-दोष पर नहीं है। अगर भ्रष्टाचार हुआ है, तो जांच होनी ही चाहिए। कानून से कोई ऊपर नहीं होना चाहिए—चाहे वह विपक्ष में हो या सत्ता में। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह जांच सभी के लिए समान रूप से हो रही है? अगर एक पक्ष को चुनाव प्रचार के दौरान भी जांच और कार्रवाई का सामना करना पड़ता है, जबकि दूसरा पक्ष संस्थागत तटस्थता का पूरा लाभ उठाता है, तो समान अवसर की भावना कमजोर पड़ती है। केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप केवल व्यक्तिगत या राजनीतिक मसला नहीं है। यह भरोसे का सवाल है—भरोसा निष्पक्षता का, कानून के समक्ष समानता का और लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा में ईमानदारी का। जब यह भरोसा टूटता है, तो उसका दबाव पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था पर महसूस होता है। ऐसे में किसी भी लोकतंत्र को खुद से एक ईमानदार सवाल पूछना चाहिए—क्या हमारी संस्थाएं ताकतवर के साथ भी निष्पक्ष रह सकती हैं? अगर जवाब पूरी तरह 'हां' नहीं है, तो सुधारों की जरूरत साफ नजर आती है। सबसे पहले, जांच एजेंसियों को स्पष्ट कानूनी सुरक्षा की जरूरत है, ताकि वे राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर काम कर सकें।

अपने ही फैसलों से पलटती सुप्रीम कोर्ट, न्यायिक स्थिरता पर सवाल और लोकतंत्र में भरोसे की परीक्षा का दौर

-2025 में फैसलों की वापसी से न्यायिक अनुशासन, वैधता और संवैधानिक संतुलन पर गहरी चिंता

भारत की न्यायपालिका, विशेषकर सुप्रीम कोर्ट, को संविधान का संरक्षक और लोकतंत्र का अंतिम प्रहरी माना जाता है। देश की जनता की उम्मीदें, अधिकारों की रक्षा और शासन की संवैधानिकता तय करने की अंतिम ज़िम्मेदारी इसी संस्था पर टिकी है। ऐसे में जब सर्वोच्च अदालत अपने ही फ़ैसलों को बार-बार बदलती या पलटती दिखे, तो यह केवल एक कानूनी प्रक्रिया भर नहीं रह जाती, बल्कि एक गंभीर सार्वजनिक चिंता का विषय बन जाती है। वर्ष 2025 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपने आठ फ़ैसलों को पलटना इसी चिंता को जन्म देता है और न्यायिक स्थिरता, विश्वसनीयता व अनुशासन पर कई सवाल खड़े करता है।

फ़ैसलों से पलटना: पहले और अब का अंतर

यह सच है कि सुप्रीम कोर्ट ने अतीत में भी अपने कई फ़ैसलों की समीक्षा की है। संविधान में इसके लिए रिव्यू पिटिशन और क्यूरेटिव पिटिशन जैसी व्यवस्थाएं मौजूद हैं। कई बार बड़ी पीठों ने पहले के फ़ैसलों को बदला है, लेकिन यह बदलाव आमतौर पर एक लंबी कानूनी प्रक्रिया, गहन बहस और स्पष्ट कारणों के बाद हुआ करता था। लेकिन 2025 में जो देखने को मिला, वह इससे अलग और कहीं अधिक चिंताजनक है। इस बार कई फ़ैसले कोर्ट के भीतर ही पलटे गए, वह भी बिना किसी लंबी अपील प्रक्रिया के। सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए मामलों को दूसरी पीठों के पास भेजा और उन पीठों ने पहले की बेंच के निर्णयों को बदल दिया। विधि विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह का चलन सर्वोच्च अदालत के इतिहास में लगभग पहली बार सामने आया है।

न्यायिक वैधता और अनुच्छेद 141 पर सवाल

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 141 कहता है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा घोषित क़ानून देश की सभी अदालतों पर बाध्यकारी होगा। इसका मूल उद्देश्य यह है कि किसी भी कानूनी विवाद का अंतिम समाधान सुप्रीम कोर्ट के फ़ैसले से हो जाए और न्यायिक प्रक्रिया में स्थिरता बनी रहे। लेकिन जब सुप्रीम कोर्ट अपने ही फ़ैसलों को बार-बार पलटने लगे, तो अनुच्छेद 141 की आत्मा पर ही प्रश्नचिह्न लग जाता है। आम नागरिक, निचली अदालतें और यहां तक कि सरकारें भी यह सोचने पर मजबूर हो जाती हैं कि क्या सुप्रीम कोर्ट का कोई फ़ैसला सचमुच अंतिम है या नहीं। इससे न्यायिक अथॉरिटी और फ़ैसलों की वैधता कमजोर होने का ख़तरा पैदा होता है।

किन-किन मामलों में बदले गए फ़ैसले

2025 में बदले गए आठ फ़ैसलों के विषय भी कम महत्वपूर्ण नहीं थे। इनमें न्यायिक अनुशासन, पर्यावरण संरक्षण, कॉर्पोरेट मामलों, प्रशासनिक निर्णयों और यहां तक कि आवारा कुत्तों से जुड़े प्रकरण भी शामिल थे। यह विविधता अपने आप में बताती है कि यह केवल किसी एक तरह के मामलों तक सीमित प्रवृत्ति नहीं है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट की कार्यप्रणाली से जुड़ा एक व्यापक सवाल है। गौर करने वाली बात यह भी है कि इन आठ फ़ैसलों में से तीन जस्टिस जे.बी. पारदीवाला की पीठ द्वारा दिए गए थे, जो भविष्य में भारत के प्रधान न्यायाधीश बनने वाले हैं। इससे यह बहस और तेज़ हो गई है कि क्या आने वाले समय में न्यायिक रुख और अधिक अस्थिर हो सकता है।

अरावली खनन मामला: सबसे बड़ा उलटफेर

इन सभी में सबसे चौंकाने वाला मामला अरावली पहाड़ियों में खनन से जुड़ा फ़ैसला रहा। अरावली को दिल्ली और हरियाणा के "ग्रीन लंग्स" यानी हरित फेफड़े कहा जाता है। पर्यावरणीय दृष्टि से यह क्षेत्र अत्यंत संवेदनशील है। 20 नवंबर को तत्कालीन सीजेआई बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने खनन नियमन के लिए एक सरकारी समिति द्वारा सुझाई गई ऊंचाई-आधारित परिभाषा को मंज़ूरी दे दी। इस फ़ैसले का मतलब यह था कि अरावली के कुछ हिस्सों में खनन को वैधानिक रास्ता मिल सकता है। जैसे ही यह निर्णय सामने आया, पर्यावरणविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों में भारी असंतोष फैल गया। व्यापक सार्वजनिक विरोध के बाद, नए सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस फ़ैसले पर रोक लगा दी। इतना ही नहीं, कोर्ट ने इस मुद्दे के पुनर्मूल्यांकन के लिए विषय विशेषज्ञों की एक नई समिति भी गठित कर दी। नए आदेश में कहा गया कि "जनभावना" को देखते हुए पूर्व फ़ैसले की समीक्षा की जा रही है। यह कदम एक ओर तो लोकतांत्रिक संवेदनशीलता दिखाता है, लेकिन दूसरी ओर कई गंभीर सवाल भी खड़े करता है।

सवाल जो जवाब मांगते हैं

सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या पहले वाली पीठ ने यह फ़ैसला देते समय पर्याप्त मंथन नहीं किया था? क्या दिल्ली और हरियाणा के लिए जीवनरेखा मानी जाने वाली अरावली पहाड़ियों के पर्यावरणीय महत्व को पूरी गंभीरता से समझा गया था? या फिर यह मान लिया जाए कि पहले का फ़ैसला तकनीकी रूप से तो सही था, लेकिन जनदबाव के चलते उसे पलटना पड़ा? यदि ऐसा है, तो यह न्यायिक स्वतंत्रता के लिए एक खतरनाक संकेत है। न्यायपालिका से यह अपेक्षा की जाती है कि वह लोकप्रियता या अस्थायी जनभावना से ऊपर उठकर संविधान और क़ानून के आधार पर निर्णय करे। कुछ आलोचकों ने यहां तक कहा कि यह स्टे कहीं न कहीं "लोकप्रियता बटोरने" का प्रयास तो नहीं था। हालांकि इस आरोप को सीधे स्वीकार करना मुश्किल है, लेकिन न्यायपालिका की पारदर्शिता और निर्णय प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवालों को नज़रअंदाज़ भी नहीं किया जा सकता।

टाइमिंग और संदेह

अरावली मामले में फ़ैसलों की टाइमिंग ने इस बहस को और गहरा कर दिया। 20 नवंबर को खनन को हरी झंडी देने वाला फ़ैसला आया, और यह तारीख तत्कालीन सीजेआई गवई के सेवानिवृत्त होने से महज़ तीन दिन पहले की थी। इसके ठीक पांच सप्ताह बाद, 29 दिसंबर को इस फ़ैसले को पलट दिया गया। शीतकालीन अवकाश के बीच, सीजेआई सूर्यकांत ने इसके लिए एक विशेष पीठ का गठन किया। यह असामान्य कदम था, जिसने न्यायिक प्रक्रिया की सामान्य लय से हटकर कई शंकाएं पैदा कीं।

गनबोट कैपिटलिज्म की वापसी से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर खतरा, रोजगार सिमटेंगे, महंगाई बढ़ेगी और दुनिया ज्यादा अस्थिर बनेगी

-ट्रम्प की नीतियां कंपनियों को हथियार बना रहीं, वैश्वीकरण कमजोर और भविष्य अनिश्चित होता जा रहा है

आज की वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां बाजार, सरकार और फौजी ताकत की सीमाएं फिर से धुंधली होने लगी हैं। जिस व्यवस्था को हम बीते चार–पांच दशकों से मुक्त बाजार और वैश्वीकरण के नाम से जानते आए, उसमें अब "गनबोट कैपिटलिज्म" की वापसी दिखाई दे रही है। यह वही मॉडल है, जिसमें आर्थिक फायदे हासिल करने के लिए फौजी दबाव, कूटनीतिक धमकी और सरकारी दखल का खुला इस्तेमाल होता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियां इस बदलाव का सबसे बड़ा उदाहरण हैं। ट्रम्प बहुराष्ट्रीय कंपनियों (मल्टीनेशनल कंपनियां) को केवल व्यापारिक संस्थान नहीं, बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों के लिए "उपयोगी हथियार" मानते हैं। उनका मानना है कि सरकार की ताकत और कंपनियों की ताकत को एक साथ जोड़कर अमेरिका को फिर से सबसे आगे लाया जा सकता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या इससे दुनिया में रोजगार बढ़ेगा, महंगाई घटेगी और सुरक्षा मजबूत होगी? या फिर इसका नतीजा उलटा निकलेगा?

गनबोट कैपिटलिज्म क्या है?

सरल शब्दों में कहें तो गनबोट कैपिटलिज्म वह व्यवस्था है, जिसमें व्यापार और निवेश को आगे बढ़ाने के लिए फौजी ताकत, प्रतिबंधों (सैंक्शंस), टैरिफ, कूटनीतिक दबाव और सत्ता परिवर्तन जैसी रणनीतियों का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें बाजार की स्वाभाविक प्रतिस्पर्धा के बजाय ताकत का नियम चलता है। यह कोई नई चीज नहीं है। इतिहास में इसकी जड़ें बहुत गहरी हैं। 17वीं और 18वीं सदी में ब्रिटेन और नीदरलैंड्स की ईस्ट इंडिया कंपनियां इसका सबसे बड़ा उदाहरण थीं। ये कंपनियां सिर्फ व्यापार नहीं करती थीं, बल्कि उनके पास अपनी सेनाएं थीं, किले थे और वे सीधे युद्ध भी लड़ती थीं। बदले में ब्रिटिश और डच सरकारें उन्हें फौजी और कूटनीतिक समर्थन देती थीं।

इतिहास से सबक: जब सरकार और कंपनियां साथ आईं

औद्योगिक क्रांति के दौर में भी सरकार और बड़ी कंपनियों का गठजोड़ देखने को मिलता है। जर्मनी में क्रुप (Krupp) और जापान में मित्सुबिशी जैसी कंपनियों ने अपने-अपने देशों के औद्योगीकरण में अहम भूमिका निभाई। सरकारें विदेशों में उनके लिए खदानें, कच्चा माल और बाजार सुरक्षित करती रहीं। अमेरिका का इतिहास भी इससे अलग नहीं है। तेल कंपनियों के लिए विदेशी संसाधनों पर कब्जा करने में अमेरिकी सरकारों की भूमिका कई बार सामने आई है। मध्य पूर्व से लेकर लैटिन अमेरिका तक, अमेरिकी हितों की रक्षा के नाम पर कई बार राजनीतिक हस्तक्षेप हुआ। लेकिन 1980 के दशक के बाद तस्वीर बदली। नव-उदारवादी नीतियों (नियो-लिबरलिज्म) के दौर में सरकारें पीछे हटीं और बाजार को ज्यादा आज़ादी दी गई। बहुराष्ट्रीय कंपनियों का तेजी से विस्तार हुआ, उत्पादन सस्ता हुआ, वैश्विक सप्लाई चेन बनीं और करोड़ों लोगों को रोजगार मिला।

अब क्यों लौट रहा है पुराना मॉडल?

आज एक बार फिर वही पुराना गनबोट कैपिटलिज्म लौटता नजर आ रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह है भू-राजनीतिक तनाव। अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा, रूस-यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व की अस्थिरता और टेक्नोलॉजी की दौड़ ने दुनिया को दोबारा खेमों में बांटना शुरू कर दिया है। डोनाल्ड ट्रम्प की सोच इस बदलाव को और तेज करती है। ट्रम्प खुले तौर पर कहते हैं कि अमेरिकी कंपनियों को फायदा पहुंचाना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। चाहे इसके लिए टैरिफ बढ़ाने पड़ें, सब्सिडी देनी पड़े या विरोधी देशों पर प्रतिबंध लगाने पड़ें। वेनेजुएला में निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाने की कोशिश हो या रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम कराने के प्रयास—इन सबके पीछे केवल शांति की भावना नहीं, बल्कि आर्थिक हित भी छिपे हैं। ट्रम्प के लिए विदेश नीति और व्यापार नीति एक-दूसरे से अलग नहीं हैं।

दावोस और कॉरपोरेट चिंता

अगले सप्ताह जब स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच (World Economic Forum) के लिए दुनिया की बड़ी कंपनियों के सीईओ और बॉस इकट्ठा होंगे, तो उनकी सबसे बड़ी चिंता यही होगी कि सरकारों का दखल उनके विदेशी कारोबार को कैसे प्रभावित करेगा। अब कंपनियों को केवल बाजार के जोखिम नहीं देखने पड़ते, बल्कि यह भी सोचना पड़ता है कि कहीं कल को कोई नया टैरिफ, नया प्रतिबंध या कोई राजनीतिक फैसला उनके पूरे बिजनेस मॉडल को हिला न दे। यह अनिश्चितता निवेश और रोजगार दोनों के लिए खतरनाक है।

पूंजी का पलायन और बदलती रणनीति

टैरिफ, सब्सिडी और प्रतिबंधों की वजह से चीन, रूस और कुछ अन्य देशों से पूंजी निकलकर अमेरिका और उसके सहयोगी देशों में जा रही है। आंकड़े इस बदलाव को साफ दिखाते हैं। 2016 में अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपनी कुल पूंजी का लगभग 44 प्रतिशत अमेरिका में लगाती थीं। आज यह आंकड़ा बढ़कर करीब 69 प्रतिशत हो चुका है। यानी कंपनियां अब विदेशों की बजाय अपने ही देश में ज्यादा निवेश कर रही हैं। विदेशी बिक्री में गिरावट आई है, जबकि घरेलू बिक्री बढ़ी है। यह बदलाव खास तौर पर सॉफ्टवेयर, दवाइयों (फार्मा) और कार निर्माण जैसे रणनीतिक उद्योगों में ज्यादा दिखाई देता है। पहली नजर में यह राष्ट्रवाद की जीत लग सकती है, लेकिन इसके गंभीर दुष्परिणाम भी हैं।

उत्पादकता में गिरावट और महंगाई का खतरा

जब कंपनियां भू-राजनीतिक मजबूरियों के तहत निवेश करती हैं, तो उनकी उत्पादकता पर असर पड़ता है। वे वहां निवेश नहीं करतीं, जहां लागत कम हो या जहां दक्षता ज्यादा हो, बल्कि वहां निवेश करती हैं, जहां सरकारें कहती हैं। इससे उत्पादन महंगा होता है। सप्लाई चेन टूटती हैं। नतीजा सीधा आम लोगों पर पड़ता है—महंगाई बढ़ती है और रोजगार के अवसर सिमटते हैं। गनबोट कैपिटलिज्म की दुनिया स्वाभाविक रूप से ज्यादा महंगी और कम कुशल होती है। अगर हर देश अपनी कंपनियों को बचाने के लिए दीवारें खड़ी करेगा, तो वैश्विक व्यापार का प्रवाह धीमा पड़ेगा।

एसआईआर में मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है - नाज़िमुद्दीन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) में झूठी जानकारी देकर वोटरों के नाम हटवाना और बीएलओ पर दबाव बनाना गंभीर अपराध और जांच का विषय। राज्य के विभिन्न भागों से प्राप्त हो रही जानकारी के अनुसार राजस्थान में वर्तमान में चल रही SIR (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) की प्रक्रिया में कई अनियमितताएं सामने आ रही हैं। फॉर्म नम्बर 7 के माध्यम से कुछ लोगों द्वारा झूठी व भ्रामक जानकारी देकर वोटर लिस्ट में आपत्तियाँ दर्ज कराई जा रही हैं, और बीएलओ पर दबाव बना कर सही वोटरों के नाम वोटर लिस्ट से हटाने के आदेश दिए जा रहे हैं। जमाअते इस्लामी हिन्द राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष मुहम्मद नाज़िमुद्दीन ने कहा है कि यह अत्यंत चिंताजनक हैं इस प्रक्रिया का दुरुपयोग कर विशेष रूप से मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है, जिससे आम नागरिकों में भय, असुरक्षा और भ्रम का माहौल पैदा हो रहा है। वोट का अधिकार भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त एक मौलिक अधिकार है, और उसे साज़िश के तहत छीनने की कोई भी कोशिश लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा हमला है और लोकतंत्र को कमज़ोर करने वाला कृत्य है। उन्होंने कहा है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जाँच होनी चाहिए ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कौन सा गिरोह या कौन से तत्व संगठित रूप से इस प्रकार की झूठी आपत्तियाँ दर्ज

करा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध सख़्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति इस तरह लोकतांत्रिक व्यवस्था से खिलवाड़ करने का साहस न कर सके। उन्होंने राज्य के सभी जिला एवं तहसील निर्वाचन अधिकारियों से आग्रह किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि किसी भी मतदाता का नाम केवल झूठी या अप्रमाणित शिकायत के आधार पर न काटा जाए। इस संबंध में BLO (बूथ लेवल ऑफिसर) को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए जाएँ और उन्हें इसके लिए पाबंद किया जाए, ताकि किसी भी निर्दोष नागरिक के अधिकारों का हनन न हो। उन्होंने इस पर भी आपत्ति जताई कि बीएलओ द्वारा दी गई सही जानकारी को बदलने और वैद्य वोटर को हटाने का दबाव बीएलओ पर बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि कोई प्रशासनिक अधिकारी ऐसा करता है तो उसे तुरंत निलम्बित किया जाए और उस पर क़ानूनी कार्यवाही की जाए। हम चुनाव आयोग और राज्य प्रशासन से अपेक्षा करते हैं कि वे इस गंभीर मामले को पूरी संवेदनशीलता, निष्पक्षता और संवैधानिक दायित्व के साथ लें। साथ ही उन्होंने लोगों से भी अपील की है कि एक जागरूक नागरिक तरह अपनी ज़िम्मेदारी निभाते हुए अपने क्षेत्र के बीएलओ और संबंधित अधिकारियों से सम्पर्क करके यह सुनिश्चित करें कि वोटरों के नाम लिस्ट में सही दर्ज किए गए हैं और किसी के नाम को अवैध रूप से काटा नहीं गया है। एसआईआर में मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है।

भिश्ती समाज एकता मंच जयपुर राजस्थान के प्रदेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन

-समाज में जल्द होंगे चुनाव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भिखरे हुए भिश्ती समाज को एक मंच पर लाने का प्रयास किया जा रहा है, इसके लिए भिश्ती समाज के बुजुर्गों और कई संस्थाओ ने चुनाव के माध्यम से भिश्ती समाज - एकता मंच जयपुर राजस्थान का गठन करने का निर्णय लिया है। इसके लिए सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है, यह सदस्यता अभियान 15 जनवरी से शुरू हो गया है और 15 मार्च तक चलाया जाएगा। गुरुवार को मोहल्ला फीलखाना, घाटगेट में भिश्ती समाज एकता मंच के कार्यालय का उद्धघाटन किया गया एव मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में समाज के पंच पटेलो व जिम्मेदारो ने हिस्सा लिया सभी ने इस कदम को ऐतिहासिक बताया।

हिन्दुओं पर अत्याचार रोकने के लिए सैनिक ऑपरेशन जरुरी - अबूबकर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। बांग्लादेश में सनातनी अल्पसंख्यक को (हिंदू भाइयों) पर हो रहे अत्याचार, हत्याओं के विरोध में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच जयपुर शाखा ने शहीद स्मारक जयपुर में बांग्लादेश के अंतिम सलाहकार मोहम्मद यूनुस का पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। इस अवसर पर मंच के सैकड़ो साथी उपस्थित होकर एक रैली के रूप में बांग्लादेश मुर्दाबाद करते हुए, हिंदुस्तान जिंदाबाद करते हुए रैली निकाली तथा शहीद स्मारक पर जयपुर में पुतला जलाया गया। इस अवसर पर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय संयोजक, राजस्थान प्रभारी तथा पूर्व अध्यक्ष वक्फ बोर्ड (राज्य मंत्री) अबूबकर नकवी ने संबोधित करते हुए कहां कि जिस तरीके से हिंदुस्तान की सेना और हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हिम्मत से पाकिस्तान पर ऑपरेशन सिंदूर करके पाकिस्तान

को घुटनों के बल बिठा दिया। इसी तरीके से बांग्लादेश में भी एक सैनिक ऑपरेशन होना आवश्यक हो गया ताकि बांग्लादेश में रह रहे सनातनी भाई (हिंदू भाई) राहत की सांस ले सके और सुकून से रह सके। इस अवसर पर राष्ट्रीय संयोजिका रेशमा हुसैन और संभाग संयोजक अब्दुल अजीज ने भी अपना उद्बोधन देते हुए बांग्लादेश पर ऑपरेशन करने को कहा। इस अवसर पर बाद में जिला कलेक्टर के अधिकारी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन भी दिया गया। इस अवसर पर मंच के आफताब हिंदुस्तानी, फरमान अहमद, शमशाद बेगम, उस्मान चौहान, नवाब अली, आबिद अली, शकील पहलवान, जफर उल हसन, अब्दुल मजीद, अब्दुल मुजीब, शाकिर अहमद, साजिद अली, अनीस अहमद, फखरुद्दीन कुरैशी, मोहम्मद अमजद, आदि उपस्थित रहे।

डोर-मांझे से घायल परिंदों के लिए जीवन रेखा बना चिकित्सा शिविर

-75 पक्षियों को मिला नया जीवन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। गुलाबी नगरी में जहाँ एक तरफ मकर संक्रांति पर पतंगबाजी का उल्लास छाया रहा, वहीं दूसरी तरफ आसमान में उड़ने वाले बेजुबान परिंदों के लिए यह दिन आफत बनकर आया। लेकिन इन बेजुबानों के दर्द को समझने के लिए जयपुर के सुभाष चौक पर इंसानियत की एक मिसाल देखने को मिली। सुभाष चौक पर एक विशेष चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया, जो डोर-मांझे से घायल हुए पक्षियों के लिए 'जीवन रेखा' साबित हुआ। यहाँ पशु चिकित्सकों और समाजसेवियों की टीम ने मुस्तैदी से मोर्चा संभाला। सुबह से शाम तक करीब 75 घायल पक्षियों

का निःशुल्क इलाज कर उन्हें नया जीवन दिया गया।

बेजुबानों की जुबान बनें-
शिविर आयोजकों ने शहरवासियों से भावुक अपील की है। उन्होंने कहा कि पतंगबाजी का शौक अपनी जगह है, लेकिन हमें इन बेजुबानों की भी चिंता करनी चाहिए। अगर किसी को भी कोई घायल पक्षी सड़क या छत पर मिले, तो उसे नजरअंदाज न करें, बल्कि तुरंत नजदीकी पशु चिकित्सालय या शिविर तक पहुंचाएं। सुभाष चौक पर हुई इस सराहनीय पहल की स्थानीय लोगों ने खूब प्रशंसा की है।

किशनपोल जोन में पांच अवैध निर्माण सील

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर के किशनपोल जोन में शनिवार तड़के अवैध निर्माणों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की। लगातार नोटिस जारी करने और समझाइश के बावजूद निर्माणकर्ता नियमों की अनदेखी कर रहे थे। नगर निगम ने पांच अवैध निर्माणों को सील कर दिया। जोन उपायुक्त के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई में निगम के भवन शाखा, पुलिस जाप्ता और अन्य संबंधित अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। किशनपोल जोन क्षेत्र में बाजार क्षेत्र एवं आवासीय इलाकों में बिना अनुमति किए जा रहे निर्माणों को चिन्हित कर कार्रवाई की गई। नगर निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अवैध निर्माण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। नियमों के उल्लंघन पर आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। निगम ने आमजन से अपील की है कि निर्माण कार्य से पहले आवश्यक स्वीकृतियां अवश्य प्राप्त करें, अन्यथा कठोर कार्रवाई की जाएगी। सील किए गए निर्माणों में जोगीमल का टीबा, रामगंज बाजार क्षेत्र में जी+4 व जी+3 मंजिला निर्माण शामिल हैं। इसके अलावा इसी क्षेत्र में एक अन्य स्थान पर जी+1 और जी+2 मंजिला अवैध निर्माण को भी सील किया गया। नाहरगढ़ रोड, जयपुर में एक आवासीय एवं व्यावसायिक निर्माण को भी कार्रवाई के दायरे में लिया गया।

जन समस्याओं को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

- हवा महल–आमेर जोन कमिश्नर कार्यालय घेरा

-जोन कमिश्नर सीमा चौधरी के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लगाए मुर्दाबाद के नारे

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर के हवामहल-आमेर जोन में 13 जनवरी को सियासी पारा चढ़ गया। जन समस्याओं की लगातार हो रही अनदेखी से नाराज कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने जोन उपायुक्त (DC) कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोन कमिश्नर सीमा चौधरी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और 'मुर्दाबाद' के नारे लगाए। कांग्रेस पदाधिकारियों का आरोप है कि क्षेत्र की जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान है,

लेकिन अधिकारी उनकी सुध नहीं ले रहे हैं। बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी हाथों में तख्तियां लेकर सड़क पर उतरे और डीसी कार्यालय के बाहर धरना दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही जन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। इस दौरान पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे।

अवैध मादक पदार्थ चरस की तस्करी करने वाले सोहेल खान व मितुल को किया गिरफ्तार

-गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ चरस 234 ग्राम बरामद

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सचिन मित्तल के मार्गदर्शन में विशेष पुलिस आयुक्त (ऑपरेशन्स), जयपुर राहुल प्रकाश के निर्देशन एवं पुलिस उपायुक्त अपराध, जयपुर अभिजीत सिंह, के निकट सुपरविजन एवं नेतृत्व में C.S.T. आयुक्तालय, जयपुर की टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करी करने वाले माफियाओं के खिलाफ आसूचना संकलन कर कार्ययोजना बनाते हुए सीएसटी द्वारा पुलिस थाना सिन्धी कैम्प में संयुक्त कार्यवाही करते हुए दो अवैध मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार कर 234 ग्राम चरस जप्त की गई। सीएसटी द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरूद्ध इंटेलीजेंस विकसित कर तस्करी नेटवर्क से जुडे अपराधियों को चिन्हित किया गया। इस दौरान

आरोपियों के पास बडी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ होने की पुख्ता जानकारी के बाद पुलिस थाना सिन्धी कैम्प जयपुर (पश्चिम) के साथ संयुक्त कार्यवाही कर सिन्धी कैम्प इलाके में संदिग्ध व्यक्तियों को चैक किया गया तो आरोपियों के पास अवैध मादक पदार्थ 234 ग्राम चरस बरामद की गई। उक्त कार्यवाही के संबंध में पुलिस थाना सिन्धी कैम्प जयपुर पश्चिम पर प्रकरण सं. 06/2026 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट में दर्ज किया गया। आरोपियों के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ 234 ग्राम चरस बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपीयों की मोहम्मद सोहेल खान पुत्र मोहम्मद रफीक उम्र 26 साल और मितुल चौधरी पुत्र सागर मल चौधरी उम्र 28 साल के रूप में पहिचान की गई है ।

पुलिस थाना सांगानेर में अवैध हथियार रखने वाला रत्नेश व आयुष को किया गिरफ्तार

-गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से अवैध हथियार देशी कट्टा बरामद

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। विशेष पुलिस आयुक्त (ऑपरेशन्स), जयपुर राहुल प्रकाश के निर्देशन एवं पुलिस उपायुक्त अपराध, जयपुर अभिजीत सिंह, के निकट सुपरविजन एवं नेतृत्व में C.S.T. आयुक्तालय, जयपुर की टीम द्वारा अवैध हथियार रखने वाले माफियाओं के खिलाफ आसूचना संकलन कर कार्ययोजना बनाते हुए सीएसटी द्वारा पुलिस थाना सांगानेर में संयुक्त कार्यवाही करते हुए अवैध हथियार तस्कर गिरफ्तार कर कब्जे से देशी कट्टा जप्त किया गया। सीएसटी द्वारा अवैध हथियार रखने वालों के विरुद्ध इंटेलीजेंस विकसित कर तस्करी नेटवर्क से जुडे अपराधियों को चिन्हित किया गया। इस दौरान आरोपियों के पास हथियार होने की पुख्ता जानकारी के बाद

पुलिस थाना सांगानेर जयपुर (पूर्व) के साथ संयुक्त कार्यवाही कर सांगानेर इलाके में संदिग्ध व्यक्तियों को चैक किया गया तो आरोपियों के पास अवैध हथियार 01 देशी कट्टा बरामद की गई। उक्त कार्यवाही के संबंध में पुलिस थाना सांगानेर जयपुर पूर्व पर प्रकरण सं. 15/2026 चारा 3/25(6) आर्म्स एक्ट में दर्ज किया गया। बरामदगी आरोपी के कब्जे से 01 देशी कट्टा बरामद करने में सफलता अर्जित की गई।

गिरफ्तार किये गए आरोपी-
रत्नेश कुमार पुत्र ललित राय यादव जाति यादव उम्र 21 साल और आयुष कुमार यादव पुत्र सुनिल कुमार यादव जाति यादव उम्र 19 साल के रूप में पहिचान की गई है।

ब्रह्मपुरी थाना इलाके में दिनदहाड़े युवक को गोली मारी

-आरोपी मौके से फरार, पुलिस गिरफ्तारी की कोशिश में

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । सुभाष चौक थाने का हिस्ट्रीशीटर रवि मेहरा ने आपसी रंजिश के चलते बबलू महावर नामक युवक पर फायरिंग कर दी। गोली बबलू की जांघ में लगी, जिसके बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घायल को तुरंत एसएमएस अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और घायल के परिजन ब्रह्मपुरी थाने पहुंचे और आरोपी की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस का कहना है कि आरोपी रवि मेहरा शातिर हिस्ट्रीशीटर है और 15 दिन पहले भी इलाके में हवाई फायरिंग कर दहशत फैलाने की शिकायत दर्ज कराई गई थी, लेकिन तब कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। आज उसी का नतीजा सामने आया, जब आरोपी ने सीधे युवक को गोली मार दी। फिलहाल पुलिस ने टीमें गठित कर आरोपी की तलाश तेज़ कर दी है और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

जयपुर परकोटे में सोमवार से यातायात व्यवस्था का नया अध्याय शुरु

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । राजधानी जयपुर के ऐतिहासिक और व्यापारिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण चारदीवारी क्षेत्र में ट्रैफिक को सुचारू और नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। दरअसल, चारदीवारी बाजार में अव्यवस्थित यातायात और बढ़ते दबाव को देखते हुए हाल ही में करीब 9 हजार ई-रिक्शाओं के संचालन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया था।

इसके बाद 18 जनवरी से केवल 250 ई-रिक्शाओं को प्रायोगिक और नियमित रूप से संचालन की अनुमति दी गई है। इन 250 ई-रिक्शाओं का चयन पूरी तरह पारदर्शी लॉटरी सिस्टम के जरिए किया गया। प्रशासन को इस लॉटरी के लिए 717 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 250 भाग्यशाली चालकों को चारदीवारी में चलने की अनुमति मिली। हालांकि, इस फैसले के बाद आज गलता गेट थाना क्षेत्र के ईदगाह इलाके में ई-रिक्शा चालकों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। रिक्शा चालकों ने चारदीवारी में प्रवेश करने वाले रिक्शाओं को रोक दिया और मांग की कि पहले की तरह सभी ई-रिक्शाओं को संचालन की अनुमति दी जाए। सूचना मिलते ही गलता गेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची, प्रदर्शन कर रहे चालकों से समझाइश की और स्थिति को नियंत्रित किया। इसके बाद बड़ी संख्या में ई-रिक्शा चालक शहीद स्मारक पर एकत्रित होकर धरने पर बैठ गए। धरना स्थल पर आदर्श नगर विधायक रफीक खान भी पहुंचे और रिक्शा चालकों की समस्याएं सुनीं। मौके पर मौजूद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने चालकों से बातचीत कर शांतिपूर्वक धरना समाप्त करवाया और आश्वासन दिया कि जल्द ही उनकी समस्याओं का समाधान निकाला जाएगा। फिलहाल, परकोटे में नई यातायात व्यवस्था को लेकर प्रशासन सख्त है, वहीं ई-रिक्शा चालकों की नाराज़गी भी खुलकर सामने आ रही है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन और चालकों के बीच कोई संतुलित समाधान कब तक निकलता है।

एमएसएस की ओर से आमेर में रक्तदान शिविर लगाया

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । मेडिकल सर्विस सोसायटी ऑफ राजस्थान जयपुर की ओर से दिनांक 18 जनवरी रविवार को सुबह 10 बजे से 3 बजे मदरसा सर सैयद अहमद, हांडीपुरा, आमेर, जयपुर पर इस साल का दूसरा रक्तदान शिविर व नशा मुक्ति शिविर लगाया गया । शिविर में खान अब्दुल वसी प्रदेश अध्यक्ष एमएसएस, अब्दुर रब नकवी प्रदेश सचिव एमएसएस, अब्दुल नासिर खान प्रदेश कोषाध्यक्ष, डॉ. साजिद हुसैन जैदी जिला अध्यक्ष, शाहनूर साबरी साहब संयुक्त सचिव एमएसएस, रहबर रज़ा जैदी प्रदेश प्रवक्ता एमएसएस, शारिक अहमद साहब, अफ़ज़ल खान, असलम खान, अहमद खान, असलम पठान, फिरोज खान, नईम मंसूरी, इमरान मंसूरी, अफ़सर

मिर्जा और अन्य ज़िम्मेदार मौजूद रहे । संस्था के साथ जमाअते-इस्लामी हिंद, राजपूताना यूनानी मेडिकल कॉलेज, हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन, स्टूडेंट्स इस्लामिक ऑर्गनाइज़ेशन, राजस्थान शिया मुस्लिम महासभा, वेलफेयर पार्टी, हज वेलफेयर सोसायटी, मूमल डेंटल हॉस्पिटल, ए एम पी, ब्राइट केरियर एजुकेशनल एण्ड वेलफेयर सोसायटी का सहयोग रहा । रक्तदान शिविर में कुल 25 रक्तदाता पंजीकृत हुए और माशा अल्लाह कुल 22 लोगों ने रक्तदान किया कुल 03 रजिस्ट्रेशन रद्द हुए और नशे की लत से परेशान 10 लोग शिविर में आए और डॉक्टर साजिद जैदी (होमियोपैथी) ने उनकी काउंसलिंग की व निःशुल्क दवाइयाँ दी गई ।

प्रदेश में SIR की प्रक्रिया भेद भाव पूर्ण, राज्य निर्वाचन आयोग निष्पक्ष कार्य करे - एस डी पी आई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एस डी पी आई) ने राजस्थान में SIR की प्रक्रिया को पर सवाल उठाते हुए राज्य निर्वाचन आयोग से निष्पक्ष हो कर सभी पात्र मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट में जोड़ने की मांग की। पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉक्टर शाहबुद्दीन खान ने इस बाबत प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि राजस्थान में SIR 2025-2026 के दौरान वोटर लिस्ट से वास्तविक मतदाताओं के नाम हटाए जाने की शिकायतें बहुत ज्यादा हमारे पूरे प्रदेश में एस.डी.पी.आई. के कार्यकर्ताओं के पास लगातार आ रही हैं, उन्होंने खासकर बीजेपी विरोधी विचारधारा वाली राजनीतिक पार्टियों ने बड़े पैमाने पर भाजपा द्वारा अपने विरोधी वोटर्स के नाम मतदाता सूची से कटवाये जाने का आरोप लगाया है।

इस प्रक्रिया में ड्राफ्ट रोल (Draft roll) 16 दिसंबर 2025 को प्रकाशित हुई थी, जिसमें भी लगभग 42 लाख नाम डिलीट हुए थे (कुल वोटर्स में से काफी बड़ा हिस्सा)। राजनीतिक दलों (खासकर भाजपा के बूथ लेवल एजेंट्स (BLAs) द्वारा फॉर्म -7 से बड़ी संख्या में विरोध दर्ज़ कराने की रिपोर्ट्स मिली हैं, जैसे कुछ बूथों में सैकड़ों-हजारों ऑब्जेक्शन्स एक साथ, मुख्य रूप से अल्पसंख्यक या भाजपा विरोधी वोटर्स के खिलाफ़, उन्होंने यह भी कहा कि यह सब कृत्य लोकतंत्र को पूरी तरह से खत्म कर भारतीय मतदातों को उनके मताधिकार से वँचित करने जैसा है साथ में जनता से यह भी कहा कि यदि किसी भी क्षेत्र में किसी भी तरह की साजिश का पता चलता है तो लोग तुरंत हमें अपने अपने वार्ड बूथ की डिटेल व सबूत एस डी पी आई के स्थानीय कमेटी के लोगों से संपर्क करें ताकि ज़रूरत पड़े तो ऐसे षड्यंत्र करने वाले बी. एल.ओ. या बी. एल.ए. जो भी दोषी पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ प्रदेश स्तर सभी उन मतदाताओं को साथ ले जा कर अदालत में जा कर सख्त कानूनी कार्यवाही की जा सके और मतदाताओं के नाम जुड़वाने में लोगों की सहायता की जा सके।

पश्चिम बंगाल और पंजाब में 'लोकतंत्र की हत्या' का आरोप:

-ममता और केजरीवाल सरकार कर रही है लोकतंत्र की हत्या- मदन राठोड

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठोड ने आज एक प्रेस वार्ता के माध्यम से पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस (TMC) सरकार और पंजाब की आम आदमी पार्टी (AAP) सरकार पर तीखा प्रहार किया। प्रदेश अध्यक्षजी ने आरोप लगाया कि जहाँ बंगाल में चुनावी ईमानदारी बरतने वाले अधिकारियों को आत्महत्या के लिए मजबूर किया जा रहा है, वहीं पंजाब में मीडिया की आवाज़ दबाने के लिए सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया जा रहा है।

पश्चिम बंगाल: "ईमानदार अधिकारी की आत्महत्या या लोकतंत्र की हत्या?"-

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने जादवपुर विधानसभा क्षेत्र (150) के बूथ नंबर 110 पर तैनात बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) अशोक दास की आत्महत्या का मुद्दा उठाते हुए ममता सरकार को घेरा। धमकी के आरोप: आरोप है कि वार्ड नंबर 109 की टीएमसी नेता अनन्या बनर्जी और राजू बिस्वास ने अशोक दास पर अवैध मतदाताओं (रोहिंग्या और घुसपैठियों) के नाम लिस्ट से न हटाने का दबाव बनाया। उन्हें धमकी दी गई कि यदि नाम हटाए गए, तो उन्हें और उनके परिवार को जान से मार दिया जाएगा। मानसिक प्रताड़ना: इसी डर और मानसिक दबाव के कारण अशोक दास ने आत्महत्या जैसा कदम उठाया। भाजपा ने इसे 'लोकतंत्र की हत्या' करार दिया है।

TMC की नई परिभाषा: भाजपा ने टीएमसी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आज बंगाल में TMC का अर्थ बदल चुका है-

T - तुष्टिकरण (Appeasement)

M - माफिया और गुंडा राज

C - क्राइम कल्चर

उत्तर दिनाजपुर में हिंसा का मुद्दा, प्रेस वार्ता में चाकुलिया (उत्तर दिनाजपुर) की घटना का भी उल्लेख किया गया, जहाँ बीआईओ (BDO) कार्यालय में चुनावी सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) की सुनवाई के दौरान भीड़ ने कार्यालय में आग लगा दी और मशीनों को तोड़ दिया। भाजपा का आरोप है कि टीएमसी 'फेक आईडी रैकेट' और घुसपैठियों के दम पर चुनाव जीतना चाहती है, इसलिए वह चुनाव आयोग की पारदर्शी प्रक्रिया में बाधा डाल रही है।

पंजाब: मीडिया पर "इमरजेंसी" जैसा हमला-

प्रेस वार्ता के दूसरे हिस्से में प्रदेश अध्यक्ष ने पंजाब की भगवंत मान सरकार पर मीडिया की स्वतंत्रता को कुचलने का गंभीर आरोप लगाया।

पंजाब केसरी पर कार्रवाई: भाजपा ने बताया कि बिना किसी नोटिस या आदेश के पंजाब केसरी समूह के बठिंडा और जालंधर (सूरानुसी) स्थित प्रिंटिंग प्रेस पर रेड डाली गई। इस दौरान पत्रकारों और कर्मचारियों के साथ मारपीट की गई और उन्हें अवैध रूप से हिरासत में लिया गया। अखबारों को जलाना: आरोप लगाया गया कि 2 नवंबर 2025 की रात पंजाब पुलिस ने उन प्रेस वैनों को ज़ब्त किया जिनमें अरविंद केजरीवाल के खिलाफ खबरें छपी थीं और उन अखबारों की प्रतियों को जला दिया गया। यूट्यूबर्स और डिजिटल मीडिया पर शिकंजा: भाजपा के अनुसार, जो भी सरकार की नीतिगत आलोचना करता है, उस पर FIR की जा रही है। विपक्षी पार्टियों की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बिजली काटना या सिग्नल जैम करना अब पंजाब में आम बात हो गई है।

भाजपा की मुख्य मांगें-

अशोक दास आत्महत्या मामले की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच हो। दोषी टीएमसी नेताओं पर तत्काल कार्रवाई की जाए। पंजाब में मीडिया संस्थानों पर हो रहे हमलों को तुरंत रोका जाए और प्रेस की स्वतंत्रता बहाल हो। सीमा सुरक्षा (Border Fencing) के लिए राज्य सरकार द्वारा ज़मीन न दिए जाने के रवैये की समीक्षा हो। "ममता बनर्जी का बंगाल अब 'शोनार बांग्ला' नहीं, बल्कि 'खूनी खेल का मैदान' बन चुका है। भाजपा इस अन्याय के खिलाफ चुप नहीं बैठेगी।" इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सुनिल भंडारी पुर्व सभापति महेंद्र बोहरा व जोधपुर संभाग मिडीया प्रभारी जगदीश धाणदीया व त्रिलोक चौधरी उपस्थित रहे।

सर्व समाज ने लिया महामहोत्सव में सेवा का संकल्प

पाली (रॉयल पत्रिका)। मारवाड़ की पुण्य धरा पाली में कृष्णगिरी पीठाधीश्वर पूज्यपाद जगद्‌रू वसंत विजयानंद गिरी जी महाराज की पावन निश्रा में होने जा रहे नौ दिवसीय दिव्यातिदिव्य विराट यज्ञ, साधना, पूजा और कथा महामहोत्सव की तैयारी जोरशोर से आरंभ हो गई है। सनातन धर्म के विभिन्न सामाजिक संगठनों, उद्योग व्यापार संगठनों के प्रतिनिधियों ने महोत्सव में सेवा देने का संकल्प लिया है। पार्श्व पद्मावती सेवा ट्रस्ट कृष्णगिरी तमिलनाडु के अध्यक्ष शंकेश जैन ने बताया कि जगद्‌रू देव वसंत विजयानंद गिरी जी महाराज के पावन सानिध्य में पाली के अणुव्रत नगर ग्राउंड पर 24 जनवरी 2026 शनिवार से 1 फरवरी 2026 रविवार तक विशेष साधना, पूजा, 9 कुंडीय महालक्ष्मी महायज्ञ एवं भैरव महापुराण कथा का विराट आयोजन होगा। इसमें सेवा देने और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सर्व समाजजनों का योगदान प्रेरक है। जगद्‌रू देव वसंत विजयानंद गिरी जी महाराज के पाली की धरा पर पुण्य चरण कमल पड़ने की सूचना के साथ ही स्थानीय उत्साही धर्मप्रेमियों की अगुवाई में शनिवार संध्या पाली क्षेत्र के विभिन्न समाज संगठनों, उद्योग, व्यापार जगत के संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी बड़ी संख्या म् मरूधर केसरी सभागार में उपस्थित हुए। प्रतिनिधियों ने गुरूदेव का मंगल आशीर्वाद लिया साथ ही इस महामहोत्सव में प्रण प्राण से जुटने का संकल्प लिया। प्रतिनिधियों द्वारा अलग अलग टोलियां बनाकर नगरवासियों को इस आयोजन में आमंत्रित करने घर घर दस्तक देकर पीले चावल दिए जाएंगे। सर्व समाज प्रतिनिधियों के आग्रह पर पूज्यपाद वसंत विजयानंद गिरी जी महाराज ने आशीर्वचन में कहा कि पाली और मारवाड़ के सर्वजन हिताय यह साधना, पूजा विधान, समृद्धि खुशहाली के लिए लक्ष्मी महायज्ञ और भैरव पुराण महाकथा का आयोजन किया जा रहा है। पाली की बंद फैक्ट्रियां फिर से शुरू हो और पाली का वैभव समृद्धि लौटे, इस ओर ले जाने का यह प्रयास है। 9 दिवस के इस आयोजन में साधना, पूजा तप विधानों से दिव्य कृपा श्रद्धालुओं पर बरसेगी। पूज्यपाद गुरूदेव ने बताया कि वे इसी मारवाड़ की धरा पर जन्मे हैं इसलिए जन्मभूमि के लिए कुछ बेहतर करने की इच्छा जागृत हुई और इस महामहोत्सव ने पाली में आकार लिया। जगद्‌रू देव ने कहा कि यहां के लोग यह अनुभव करेंगे कि भारत की सनातन संस्कृति की सिद्ध परंपरा कितनी सामर्थ्यवान है। क्षेत्र की सुख शांति, समृद्धि के लिए यह आयोजन है। मंत्रों और साधना की शक्ति कैसी होती है यह जनसामान्य अनुभव करेंगे। गुरूदेव ने व्यापार, उद्योग जगत और विभिन्न समाज प्रतिनिधियों से विस्तृत संवाद किया। प्रतिनिधियों ने आयोजन को लेकर जबरदस्त उत्साह दिखाया। कार्यक्रम का संचालन उगमराज सांड ने किया। इस अवसर पर व्यापार, उद्योग जगत के अलावा धार्मिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस और आगामी त्यौहारों को लेकर सदर थाने में CLG सदस्यों के साथ थाना अधिकारी ने ली बैठक

-कहा आपसी भाईचारे से मनाएं गणतंत्र पर्व

हनीस शेख कुतकपुर

हिंडौन (रॉयल पत्रिका)। हिंडौन सदर थाना परिसर में गणतंत्र दिवस और आगामी त्यौहारों मेलों को मद्देनजर नजर रखते हुए थाना अधिकारी पुरुषोत्तम लाल की अध्यक्षता में CLG सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। रविवार दोपहर 12:00 बजे आयोजित बैठक में थाना अधिकारी पुरुषोत्तम लाल ने बताया कि 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ गणतंत्र दिवस का पर्व मनाए।बैठक सीएल सदस्य भगवान तिवाडी ने आवारा सांड और आवारा बंदरों को पकडवाने का सुझाव दिया। पूर्व उपसभापति नफीस अहमद और कलमुद्दीन खान राजेश तिवाडी ने सोशल मीडिया पर निगरानी रखने और वाहनों में तेज आवाज से लाउड स्पीकर बजाने वाले और मोटरसाइकिल से तेज आवाज में पटाखे फोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग रखी।थानाधकारी ने कहा कि कानून व्यवस्था कायम रहे इसके लिए सीएलजी सदस्य असामाजिक तत्वों पर नजर बनाए रखे। उन्होंने कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पुलिस थाना मे दे, पुलिस आपकी हर संभव सहायता करेगी।उन्होंने साइबर क्राइम के बारे में जानकारी देकर बताया कि ऑनलाइन माध्यम से ट्रांजैक्शन करते समय सावधानी बरते, किसी भी अनजान लिंक को ओपन ना करें आप ठगी का शिकार हो सकते हैं। इससे पहले थाना अधिकारी का साफा माला पहना कर सीएलजी मेंबरों ने स्वागत किया। बैठक में पूर्व उपसभापति नफीस अहमद कलमुद्दीन खांन, जिला CLG सदस्य लज्जा रानी अग्रवाल नाजरीन शाह, नरेश सिंह गुर्जर, भगवान तिवारी, राजेश तिवारी, छुट्टनलाल मीना कटकड, शिवसिंह मीना, प्रेमसिंह गुर्जर अलीपुरा, मोहन सिनेमा, रामगोपाल गुप्ता, शकील अहमद, मुनेश सहित कई सीएलजी सदस्य मौजूद रहे।

पोस्टर विमोचन के साथ चार दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारियों का शुभारंभ

लक्ष्मणगढ़ (रॉयल पत्रिका)। जानकी वल्लभजी के मंदिर में प्रस्तावित मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर रविवार को पोस्टर विमोचन किया गया। महंत मधुसूदनाचार्य महाराज एवं पंडित विष्णुकांत शास्त्री के सानिध्य में आयोजित होने वाले इस चार दिवसीय धार्मिक आयोजन की रूपरेखा तय की गई। आयोजन की शुरुआत बिदावत जी के मंदिर से निकलने वाली कलश यात्रा से होगी। इसके पश्चात यज्ञ-हवन, सुंदरकांड पाठ, जागरण, मूर्तियों का नगर भ्रमण, प्राण-प्रतिष्ठा, महाआरती, संतों के आशीर्वचन, भंडारा महाप्रसाद एवं पूर्णाहुति के साथ महोत्सव सम्पन्न होगा। आयोजन को सफल बनाने के लिए जय शंकर पुजारी व विष्णु बोचीवाल को संयोजक नियुक्त किया गया है। जानकारी देते हुए महंत मधुसूदनाचार्य महाराज एवं पंडित विष्णुकांत शास्त्री ने बताया कि यह भव्य धार्मिक कार्यक्रम 4 फरवरी से 7 फरवरी तक जानकी वल्लभ जी के मंदिर परिसर, भैरव भवानी चौक के पास आयोजित होगा। इसी क्रम में आज आयोजित समीक्षा बैठक में तैयारियों की प्रगति पर चर्चा की गई तथा कार्यकर्ताओं को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1995 में मंदिर परिसर से चोरी हुई मूर्तियों को प्रशासन द्वारा बरामद किया गया था। लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद मंदिर महंत के प्रयासों से खंडित मूर्तियां पुनः मंदिर को सुपुर्द की गईं, जिनका नवीनीकरण कर अब पुनः प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन आस्था, न्याय और धार्मिक परंपराओं की विजय का प्रतीक माना जा रहा है। इस अवसर पर पार्षद मधुदायमा, प्रदीप चौटिया, राजेंद्र माटोलिया, रवि चोटिया, रतन सिंह बगड़ी, विष्णू खांडल, सुरेश बोचीवाल, ओमप्रकाश सोती, रमाकांत गोवला, रमेश छीछासवाला, गोविंद शर्मा, रामकिशोर मंगलहारा, कमल जोशी, उमेश चोटिया, रविकांत सुंदरिया सहित कार्यकर्ता मौजूद थे।

सैनी, माली समाज की आरक्षण संघ समिति ने मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा में सैनी, माली, कुशवाह और मौर्य समाज की आरक्षण संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन नायब तहसीलदार को दिया। इसमें समाज की 11 सूत्रीय मांगों को शीघ्र पूरा करने की मांग की गई। समिति ने चेतावनी दी कि 25 फरवरी तक मांगें स्वीकार नहीं होने पर प्रदेशभर में जन आंदोलन कर विधानसभा का घेराव किया जाएगा। पदाधिकारियों ने बताया कि माली, सैनी, कुशवाह, मौर्य, सुमन और शाक्य समाज लंबे समय से आरक्षण व अन्य मांगों को लेकर आंदोलन कर रहा है, लेकिन अब तक सरकार की ओर से कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। ज्ञापन में प्रमुख मांग के रूप में सैनी, माली, कुशवाह, मौर्य और सुमन समाज को अलग से 12 प्रतिशत आरक्षण देने, महात्मा फुले बोर्ड को देवनारायण बोर्ड की तर्ज पर अधिकार देने और उसके पदाधिकारियों की नियुक्ति करने की मांग शामिल है। इसके अलावा आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमे वापस लेने सहित अन्य मांगें भी रखी गई हैं। इस अवसर पर बबलू सैनी उपाध्यक्ष आरक्षण संघर्ष समिति विधानसभा घेराव, महावीरा सैनी विधानसभा अध्यक्ष, दुलीचन्द सैनी पूर्व अध्यक्ष सैनी समाज, तरुण सैनी प्रदेश सोसल मीडिया प्रभारी फुले ब्रिगेड, महेश सैनी पूर्व जिला परिषद सदस्य, नवल सैनी, प्रहलाद सैनी, मोती सैनी, दिनेश सैनी, मनोज सैनी, राजाराम सैनी अच्छापुरा, बलवीर सैनी सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

पाली में मतदाता सूची से नाम हटाने का आरोप

-विधायक भीमराज भाटी व कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिशुपालसिंह के नेतृत्व में कोतवाली थाने में दी गई शिकायत

पाली (रॉयल पत्रिका)। पाली शहर में मतदाता सूची से सुनियोजित तरीके से नाम हटाने और आपत्तियों के दुरुपयोग का गंभीर आरोप सामने आया है। पाली विधायक भीमराज भाटी और कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिशुपालसिंह के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस थाना कोतवाली में लिखित शिकायत देकर निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) प्रक्रिया की आड़ में एक पार्टी विशेष से जुड़े लोग संगठित रूप से आपत्तियां दर्ज कर अनुसूचित जाति, दलित और पिछड़े वर्ग के मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने का प्रयास कर रहे हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि यह प्रक्रिया भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों का उल्लंघन है और लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा प्रहार है। कांग्रेस नेताओं ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एक व्यक्ति केवल एक ही आवेदन प्रस्तुत कर सकता है, जबकि कथित रूप से बड़ी संख्या में एक ही दिन में सैकड़ों आपत्तियां दाखिल की गईं, जो नियमों के विरुद्ध है। इससे मतदाताओं के मताधिकार को प्रभावित करने की साजिश का संकेत मिलता है। विधायक भीमराज भाटी ने कहा कि लोकतंत्र की जड़ें कमजोर करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिलाध्यक्ष शिशुपालसिंह व शहर अध्यक्ष हकीम भाई ने निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग दोहराई। पुलिस ने इश्लामुदिन,यासीन सबावत,मेहबूब टी, इंसाफ मोयल कि शिकायत प्राप्त कर मामले की जांच शुरू करने का भरोसा दिलाया है।इस मौके पर पार्षद मेहबूब टी, रमेश चावला, इंसाफ मोयल, ताराचंद चंदनानी, चंद्रपाल राजपूरोहित, अनिलसिंह, राजू नवाब, रमजान सामरिया, शकील नागौरी, मोनू अली, अली राजा, वसीम, इंसाफ चुड़िगर, हसन भाटी सहित कई कांग्रेसी कार्यकर्ता मोजूद रहे।

मोहब्बतपूरा में ऊंट स्वास्थ्य शिविर आयोजित, सर्रा रोग रोकथाम पर रहा विशेष जोर

माधोराजपुरा (रॉयल पत्रिका)। जयपुर पशुपालन विभाग की पहल पर ग्राम पंचायत मोहब्बतपूरा, तहसील माधोराजपुरा में एक दिवसीय ऊंट स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। संयुक्त निदेशक पशुपालन विभाग जयपुर के निर्देशन में हुए इस शिविर में क्षेत्र के ऊंटों की स्वास्थ्य जांच की गई और विभिन्न रोगों का निदान एवं उपचार किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य ऊंटों में फैलने वाले घातक सर्रा रोग की रोकथाम था। विभागीय टीम ने बड़ी संख्या में ऊंटों को टीके लगाए। बीमार ऊंटों को मौके पर ही दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। पशुपालकों को ऊंटों की नियमित जांच, समय पर टीकाकरण, साफ-सफाई, पोषणयुक्त चारा, पानी की उपलब्धता और मौसम के अनुसार देखभाल के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि सर्रा रोग का समय पर उपचार न मिलने पर यह ऊंटों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। इस प्रकार के शिविर पशुधन संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। शिविर के दौरान पशुपालकों कीशंकाओं का समाधान किया गया और उन्हें बीमारियों के शुरुआती लक्षण पहचानने की जानकारी भी दी गई। शिविर को सफल बनाने में पशुपालन विभाग के चिकित्सकों एवं कर्मचारियों का अहम योगदान रहा। टीम में डॉ. चित्रा, डॉ. गिरीश जोशी, धर्मराज बैरवा, शीशराम भाकर, सर्वेश कुमार शर्मा, सहज करण, रामपाल वर्मा, रमेश मीणा, कमलेश कुमार चौधरी, अनीशा, सुमन, पूजा यादव, मयंक खंडेलवाल, हेमराज बेरवा एवं संतरा चौधरी सहित अन्य कर्मचारी शामिल थे। ऊंट पालकों ने गांव स्तर पर ऐसे शिविरों के आयोजन से समय और खर्च की बचत होने की बात कही। विभागीय अधिकारियों ने भविष्य में भी नियमित रूप से ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने का आश्वासन दिया।

धौलपुर जिले में आम आदमी पार्टी ने की प्रेस वार्ता

-धौलपुर के जिला अध्यक्ष मुबीन अहमद फारुकी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर दी जानकारी

सचिन शैडवाल

धौलपुर (रॉयल पत्रिका)। आम आदमी पार्टी धौलपुर के जिला अध्यक्ष मुबीन अहमद फारुकी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर जानकारी दी कि संपूर्ण राजस्थान में आम आदमी पार्टी द्वारा 'आप आपरे साथे' अभियान की औपचारिक शुरुआत आज से की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं सक्रिय सदस्य पंचायत स्तर पर गांव-गांव तथा शहरी क्षेत्रों के वार्डों में जाकर आम जनता से सीधे संवाद करेंगे। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जनता की वास्तविक समस्याओं को सुनना, आवश्यक समाधान पर चर्चा करना और स्थानीय मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर उजागर करना है। प्रत्येक पंचायत एवं प्रत्येक वार्ड स्तर पर समर्पित टीम का गठन किया जाएगा, जो लोगों के संपर्क में रहकर उनकी समस्याओं का संकलन करेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले पंचायत चुनाव एवं नगरीय निकाय चुनाव में आम आदमी पार्टी पूरी मजबूती, तैयारी और संगठनात्मक शक्ति के साथ उतरेगी। पार्टी उन सभी ईमानदार, स्वच्छ छवि वाले और जनसेवा की भावना से प्रेरित व्यक्तियों का स्वागत करती है जो समाज के लिए संघर्षशील रूप से कार्य करना चाहते हैं। फारुकी ने कहा कि आम आदमी पार्टी दिल्ली और पंजाब की तर्ज पर अपने कार्यों, उपलब्धियों और जन-कल्याणकारी मॉडलों को राजस्थान के लोगों तक पहुंचाएगी। उन्होंने बताया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली-पानी, भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन और पारदर्शी राजनीति जैसे मुद्दों पर आम आदमी पार्टी राजस्थान में भी नई उम्मीद के साथ जनता के बीच अपना विकल्प मजबूत करेगी।उन्होंने विश्वास जताया कि 'आप आपरे साथे' अभियान के माध्यम से व्यापक जनसंपर्क होगा और जनता के साथ सीधा संवाद स्थापित होने से पार्टी का संगठन मजबूत होगा। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे इस अभियान में भाग लेकर अपनी समस्याओं और सुझावों को साझा करें ताकि राजस्थान में सकारात्मक और जनहितकारी राजनीति को आगे बढ़ाया जा सके। इस अवसर पर अशोक सिंह सिकरवार, साबिर खान, सोमवीर तोमर, भरत सिंह मीणा, पंकज शर्मा, कुसुम सक्सेना, गणेश कुमार जगर, इंद्रपाल, रेखा चौधरी, आरती शर्मा, हरिशंकर जगरिया, अमजद खान आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कटकड़ मोड़ महापंचायत में पहुंचे कांग्रेस के शीर्ष नेता, ईदगाह गेट पर हुआ जोरदार स्वागत

हनीस शेख, कुतकपुर

हिंडौन (रॉयल पत्रिका)। गांव बचाओ, पहाड़ बचाओ महापंचायत का आयोजन सोमवार को कटकड़ मोड़ पर किया गया, जिसमें कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। महापंचायत में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही। इस दौरान अल्पसंख्यक कांग्रेस जिला अध्यक्ष एडवोकेट अब्दुल मुगनी खान ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ हिंडौन सिटी के ईदगाह गेट पर कांग्रेस नेताओं का भव्य और गर्मजोशी से स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में अल्पसंख्यक कांग्रेस जिला अध्यक्ष एडवोकेट अब्दुल मुगनी खान के साथ वक्फ कमेटी सदर बब्बू शाह, सोनू हाडौली, अजीम खान चिनायटा, अजहर काजी, रफीक बालघाट, जहीर सूरौठ, शकील नेता बालघाट, बबलू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

मोहब्बतपुरा में 21 जनवरी को नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर, मोतियाबिंद ऑपरेशन की सुविधा

रेनवाल मांजी (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत मोहब्बतपुरा में श्रीरामा कृष्णा हॉस्पिटल द्वारा 21 जनवरी को एक निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में मोतियाबिंद की जांच और नेत्र लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा उपलब्ध होगी। नवरत्न माहेश्वरी ने बताया कि यह शिविर जिला अंधता निवारण समिति जयपुर के सहयोग से श्रीरामा कृष्णा हॉस्पिटल जयपुर द्वारा आयोजित किया जा रहा है। शिविर का आयोजन प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक लक्ष्मी नारायण मंदिर मोहब्बतपुरा में होगा। नवरत्न माहेश्वरी ने जानकारी दी कि शिविर में सभी मरीजों की जांच आधुनिक मशीनों द्वारा की जाएगी। इसके साथ ही, चयनित रोगियों के मोतियाबिंद का ऑपरेशन आधुनिक तकनीक से बिना टांके के किया जाएगा। शिविर में आने वाले मरीजों को अपने आधार कार्ड व साथ में वोटर आईडी/ ड्राइविंग लाइसेंस/ पेन कार्ड की एक फोटोकॉपी साथ लाना अनिवार्य होगा। चयनित रोगियों के लिए चश्मा, भोजन और रहने की निःशुल्क व्यवस्था भी की जाएगी।

हैल्प सोसायटी एजुकेशन अवार्ड प्रोग्राम में छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

शब्बीर हुसैन

मांगरोल (रॉयल पत्रिका) । नगर मे पब्लिक हैल्प सोसायटी के तत्वाधान में 16 वां हैल्प एजुकेशन अवार्ड प्रोग्राम रविवार 18 जनवरी रात को आयोजित किया गया। प्रोग्राम के कन्वीनर सलीम अख्तर ने बताया कि प्रोग्राम की मुख्य अतिथि श्रीमति उर्मिला जैन भाया रही। अध्यक्षता हाजी आमीन पठान पीसीसी खेल प्रकोष्ट राजस्थान के प्रतिनिधि अली हुसैन टीपू ने की, कार्यक्रम के सरपरस्त हाजी मोहम्मद अशफाक बीड़ी वाले पूर्व सदस्य राजस्थान स्टेट हज कमेटी, विशिष्ठ अतिथि सेठ मो॰ अशफाक सदर ईदगाह कमेटी, डॉ॰ आरिफ अंसार पशु चिकित्सक ईश्वरपुरा, डॉ॰ रईस अहमद असिस्टेण्ट प्रोफेसर सुधा हॉस्पीटल कोटा अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। प्रोग्राम का संचालन मास्टर रफीक अहमद प्रधानाध्यापक रा.प्रा. वि.इन्द्राहेड़ी व मो॰ सादिक सा॰ कानूनगो ने किया। प्रोग्राम

में कक्षा 10 वीं व 12 वीं व अन्य डिग्री में 75 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले करने वाले मांगरोल के 70 मुस्लिम छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। सोसायटी द्वारा सभी मेहमानों का माला पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया।

यह भी रहे मौजूद

प्रोग्राम में नगरपालिका मांगरोल के चेयरमैन कौशल किशोर सुमन, असगर अली पूर्व वाईस चेयरमैन, डॉ॰ इकबाल नायब सदर ईदगाह कमेटी, असगर अली वार्ड पार्षद, शमा बी. नर्सिंग ऑफिसर, मास्टर शमसुद्दीन, हाजी निसार भाई, हाजी सिद्दीक भाई आदि मौजूद रहे, कार्यक्रम के सदर मो॰ मतीन व प्रेस प्रवक्ता असगर अली ने बताया कि कार्यक्रम में उर्मिला जैन भाया ओर सभी मेहमानों ने शिक्षा के क्षेत्र में जागरूगता लाने के लिये मोटिवेशनल स्पीच दी, तथा सोयायटी के कार्य की सराहना की। कार्यक्रम देर रात 1 बजे तक चला। कार्यक्रम में मुस्लिम छात्र छात्राओ के अलावा कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

मनरेगा बचाओ महासंग्राम यात्रा के तहत ग्रामीण एवं मनरेगा श्रमिकों से मुलाकात करते हुए - रफीक मंडेलिया

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने चूरू विधानसभा क्षेत्र के गांव दूधवाखारा, लालासर, गिनडी, झारिया में मनरेगा बचाओं महासंग्राम यात्रा के तहत ग्रामीणों एवं मनरेगा श्रमिकों से मुलाकात की। रफीक मंडेलिया ने कहा कि भाजपा द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं का नाम बदलने के नाम पर मनरेगा को बंद करने का प्रयास किया जा रहा है जो सहन नही किया जायेगा। मनरेगा में पहले राज्य सरकार को 10 प्रतिशत राशि का भुगतान करना पडता था। अब राज्य सरकार को 40 प्रतिशत राशि के भुगतान का प्रावधान कर दिया है इससे राज्य सरकार पर बोझा बढेगा और नरेगा कर्मियों को रोजगार के अवसर कम मिलेगे। उन्होने कहा कि मनरेगा कानून में संशोधन कांग्रेस किसी भी हाल में स्वीकार नही करेगी। मोदी सरकार जनविरोधी नीतियों की फैक्ट्री बन चुकी है। पहले रोजगार छीना, अब रोजगार का अधिकार भी खत्म करने पर तुली है। मनरेगा कोई सरकार की दया नही, बल्कि संविधान से मिला अधिकार है। इस अधिकार को खत्म करने की हर साजिश का सडक से संसद तक जवाब दिया जाएगा। इस अवसर पर चूरू देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धान्धू द्वारा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ श्री कृष्ण गोशाला में गायों का गुड खिलाकर व दलिया खिलाकर सांसद राहुल कस्वां व रफीक मंडेलिया का जन्मदिन मनाकर उनका स्वागत व अभिनन्दन किया। 20 जनवरी 2026 को चूरू तहसील के प्रथम गांव सातडा में किसान नेता आदूराम न्यौल के नेतृत्व में ग्रामीणों द्वारा चूरू सांसद राहुल व राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया का प्रातः 1000 बजे जन्मदिन मनाया जायेगा। कार्यक्रम का संचालन प्यारेलाल दानोदिया ने किया। इस अवसर पर पीसीसी सचिव रियाजत खां, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धान्धू, पं.स. प्रतिपक्ष नेता धर्मेन्द्र बुडानिया, पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया, किसान नेता आदूराम न्यौल, कमला पुनियां, नारायण बालाण, हेमन्त सिहाग, योगेश ढाका, जयचंद मेघवाल, शेर खां मलखाण, एनके झारिया, जमील चौहान, डीके सिंह कस्वां, महावीर मेघवाल, शंकर शर्मा, मुस्तकिम धोबी, आबिद खान, निरंजन शर्मा, गोर्धन कस्वां, चन्दनमल मेघवाल, ओमप्रकाश कस्वां, डूंगरराम मेघवाल सहित सैकडो कांग्रेस कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजुद रहें।

मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग में दिए निर्देश

बारां (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक लेकर आमजन की सुविधाओं को लेकर अधिकारियों को निर्देश प्रदान किए। जिला मुख्यालय से मिनी सचिवालय स्थित डीओआईटी के वीडियो कांफ्रेंसिंग कक्ष से एडीएम भंवर लाल जनागल सहित अन्य अधिकारी बैठक से जुड़े। बैठक में मुख्यमंत्री ने लम्बित बजट घोषणाओं व विकास कार्यों को त्वरित व टाइम लाइन के अनुसार पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, सम्पर्क पोर्टल आदि को लेकर भी निर्देशित किया। बैठक में विद्युत, शिक्षा, नगर परिषद व सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे।

बारां में 25 जनवरी को होगी लगातार 26 घंटे की दौड़

-एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज करने के लिए आएगी टीम

बारां (रॉयल पत्रिका)। बारां रनर क्लब के तत्वावधान में 25 जनवरी को 26 घंटे तक एक दौड़ देश के जवानों और किसानों के नाम का आयोजन किया जाएगा। जिसको एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज कराया जाएगा। धावक अल्ट्रा रनर मोहित सिंह हाड़ा होंगे। दौड़ की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है। शनिवार को जिला अस्पताल के स्थित एक निजी रेस्त्रां में आयोजित पत्रकार वार्ता में बारां रनर क्लब अध्यक्ष अंकित खंडेलवाल ने बताया कि दौड़ 25 जनवरी को सुबह 6.30 बजे कोटा रोड स्थित खेल संकुल में प्रारंभ होगी। यह लगातार घंटे तक चलती रहेगी। दूसरे दिन 26 जनवरी को सुबह 8.30 बजे दौड़ का समापन होगा। इस दौरान मेडिकल टीम सहित सभी आवश्यक प्रबंध किए जाएंगे। बारां में पहली बार हो रही यह दौड़ एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड को क्लेम करेगी। इसके लिए दिल्ली से यहां टीम आएगी। इसके लिए सभी

औपचारिकताएं पूरी कर ली गई है। पत्रकार वार्ता में रनर मोहित सिंह हाड़ा ने बताया कि इस दौड़ का उद्देश्य शहर व देश के युवाओं को जवानों और किसानों को समर्पित रहेगी। ताकि उनके द्वारा किए जा रहे त्याग, बलिदान व परिश्रम के प्रति युवाओं को प्रेरित किया जा सके। शहर के युवाओं को प्रेरणा देगी। हाड़ा ने बताया कि इसमें 26 घंटे का टारगेट है। लगभग 200 किमी की यह दौड़ रहेगी। शहर के युवा व अन्य खेलप्रेमी भी इसका हिस्सा बनेंगे। एक सवाल के जवाब में मोहित हाड़ा ने बताया कि वे एक मैकेनिकल इंजीनियर हैं। साथ ही किसान भी हैं। वे 2019 से बारां रनर क्लब से जुड़े हैं। दौड़ते-दौड़ते हाफ मेराथन, मेराथन व अल्ट्रा रनिंग की। अब वे इसके माध्यम से शहर के बीच एक ऐसा आयाम स्थापित करना चाहते हैं, जिससे साथ ही एथलीट आगे आएं और अपना परचम लहराएं। उनमें देश के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा पैदा हो। इस दौरान क्लब के पदाधिकारियों ने दौड़ के पोस्टर का भी विमोचन किया। बारां में 25 जनवरी को होगी लगातार 26 घंटे की दौड़ पत्रकार वार्ता में शाहबाज अख्तर, वितपन गोयनका, डॉ. निखिल गुप्ता, डॉ. संतोष मेहता, अंशुल व्यास, रवि सेन, विकास मीणा, मोनू पंकज, दिग्विजय सिंह, अंशुमन, मां आशा क्षत्रिय फाउंडेशन के रवि सिंह हाड़ा व राम सिंह हाड़ा आदि मौजूद थे।

रीको क्षेत्र में नकली घी बनाने की आशंका खाद्य विभाग ने फैक्ट्री पर की कार्रवाई

-फैक्ट्री के दो अलग-अलग परिसरों को सील कर दिया गया

सचिन शैडवाल

धौलपुर (रॉयल पत्रिका)। जिले के रीको औद्योगिक क्षेत्र में नकली घी तैयार किए जाने की आशंका पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने एक फैक्ट्री परिसर में जांच कार्रवाई की। शिकायत के आधार पर की गई इस कार्रवाई में फैक्ट्री के दो अलग-अलग परिसरों को सील कर दिया गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी पदम् सिंह के अनुसार जिला प्रशासन को नकली घी से जुड़ी सूचना प्राप्त हुई थी। इसी के तहत अल्फा फैक्ट्री के समीप स्थित एक फैक्ट्री परिसर में निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान परिसर के भीतर पार्टिशन लगाकर दो यूनिट संचालित होने के संकेत मिले। निरीक्षण में एक हिस्से से नैमिनाथ और सुधर्म ब्रांड के देसी घी के खाली पीपे,

साधारण पीपे तथा पैकिंग से संबंधित सामग्री बरामद हुई। वहीं दूसरे हिस्से में आनंद लाइट और ओम लाइट ब्रांड के इंटरस्टरी फाइट फैट से संबंधित बड़ी मात्रा में पैकिंग मटेरियल रखा पाया गया।कार्रवाई के समय दोनों परिसरों में कोई जिम्मेदार व्यक्ति मौजूद नहीं था, केवल चौकीदार ही पाया गया। खाद्य विभाग की टीम ने प्रथम दृष्टया अनियमितताएं पाए जाने पर दोनों फैक्ट्री परिसरों को सील कर दिया तथा संबंधित पक्ष को नोटिस जारी कर आवश्यक दस्तावेज कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मामले की आगे जांच की जा रही है और जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अंजुमन इत्तेहाद-ए-बाहमी द्वारा नि:शुल्क नेत्र जांच व ऑपरेशन शिविर संपन्न

बारां (रॉयल पत्रिका)। अंजुमन इत्तिहाद-ए-बाहमी जिला बारा के नगर अध्यक्ष अलीम मंसूरी ने बताया कि सदर आबिद हुसैन अंसारी की अध्यक्षता में रविवार 18 जनवरी 2026 को डॉ. एपीजे अबुल कलाम सामुदायिक भवन बाबा फूल पीर साहब जमात खाने मांगरोल रोड बारां में निःशुल्क नेत्र जांच व ऑपरेशन शिविर जिला अंधता निवारण समिति जिला बारा के सहयोग एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बारां के आदेश से संपन्न हुआ। इस कैंप में आई स्पेशलिस्ट डॉक्टर सुधीर गुप्ता एवं उनकी टीम ने 70 मरीजों की आंखों की जांच की जांच में जिनको आवश्यकता थी उनको दवाइयां एवं चश्मों के नंबर निःशुल्क दिए गए, 08 मरीजों को ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया, चिन्हित सभी मरीजों को लेकर टीम कोटा रवाना हुई। जिनका ऑपरेशन किया गया । ऑपरेशन कैंप को कामयाब बनाने में इकबाल हुसैन भारत मेडिकल वाले, हाजी वसीम अहमद, अब्दुल अजीज अज्जू भाई, मास्टर अय्यूब अली, हाजी अशफाक हुसैन, इफ्तिखार अहमद बब्लू, मौलाना सलमान आदि का विशेष सहयोग रहा।

मन्नू पठान बने मदरसा अंजुमन इस्लामियां के सदर

बारां (रॉयल पत्रिका)। मदरसा अंजुमन इस्लामियां बारां के इंतजामियां कमेटी के चुनाव शुक्रवार 16 जनवरी दोपहर को अंजुमन चौराहा स्थित अंजुमन इस्लामियां मदरसे में सम्पन्न हुए। प्रवक्ता शाहिद इकबाल भाटी ने बताया कि पूरी चुनावी प्रक्रिया कार्यवाहक सदर माजिद सलीम ओर चुनाव कमेटी के मास्टर अनवर अली, मास्टर मोहम्मद सलाम, एडवोकेट फिरोज खान, एडवोकेट रईस हाशमी और मोहतमिम अब्दुल कय्यूम की देखरेख में संपन्न हुई । 29 पंचायतों से चुनकर आए मेंबरों ने सदर पद के तीन उम्मीदवार लोगों को वोटिंग की। जिनमें मोहम्मद असलम भारती को 05 वोट, मोहम्मद शाहिद मन्नू पठान को 16 वोट ओर सद्दाम हुसैन अंसारी को 07 वोट प्राप्त हुए, एक वोट

कैंसिल हुआ। इस तरह मोहम्मद शाहिद मन्नू पठान अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सद्दाम हुसैन अंसारी से 9 वोटों से विजय हुए। विजय की घोषणा के बाद चुनाव अधिकारियों ने नवनिर्वाचित सदर मोहम्मद शाहिद मन्नू पठान को सदर पद की शपथ दिलाई। इसके बाद पूर्व सदर माजिद सलीम ने माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर नवनिर्वाचित सदर मन्नू पठान का इस्तकबाल किया। चुनावी प्रक्रिया के दौरान दिन भर अंजुमन चौराहे पर मुस्लिम समाज की खासी भीड़ ओर उत्साह नजर आया। लोगों में चर्चा का विषय रहा कि लंबे समय बाद अंजुमन के चुनाव शांतिपूर्ण ओर बिना मनमुटाव ओर सादगी के साथ सम्पन्न हुए इसके लिए कार्यवाहक सदर माजिद सलीम ओर पूरी चुनाव कमेटी की प्रशंसा हुई।

ली मार्शल आर्ट क्लब धौलपुर के द्वारा 45 बच्चों की ग्रेडिंग परीक्षा हुई सम्पन्न

-सभी छात्र-छात्राओं को कार्यक्रम के दौरान किया सर्टिफिकेट देकर सम्मानित

धौलपुर (रॉयल पत्रिका)। ली मार्शल आर्ट क्लब धौलपुर के द्वारा 45 बच्चों की ग्रेडिंग परीक्षा हुई सम्पन्न जापान सोतोकान एसोसिएशन के राजस्थान अध्यक्ष महेश का की देखरेख में 45 बच्चों की ग्रेडिंग परीक्षा हुई सम्पन्न। इस दौरान कार्यक्रम के मंचसीना अतिथियों में श्रीमती प्रिया त्यागी प्रशासनिक अधिकारी एवीएम कन्वेंट स्कूल एवं कांग्रेस कमेटी धौलपुर की जिला सचिव श्रीमती रोशनी शिवहरे, कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की जिला अध्यक्ष शबनम खान, समाज सेविका शबाना खान रजक समाज के प्रदेश युवा उपाध्यक्ष सचिन शैडवाल रहे। इसी दौरान जापान शोतोकान एसोसिएशन के धौलपुर जिला सचिव ऋषि कुमार मौर्य ने सभी अतिथियों का माला और साफा पहनाकर स्वागत किया। तो वही अतिथियों के सामने कराटे खिलाड़ियों ने हैरत अंग्रेज प्रदर्शन

किये जिसमें डेमो फाइट कराटे, फाइट काता, कुमीते, सभी शामिल थे। इस दौरान रोशनी शिवहरे ने संबोधित करते हुए कहा कि आज बच्चियों आत्म निर्भर बनकर अपने आप को मजबूत बनाने का प्रयासकर रही है और जिले का नाम राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर रोशन भी कर रही है। इस दौरान प्रिया त्यागी ने ली मार्शल आर्ट क्लब की प्रशंसा करते हुए प्रकाश डाला इसी दौरान सभी अतिथियों ने कराटे खिलाड़ियों की सराहना की, इस तरह के बेहतर प्रदर्शन के लिए सभी बच्चों को बधाई दी। साथ में ही डिस्ट्रिक्ट चैंपियनशिप के सभी खिलाड़ियों को सर्टिफिकेट दिए गए अतिथियों ने क्लब के खिलाड़ियों को आश्वासन दिया हर संभव मदद के लिए वह हमेशा आपके लिए तत्पर रहेंगे बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और बेटी को मार्शल आर्ट सिखाओ बेटिया अपनी आत्मरक्षा के साथ-साथ समाज की भी रक्षा कर सकें कार्यक्रम के अंत में ऋषि कुमार मौर्य ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

रिलायबल पब्लिक स्कूल सुकेत में स्कूल शिक्षा परिवार के प्रतिनिधि मण्डल का भव्य स्वागत

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। सुकेत में रिलायबल पब्लिक स्कूल में शिक्षा परिवार के प्रतिनिधि मण्डल का भव्य स्वागत। स्कूल शिक्षा परिवार सुप्रीमो डॉ. अनिल शर्मा, महासचिव श्रवण बोहरा प्रदेश उपाध्यक्ष रघुकुलनंदन गौतम प्रदेश सचिव डॉ. अशरफ बैग ओर अन्य पदाधिकारीगणों का विद्यालय निदेशक डॉ. जरीफ अहमद ने किया भव्य स्वागत। निजी विद्यालयों की विभिन्न समस्याओं के समाधान और सरकार से मांगों पर सहमति बनाने ओर रूपरेखा तैयार करने को लेकर हाड़ौती दौरे पर हैं स्कूल शिक्षा परिवार का प्रतिनिधि मण्डल। कस्बे सुकेत के रिलायबल पब्लिक स्कूल सुकेत में राष्टीय अध्यक्ष का निजी स्कूल सचालको ने भव्य स्वागत किया। विद्यालय संचालक डॉक्टर ज़रीफ अहमद ने अध्यक्ष डॉ. अनिल शर्मा को सरोपा पहनाकर स्वागत कार्यक्रम की शुरुवात की साथ ही विद्यालय की प्रतिभावान विद्यार्थी जिया खान को सम्मान प्रतीक देकर होसला अफजाई किया। छोटे-छोटे बच्चों ने अनिल शर्मा को गुलाब के फूल देकर प्यार ज़ाहिर किया। जयपुर से पधारे राष्ट्रीय अध्यक्ष झालावाड़ मे हो रही एक दिवसीय शैक्षिक आशिवेशन मे मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करने से पूर्व निजी स्कूल संचालको से समस्या पर चर्चा कर समाधान पर सरकार से चर्चा करने पर सहमति बनी । इस अवसर पर त्रिलोक सैनी, रामगंजमंडी ब्लॉक के स्कूल संचालक गण ने अपनी उपस्थित दी। जिसमे नरेश शर्मा, राजेंद्र धानिया, गिर्राज शर्मा हंसराज गौतम, सत्यदेव मीणा, शरीफ हुसैन, समी खान, आरिफ मोहम्मद, जय शर्मा, आशीष शर्मा धीरज भार्गव सहित कई स्कूल संचालक मौजूद रहे।

एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनलस कोटा द्वारा सिलाई मशीन वितरण कार्यक्रम

बारां (रॉयल पत्रिका)। कोटा शहर के एक निजी संस्थान में शनिवार 17 जनवरी 2026 को एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनलस कोटा की जानिब से एक प्रोग्राम आयोजित किया गया, जिसमें एसोसिएशन द्वारा संचालित सिलाई केन्द्र में प्रशिक्षित दो निर्धन महिलाओं को

स्वरोजगार कार्यक्रम के अंतर्गत दो अंब्रेला सिलाई मशीनों का वितरण किया गया , जिसमें एक महिला बकानी झालावाड़ तथा दूसरी महिला विज्ञान नगर कोटा की रहने वाली हैं। इसके अलावा 15 ग़रीब बच्चों को एसोसिएशन की ओर से फीस जमा कराई गई तथा एक महिला को किराना की दुकान लगाने हेतु राशि भी स्वीकृत की गई, साथ ही इंजीनियरिंग के छात्र को 20000/-व भोपाल में ISSR में अध्ययनरत छात्रा को 67000/- की फीस जमा कराई गई। एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनलस कोटा के मीडिया प्रभारी रिज़वानुद्दीन अंसारी के अनुसार प्रोग्राम के मुख्य अतिथि डॉ. ज़ाकिर हुसैन वेलफेयर सोसाइटी कोटा के अध्यक्ष हकीम बख्श रहे, तथा अध्यक्षता इंजीनियर सैयद सलामत अली ने की। विशिष्ट अतिथियों में वाई जी एन एजूकेशन ग्रुप के चेयरमैन अरशद अंसारी, अंसारी वेलफेयर सोसाइटी कोटा के ट्रेज़रर अब्दुल मजीद अंसारी, इंजीनियर मोहम्मद शाहिद एयरटेल, कमरुज्जमा खान चेप्टर हेड, शाहनवाज़ खान इंश्योरेंस हब आदि प्रोग्राम में उपस्थित रहे । एसोसिएशन अबतक 50 से ज्यादा महिलाओं को प्रशिक्षित कर 20 महिलाओं को सिलाई मशीनों का वितरण कर स्वरोजगार से जोड़ा गया। प्रोग्राम में 07 फरवरी 2026 को आयोजित होने वाले जाब फेयर (रोज़गार मेला) की जानकारी भी दी गई। अंत में एएमपी कोटा संभाग के क्लस्टर हेड इंजीनियर सिराज अहमद अंसारी ने सभी का धन्यवाद अर्पित किया।

पुलिस थाना कोतवाली झालावाड़ की बड़ी कार्यवाही

-मादक पदार्थ गांजा की तस्करी करते हुए एक अभियुक्त के कब्जे से 01 किला 99 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जप्त

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आई.पी.एस. ने बताया कि अपराध नियंत्रण एवं असामाजिक तत्वो की गतिविधियो पर अंकुश लगाने संगठित अपराध अवैध मादक पदार्थ तस्करो के विरूद्ध जिला स्तर पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसमें मादक पदार्थों की खरीद फरोख्त, अवैध मादक पदार्थों का परिवहन, अवैध मादक पदार्थों के निर्माण संबंधित व अवैध मादक पदार्थों की खपत से संबंधित अवैध कार्यों में संलिप्त अपराधियो के विरूद्ध जिला स्पेशल टीम व जिले के समस्त थानाधिकारियो को थाना स्तर पर विशेष टीमों का गठन का प्रभावी कार्यवाही किए जाने बाबत् निर्देशित किया हुआ है। अभियान के तहत भागचंद मीणा अतिरिक्ति पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में व हर्षराज सिंह पुलिस उप अधीक्षक वृत झालावाड के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी कोतवाली मुकेश मुकेश कुमार मीणा पु.नि. के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थो तस्करो के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुये 17.01.2026 को दौराने गश्त रेल्वे स्टेशन के सामने पेंशनर गार्डन के सामने आम रास्ता झालावाड़ से अफरोज पुत्र खान पुत्र सलीम खान जाति

मुसलमान उम्र 23 साल निवासी छत्रभवन के पीछे मदारी खा का तालाब कच्ची बस्ती झालावाड़ की गतिविधियों संदिग्ध प्रतीत होने पर नियमानुसार तलाशी लेने पर अफरोज के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ गांजा कुल वजन 01 किला 99 ग्राम बरामद करने में सफलता अर्जित की है।

घटना विवरण-

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि थानाधिकारी कोतवाली मुकेश कुमार मीणा पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में गठित विशेष पुलिस टीम द्वारा 17.01.2026 को दौराने गश्त रेल्वे स्टेशन के सामने पेंशनर गार्डन के सामने आम रास्ता झालावाड़ से अफरोज की गतिविधियों संदिग्ध प्रतीत होने पर नियमानुसार तलाशी लेने पर अफरोज के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ गांजा कुल वजन 01 किलो 99 ग्राम बरामद करने में सफलता अर्जित की है। अफरोज को गिरफ्तार कर एनडीपीएस की धाराओ में प्रकरण दर्ज किया गया। अभियुक्त से अवैध मादक पदार्थ गांजा की खरीद-फरोख्त तथा उसके साथ तस्करी नेटवर्क में कौन-कौन लोग सम्मिलित के बारे में अनुसधांन किया जा रहा है, जिला पुलिस की अवैध मादक पदार्थ तस्करो के विरूद्ध लगातार कार्यवाही जारी है। नाम पता मुलजिम अफरोज पुत्र खान पुत्र सलीम खान जाति मुसलमान उम्र 23 साल निवासी छत्रभवन के पीछे मदारी खा का तालाब कच्ची बस्ती झालावाड़ ।

कोतवाली पुलिस टीम-

मुकेश कुमार मीणा पु.नि. थानाधिकारी कोतवाली, कृष्ण गोपाल आरपीएस (प्रोबेशनर). भगवान सिंह हैड कानि. मुकेश पटेल कानि. गोविन्द कानि., राजेश स्वामी कानि, धर्मेन्द्र कानि. संदीप कानि, रमेश चन्द चालक आदि।

हिण्डौन: कटकड़ मोड़ पर किसान हुंकार, डोटासरा–जूली ने 15 दिन में कलेक्ट्रेट घेराव की दी चेतावनी

हनीस शेख, कुतकपुर

हिण्डौन (रॉयल पत्रिका)। हिण्डौन सिटी के टोडूपुरा स्थित कटकड़ मोड़ पर आयोजित "पहाड़ बचाओ, खेत बचाओ, गांव बचाओ" किसान आंदोलन सभा में कांग्रेस ने राज्य सरकार के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोल दिया। बड़ी संख्या में किसानों और ग्रामीणों की मौजूदगी में यह सभा क्षेत्र के जल, ज़मीन और जंगल से जुड़े मुद्दों पर निर्णायक आंदोलन का संकेत बन गई। सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने खनन नीति और भूमि अधिग्रहण को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला। डोटासरा ने चेतावनी देते हुए

कहा कि यदि 15 दिन के भीतर लीलोटी, टोडूपुरा, देदरौली और खोहरा क्षेत्र में प्रस्तावित आयरन खनन को रद्द नहीं किया गया तथा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे लिंक रोड से जुड़ी कार्रवाई नहीं रोकी गई, तो कांग्रेस किसानों के साथ मिलकर कलेक्ट्रेट का घेराव करेगी। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि किसानों की जमीन और पहाड़ों को कॉर्पोरेट हितों के लिए कुर्बान नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने आंदोलन को जनहित और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा बताया। सभा में सांसद भजनलाल जाटव सहित कई विधायक, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। सभी नेताओं ने एक स्वर में किसानों की मांगों का समर्थन करते हुए आंदोलन को मजबूती से आगे बढ़ाने का भरोसा दिलाया।

पांच साल पुरानी पोस्ट पर खड़ा हुआ हंगामा

मुंबई। एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक स्क्रीनशॉट वायरल है, जिसमें एक लड़की भूषण कुमार और नोरा फतेही के लिंकअप पर बात कर रही है। वह कहती है, 'नोरा लग्जरी बैग, कपड़े, कार का खर्च कैसे उठा सकती हैं। वह पोस्ट में इसकी वजह भूषण कुमार के साथ उनके कथित रिश्ते को बताती है। यह पोस्ट लगभग पांच साल पुरानी है। लेकिन, हाल में भी जब इस पोस्ट का स्क्रीनशॉट सामने आया तो नोरा ने इस पर रिएक्शन दिया और लिखा, 'वाउ'। इस तरह कहीं ना कहीं नोरा ने इन अफवाहों पर मजाक उड़ाया है।

लाइफ Style

त्रिधा

मेरे सामने उसे गलत तरीके से टच किया

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अक्सर स्टार्स के साथ छेड़छाड़ और कास्टिंग काउच की खबरें सुनने को मिलती हैं। कई बार एक्ट्रेसेस को फिल्मों और सीरियल्स में रोल के बदले कंप्रोमाइज के ऑफर तक दिए जाते हैं।

एजेंसी ⏭ मुंबई

ऐसे में अब जानी मानी एक्ट्रेस त्रिधा चौधरी ने भी अपनी एक फीमेल को-एक्ट्रेस संग सेट पर हुई एक ऐसी ही घटना का जिक्र अपने हालिया इंटरव्यू में किया। त्रिधा ने बताया कि कैसे उसे उनके ही सामने गलत तरीके से टच किया गया था। त्रिधा चौधरी जल्द ही कपिल शर्मा के साथ फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' में नजर आने वाली हैं। मूवी में उनके साथ बिग बॉस फेम और 'धुरंधर' के आइटम सॉन्ग से चर्चा में आईं आयशा खान भी नजर आने वाली हैं। ऐसे में त्रिधा ने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया है। इस दौरान त्रिधा ने प्रोफेशनल लाइफ के साथ पर्सनल लाइफ पर किए गए सभी सवालों के खुलकर जवाब दिए। इंटरव्यू में त्रिधा से पूछा कि क्या कभी किसी ने गलत तरीके से अप्रोच किया है। आयशा ने बिग बॉस में बताया था कि उनके साथ ऐसा कुछ हो चुका है। इस पर त्रिधा ने खुलासा किया, 'फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' के सेट पर एक बार किसी ने आयशा खान को गलत तरीके से छुआ था, और यह घटना उनकी आंखों के सामने हुई थी। त्रिधा अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, 'हालांकि, उन्होंने मौके पर कोई विरोध नहीं किया लेकिन बाद में इस बारे में बात की और कहा कि ऐसी घटनाओं से बचना चाहिए।

हॉलीवुड मसाला

ऑल दैट में की थीं काम

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड स्टार कियाना अंडरवुड का सिर्फ 33 साल की उम्र में निधन हो गया है। वो निकेलोडियन के 'ऑल दैट' के आखिरी सीजन में नजर आईं थीं। कियाना अंडरवुड 2005 में लोकप्रिय स्केच कॉमेडी सीरीज 'ऑल दैट' के सात एपिसोड में अमांडा बाइनेंस, निक कैनन और केनन थॉम्पसन जैसे सितारों के साथ नजर आईं थीं। उन्होंने निकेलोडियन के 'लिटिल बिल' में भी काम किया था। बिल कॉस्बी द्वारा निर्मित एनिमेटेड सीरीज 'लिटिल बिल' में उन्होंने मुख्य किरदार की चचेरी बहन फुच्सिया ग्लोवर को आवाज दी।

अवतार: फायर एंड ऐश ओटीटी पर होगी रिलीज

लॉस एंजिल्स। जेम्स कैमरून ने साल 2009 में पहली बार 'अवतार' फिल्म बनाई थी। अब इसका तीसरा पार्ट दिसंबर 2025 में रिलीज हुआ। इसने वर्ल्डवाइड 11,200 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। फिल्म को अब आप घर बैठकर देख सकते हैं। हालांकि, ऑफिशियल ऐलान होना बाकी है। जेम्स कैमरून की साइंस-फिक्शन मूवी 'अवतार: फायर एंड ऐश' ने ग्लोबली बॉक्स ऑफिस पर 11,200 करोड़ रुपए कमाई की। ये 19 दिसंबर 2025 को थिएटर्स में रिलीज हुई थी। अब आप इसे घर बैठकर ऑनलाइन देख सकते हैं। जेम्स कैमरून के निर्देशन में बनी 'अवतार 3' को ग्लोबली दर्शकों का जबरदस्त रिएक्शन मिला। इसने वर्ल्डवाइड 11,200 की कमाई कर ली है। हालांकि, भारत में सभी भाषाओं में 170 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया।

रणवीर नहीं, विजय की दीवानी हैं सारा

मुंबई। 'धुरंधर' में 20 साल की सारा अर्जुन ने इतनी कम उम्र में वो मुकाम हासिल किया, जिसे पाने में स्टार्स को सालों लग जाते हैं। 'धुरंधर' की सक्सेस के बाद सारा हर जगह सुर्खियों में बनी हुई हैं। लेकिन, आप जानकर हैरान होंगे कि जिस एक्टर के साथ पर्दे पर उनकी केमिस्ट्री को इतना पसंद किया जा रहा है, वो ही उनका फेवरेट स्टार नहीं, बल्कि कोई और है। दरअसल, हाल ही में सारा अर्जुन 'यूफोरिया' फिल्म के ट्रेलर लॉन्च पर पहुंचीं। जहां सारा ने अपनी मौजूदगी से हर किसी का ध्यान खींचा। ऐसे में सारा से पूछा गया कि वो किस एक्टर की सबसे बड़ी फैन हैं? लोगों को उम्मीद थी कि वो अपने 'धुरंधर' में उनके को-एक्टर रणवीर सिंह का नाम लेंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सारा ने फटाक से जवाब देते हुए कहा कि वो साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा को काफी पसंद करती हैं।

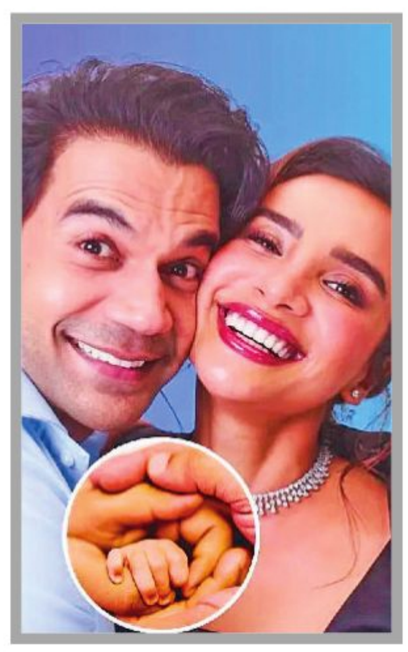

राजकुमार ने किया बिटिया का नामकरण...

मुंबई। राजकुमार राव और पत्रलेखा ने अपनी बेबी गर्ल की पहली झलक फैंस को दिखाई है। साथ ही बेटी के नाम से भी पर्दा हटाया है। कपल ने 15 नवंबर, 2025 को बेटी का स्वागत किया था। रविवार को उन्होंने बेटी का नामकरण किया है। राजकुमार राव और पत्रलेखा ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक संयुक्त पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने एक तस्वीर के साथ लिखा है, 'हाथ जोड़कर और पूरे दिल से, हम अपने सबसे बड़े आशीर्वाद से आपको मिलवा रहे हैं'। आगे उन्होंने बेटी का नाम लिखा है, 'पार्वती पॉल राव'। राजकुमार राव और पत्रलेखा ने अपनी बेटी की पहली झलक भी हालिया पोस्ट के जरिए दिखाई है। हालांकि, कपल ने बेटी का चेहरा रिवील नहीं किया है। उन्होंने एक फोटो शेयर की है, जिसमें पत्रलेखा और राजकुमार राव ने अपने हाथों में नन्ही परी का हाथ थाम रखा है।

टीवी मसाला

आनंद कुमार की सुपर 30 का स्टूडेंट पहुंचा शार्क के मंच पर

नई दिल्ली। शार्क टैंक इंडिया के पिछले सीजन ऑडियंस के बीच जबरदस्त हिट रहे हैं। देशभर से लोग अपना नया आईडिया लेकर शार्क के पास फंडिंग के लिए पहुंचे थे। शो की सफलता देखते हुए शार्क टैंक इंडिया सीजन 5 आया और आते ही हिट हो गया। इस बार शो पर आनंद कुमार की सुपर 30 से उनका एक पुराना स्टूडेंट पहुंचा है जिसने अपने बिजनेस आईडिया से शार्क को भी हैरान कर दिया। आदित्य आनंद नाम के इस शख्स ने बताया कि इन्होंने आनंद कुमार की सुपर 30 वाले बैच से अपनी पढ़ाई की थी। और अपना बिजनेस चला रहे हैं। आदित्य मुंगेर बिहार के रहने वाले हैं। आनंद कुमार के जीवन पर ही ऋतिक रोशन की फिल्म सुपर 30 बनाई गई थी। आनंद कुमार गरीब बच्चों को फ्री और कम से कम पैसों में पढ़ाते हैं। आदित्य भी एक समय में उनकी सुपर 30 का हिस्सा रहे हैं। आनंद कुमार से पढ़ने के बाद आदित्य ने **IIT** का एंट्रेंस एग्जाम पास किया और **IIT** कानपुर से अपनी पढ़ाई पूरी की। आदित्य ने बताया कि उन्होंने पांच साल तक काम किया और खुद सेविंग कर अपना नया बिजनेस शुरू किया है जो किसी भी कंपनी के डाटा स्टॉक रिसर्च में मददगार है। ये काम वो **AI** की मदद से करते हैं। आदित्य की ये बातें सुन सभी शार्क खुश हुए। बता दें, इसके अलावा शार्क के मंच पर कई बिजनेस आईडिया पहुंचे थे।

खतरों के खिलाड़ी 15 के कंटेस्टेंट्स की सामने आई टेंटेटिव लिस्ट

नई दिल्ली। स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी सीजन 15' का साल 2025 में दर्शक इंतजार ही करते रह गए और ये शो टेलीकास्ट ही नहीं हुआ।

मगर अब इसके प्रीमियर को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। कलर्स टीवी और जियोहॉटस्टार पर प्रसारित होने वाले इस शो को हर बार की तरह रोहित शेट्टी ही होस्ट करेंगे। 'बिग बॉस तक' की रिपोर्ट के मुताबिक, 'खतरों के खिलाड़ी सीजन 15' की शूटिंग जहां पहले जनवरी में शुरू होनी थी। वहीं, अब दावा किया जा रहा है कि मई में सभी एपिसोड्स शूट किए जाएंगे और जून, 2026 में इसका प्रीमियर होगा। हालांकि, अभी किस जगह पर सेट बनाना है, ये तय नहीं हुआ है। मेकर्स अभी लोकेशन को फाइनलाइज करने का काम कर रहे हैं। शो को लेकर कंटेस्टेंट्स की टेंटेटिव लिस्ट्स भी सामने आई है। 'बॉम्बे टाइम्स' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'बिग बॉस 19' के विनर गौरव खन्ना और रनर-अप रहीं फरहाना भट्ट इस सीजन का हिस्सा हो सकती हैं। इनके अलावा, अभिषेक बजाज, बसीर अली का भी नाम सामने आ रहा है।

2016 के ट्रेंड में शामिल हुईं भूमि शेयर की अक्षय के साथ पहली तस्वीर

मुंबई। भूमि पेडनेकर भी बॉलीवुड की बाकी सेलेब्स की तरह सोशल मीडिया पर '2016' ट्रेंड में शामिल हो गई हैं। अपनी तस्वीरों की एक पोस्ट में भूमि ने उस साल के कई पलों को साझा किया है, जिनमें अक्षय कुमार के साथ उनकी पहली तस्वीर, बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन के लिए पिलाटेस सेशन शामिल हैं। भूमि की ये पोस्ट अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

भूमि ने 2015 में फिल्म दम लगा के हईशा से अपनी एक्टिंग की शुरुआत की थी। आयुष्मान खुराना के साथ इस फिल्म में भूमि ने एक मोटी टीचर का रोल निभाया था। उस समय उन्होंने पुरानी सोच को तोड़कर अपने अभिनय से सबको प्रभावित किया था। 2016 में उन्होंने अपना वजन कम किया और अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'टॉयलेट: एक प्रेम कथा' में काम किया। अपनी नई पोस्ट में, भूमि ने 2016 के कुछ यादगार पलों को शेयर किया, जैसे उनका पहला फोटोशूट और बॉडी चेंज की तस्वीरें। भूमि पेडनेकर ने अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर कीं और कैप्शन में लिखा, '2016 सपनों से भरा साल था। 'टॉयलेट एक प्रेम कथा' के सेट पर- पहली स्लाइड में भूमि ने 'टॉयलेट: एक प्रेम कथा' के सेट से अक्षय के साथ एक मजेदार सेल्फी शेयर की है। दूसरी स्लाइड में उनके पहले फोटोशूट की तस्वीर है, जिसमें वो काली ड्रेस में पोज दे रही हैं। फिल्मफेयर मैगजीन में भूमि का पहला फीचर 2016 में आया था। उन्होंने अपने शरीर को बदलने के लिए पिलाटेस किए थे। भूमि की तस्वीरों में एक मजेदार तस्वीर अक्षय कुमार के साथ है। दोनों सेल्फी में साथ हैं, और पीछे एक भारतीय टॉयलेट दिख रहा है। आखिरी तस्वीर उनकी बहन समीक्षा पेडनेकर के साथ है। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और लोग इसकी बहुत तारीफ कर रहे हैं।

केवल एक घर में शूट हुई ये दिल छू लेने वाली फिल्म

मुंबई। अगर आप हिंदी फिल्में देखने के शौकीन हैं और कुछ नया और अलग कंटेंट देखना चाहते हैं तो हम आपको साल 2022 में आई एक ऐसी शॉर्ट फिल्म के बारे में बता रहे हैं जो आपको यकीनन पसंद आएगी। फिल्म में न तो बहुत से डायलोग्स हैं और न ही बहुत सारे किरदार, फिर भी ये हिंदी फिल्म यकीनन आपके दिल को छू लेगी। फिल्म में जियो हॉटस्टार पर देख सकते हैं। हम जिस फिल्म की बात कर रहे हैं उसका नाम है द लास्ट एनवेलप। फिल्म में केवल तीन किरदार हैं। फिल्म नें अनु कपूर, शीबा चड्ढा और तेहरान बख्शी नजर आए

हैं। इस फिल्म की खास बात है कि फिल्म को केवल एक घर में शूट किया गया है। फिल्म में केवल एक लोकेशन और तीन कलाकार हैं।

जापान की इस सर्विस पर आधारित है फिल्म

यह फिल्म जापान में 1990 में शुरू हुई उस सर्विस पर आधारित है जहां सर्विस प्रोवाइडर्स कस्टमर्स को एक्टर्स प्रोवाइड कराते हैं जो उनके करीबी और रिश्तेदारों की जगह घर आते हैं और परिवार के साथ थोड़ा टाइम बिताते हैं और उनके रिश्तेदारों की तरह ही एक्ट करते हैं। यह सर्विस सबसे पहले जापान में शुरू हुई थी ताकि एक आदर्श समाजिक व्यवस्था और बुजर्गों के प्रति स्वस्थ और सकारात्मक दृष्टिकोण बनाया जा सके।

क्या है फिल्म की स्टोरीलाइन?

फिल्म की शुरुआत ऐसे मां-बाप से होती है जो अपने बेटे के बर्थ डे पर उसके घर आने का इंतजार कर रहे होते हैं। मां अपने बेटे के लिए उसके मन का खाना बना रही होती है। पिता घर की सफाई कर रहे होते हैं। फिर दरवाजे पर दस्तक होती है। माता-पिता दरवाजा खोलकर बेटे का स्वागत करते हैं। पूरा परिवार एक साथ एंजॉय कर रहा होता है कि तभी बेटे की नजर घड़ी पर पड़ती है और कमरे में सन्नाटा छा जाता है। इसके बाद कहानी में एक ट्विस्ट आता है। ऐसा ट्विस्ट जो किसी को भी इमोशनल कर सकता है।

अगर तुम आना चाहती हो, तो क्या मैं मना कर दूं

9 भाषाओं में बनाई गई ये तेलुगू फिल्म, 8 में हुई हिट

मुंबई। *करीब 26 साल पहले एक ऐसी तेलुगू फिल्म रिलीज हुई थी जिसे कई भाषाओं में बनाया गया था। एक शानदार कहानी जिसने कई मेकर्स को प्रभावित किया। आठ भाषाओं में सफल होने वाली इस फिल्म का हिंदी रीमेक फ्लॉप निकला। साल 2005 तेलुगू भाषा में एक फिल्म रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने उस समय के बॉक्स ऑफिस नंबर्स को हिलाकर कर रख दिया था। सिर्फ 4 करोड़ में बनी इस फिल्म ने 18 करोड़ से ज्यादा की कमाई की थी। ये फिल्म इतनी पसंद की गई कि हिंदी समेत 9 भाषाओं में बनाया गया। 8 भाषा में जबरदस्त सफलता मिली लेकिन सिर्फ हिंदी में ये फिल्म फ्लॉप साबित हुई। अपना बजट भी नहीं निकाल पाई। इस फिल्म का तेलुगू नाम है 'नुव्वोस्तानान्ते नेनोददंताना'। इस नाम का हिंदी मतलब है 'अगर तुम आना चाहती हो, तो क्या मैं मना कर दूं?'।*

अनोखी रोमांस पर आधारित थी

प्रभुदेवा के डायरेक्शन में बनी फिल्म नुव्वोस्तानान्ते नेनोददंताना एक्टर सिद्धार्थ, तृषा, श्रीहरी के साथ मिलकर बनाई गई थी। फिल्म में एक छोटे रोल में प्रकाश राज भी नजर आए और खुद डायरेक्टर प्रभु देवा ने कैमियो किया था। फिल्म एक अनोखी रोमांस पर आधारित थी। उस समय ऐसी कहानी कम ही देखी गई थी इसलिए इस तेलुगू वर्जन को ऑडियंस ने खूब प्यार दिया। फिल्म को IMDB पर 7।9 की रेटिंग मिली है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म की कहानी सलमान खान की फिल्म 'मैंने प्यार किया' से प्रेरित थी। फिल्म रिलीज हुई थी तो भीड़ थिएटर के बाहर जमा होने लगी थी। ये सबूत था इस फिल्म की सफलता का। बाद में इस फिल्म को 9 भाषाओं में बनाया गया।

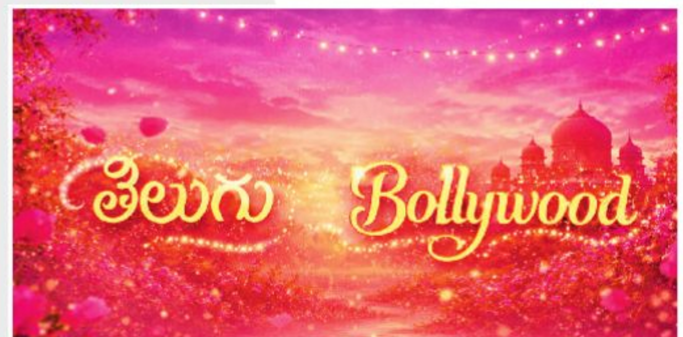

रमैया वस्तावैया 2013 में हुई थी रिलीज

साल 2006 में इसी फिल्म का तमिल रीमेक रिलीज हुआ जिसका नाम था उनक्कुम एनाक्कुम, कन्नड़ में नीनेलो नानाल्ले, बंगाली में आई लव यू, मणिपुर में निंगोल थाजबा, ओड़िया में सुना चढ़ी मो रूपा चढ़ी, पंजाबी में तेरा मेरा की रिश्ता, बंगलादेशी में निसाश अमर तुमि, नेपाली में द फ्लैश बैक: फर्केरा हेर्दा, हिंदी में बनाई गई थी रमैया वस्तावैया जो साल 2013 में रिलीज हुई थी।

हिंदी में फ्लॉप

हिंदी रीमेक रमैया वस्तावैया का रिलीज हु थी। इस फिल्म को ओरिजिनल डायरेक्टर प्रभु देवा ने ही डायरेक्ट किया था। फिल्म में गिरीश कुमार श्रुति हासन लीड रोल में थे और सोनू सूद ने निभाया था भाई का किरदार। 38 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 36 करोड़ ही कमाए थे। बॉक्स ऑफिस पर ये अकेली रीमेक फिल्म थी जो फ्लॉप हुई। अपना बजट भी नहीं निकाल पाई थी। हालांकि ऑडियंस ने इस फिल्म का म्यूजिक पसंद किया था।

सबालेंका और अल्काराज ने बनाई दूसरे दौर में जगह, रिकॉर्ड बनाकर हारी वीनस

ऑस्ट्रेलियाई ओपनः लेवर और फेडरर दर्शकों के बीच रहे उपस्थित

एजेंसी ▸▸| मेलबर्न

विश्व की नंबर एक महिला खिलाड़ी एरीना सबालेंका और पुरुष वर्ग में पहली वरीयता प्राप्त अल्काराज ने धीमी शुरुआत से उबरकर रविवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई लेकिन सबसे उम्रदराज खिलाड़ी का नया रिकार्ड बनाने वाली वीनस विलियम्स को पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा। सबालेंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उन्होंने पहले तीन गेम गंवा दिए। इसके बाद हालांकि उन्होंने जल्द ही लय हासिल करके तियांतसोआ राकोटोमांगा राजाओनाह को 6-4, 6-1 से हरा दिया। दिग्गज खिलाड़ी रॉड लेवर और रोजर फेडरर भी इस मैच को देखने के लिए दर्शकों के बीच उपस्थित थे।

महिला वर्ग में दो वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बाहर

महिला वर्ग में दो वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को पहले दौर में ही बाहर का रास्ता देखना पड़ा। एल्सा जैक्वेमोट ने नंबर 20 मार्टा कोस्तयुक को 6-7 (4), 7-6 (4), 7-6 (7) से बाहर किया जबकि तुर्की की क्वालीफायर ज़ेनेप सोनमेज ने नंबर 11 एकातेरिना एलेक्सांद्रोवा को 7-5, 4-6, 6-4 से उलटफेर का शिकार बनाया।

वीनस बनीं सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

वीनस वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में 45 साल की उम्र में महिला एकल का मैच खेलने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गई है लेकिन उन्हें तीन सेट तक चले मैच में ओल्गा डैनलोविच से 7-6 (5), 3-6, 4-6 से पराजय झेलनी पड़ी। वीनस ने सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनने के रिकॉर्ड के मामले में जापान की किमिको दाते (44 साल) को पीछे छोड़ा। पिछले साल के उपविजेता ज्वेरेव ने कनाडा के 24 वर्षीय खिलाड़ी गैब्रियल डियालो के खिलाफ अच्छी शुरुआत नहीं की लेकिन इसके बाद उन्होंने अपने अनुभव और दमदार सर्विस के दम पर वापसी करते हुए 6-7 (7), 6-1, 6-4, 6-2 से जीत हासिल की। वह लगातार दसवें साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे हैं।

जैस्मीन को नहीं हुए मैच जीतने में परेशानी

महिला वर्ग में सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी ने पहले दौर में अलीअक्सांद्रा सास्नोविच को 6-1, 6-2 से हराया। इटली की इस खिलाड़ी को यह मैच जीतने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। उन्होंने पहला सेट केवल 27 मिनट में जीत लिया था और इसके बाद भी अपनी लय बरकरार रखी। इटली के विश्व रैंकिंग में 20वें नंबर पर काबिज फ्लेवियो कोबोली टूर्नामेंट से बाहर होने वाले पहले वरीयता प्राप्त पुरुष खिलाड़ी बन गए। उन्हें ब्रिटिश क्वालीफायर आर्थर फेरी ने 7-6 (7), 6-4, 6-1 से हराया।

टियाफो ने कुबलर को दी मात

पुरुषों के वर्ग में ही नंबर 29 फ्रांसेस टियाफो ने जेसन कुबलर को 7-6 (4), 6-3, 6-2 से और माइकल झेंग ने सेबेस्टियन कोर्डा को 6-4, 6-4, 3-6, 6-7 (0), 6-3 से हराया। महिला वर्ग में नंबर 12 एलिना स्वितोलिना ने क्रिस्टीना बुक्सा को 6-4, 6-1 से हराया जबकि मारिया सकारी ने लियोलिया जीनजीन पर 6-4, 6-2 से जीत हासिल की। विंबलडन की पूर्व चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा ने पहले दौर के मैच से पूर्व कंधे की चोट के कारण नाम वापस ले लिया। इससे क्वालीफाइंग राउंड में खेल चुकी टेलर टाउनसेंड को मुख्य ड्रॉ में जगह मिल गई, जहां उनका सामना हैली बैपटिस्ट से हुआ। अमेरिका की दो खिलाड़ियों के बीच खेले गए इस मुकाबले में बैपटिस्ट 6-3, 6-7 (3), 6-3 से विजयी रही।

खबर संक्षेप

बीडब्ल्यूएफ जारी रखेगा 'टाइम क्लॉक' ट्रायल

नई दिल्ली। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) अगले सप्ताह इंडोनेशिया मास्टर्स में 25 सेकेंड की 'टाइम क्लॉक' का परीक्षण करेगा। उसकी यह पहल चुनिंदा विश्व टूर टूर्नामेंट में जारी रहेगी, जिसका उद्देश्य रणनीतिक देरी पर अंकुश लगाना और मैच की लय को मानकीकृत करना है। हालांकि इस कदम पर खिलाड़ियों और कोच की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। इस प्रणाली के तहत जैसे ही अंपायर स्कोर अपडेट करता है, 'टाइम क्लॉक' शुरू हो जाती है। सर्व करने वाला खिलाड़ी और रिसीवर, दोनों को 25 सेकेंड के भीतर सर्व और रिसीव के लिए तैयार होना अनिवार्य होता है।

आईएसपीएल ने की श्रीनगर फ्रेंचाइज़ी के सह-स्वामित्व के लिए बोलियां आमंत्रित

मुंबई। इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) ने बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार के स्वामित्व वाली फ्रेंचाइजी श्रीनगर के वीर के सह-स्वामित्व के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं। श्रीनगर के वीर फ्रेंचाइजी का टूर्नामेंट में अभी तक अच्छा प्रदर्शन रहा है। वह पहले सत्र में सेमीफाइनल में पहुंची थी जबकि दूसरे सत्र में उपविजेता रही थी। इस लीग का संचालन एक कोर कमेटी करती है, जिसमें सचिन तेंदुलकर, आशीष शेलार, मिनल अमोल काले, सूरज सामत आदि शामिल हैं। इस लीग में अमिताभ बच्चन (माझी मुंबई), सलमान खान (दिल्ली सुपरहीरोज), अजय देवगन (अहमदाबाद लायंस), सौरव गांगुली, सैफ अली खान और करीना कपूर खान (टाइगर्स ऑफ कोलकाता), ऋतिक रोशन (बेंगलुरु स्ट्राइकर्स), सूर्या (चेन्नई सिंगम्स) और राम चरण (फाल्कन राइजर्स हैदराबाद) सहित कई मशहूर हस्तियां भी फ्रेंचाइजी के सह-मालिक हैं।

इंग्लैंड के पाक मूल के खिलाड़ियों को मिला वीजा

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारत में होने वाले टी20 विश्व कप में भाग लेने वाले पाकिस्तान मूल के सभी 42 खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए वीजा संबंधी औपचारिकताओं को सुविधाजनक बनाने के लिए कदम उठाया है। इंग्लैंड की टीम में पाकिस्तानी मूल के क्रिकेटरों में स्पिनर आदिल राशिद, रेहान अहमद और तेज गेंदबाज साकिब महमूद शामिल हैं। अमेरिका की टीम में अली खान और शायन जहांगीर तथा नीदरलैंड की टीम में जुल्फिकार साकिब जैसे पाकिस्तानी मूल के कुछ खिलाड़ी शामिल हैं। इंग्लैंड के खिलाड़ियों राशिद, रेहान और साकिब के वीजा आवेदन पहले ही मंजूर किए जा चुके हैं। नीदरलैंड की टीम के सदस्यों और कनाडा के सहयोगी स्टाफ के सदस्य शाह सलीम जफर को भी वीजा मिल चुका है। संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, इटली, बांग्लादेश और कनाडा की टीम में शामिल पाक राष्ट्रीयता या पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए वीजा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया चल रही है।

तीसरे और अंतिम क्रिकेट मैच में भारत 41 रन से हारा

मिचेल-फिलिप्स के शतक, न्यूजीलैंड ने भारत में पहली वनडे श्रृंखला जीती

एजेंसी ▸▸| इंदौर

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली (124 रन) का 54वां वनडे शतक भी भारतीय टीम के काम नहीं आ सका जिससे न्यूजीलैंड ने डेरिल मिचेल (137 रन) और ग्लेन फिलिप्स (106 रन) के शतक के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से रविवार को यहां तीसरे और अंतिम क्रिकेट मैच में 41 रन की जीत से श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की। न्यूजीलैंड के लिए यह मैच काफी महत्वपूर्ण था क्योंकि उसने 1989 से द्विपक्षीय वनडे मुकाबलों के लिए भारत का दौरा शुरू किया था लेकिन यहां कभी भी श्रृंखला नहीं जीती थी। इस जीत से उसने 37 साल बाद भारत में श्रृंखला जीतने का इंतजार खत्म किया। भारत के तेज गेंदबाजों के शुरुआती झटकों के बावजूद न्यूजीलैंड ने मिचेल के लगातार दूसरे शतक और फिलिप्स के तूफानी सैकड़े से आठ विकेट पर 337 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। कोहली (108 गेंद) का दबाव में खेला गया शानदार और जुझारू शतक भारतीय टीम के काम नहीं आ सका जिससे टीम जवाब में 46 ओवर में 296 रन पर ढेर हो गई। इससे भारत को घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड से पहली द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में हार का मुंह देखना पड़ा। दूसरे छोर पर विकेट गिरते रहे लेकिन कोहली डटे रहे और पारी के अंत में आउट हुए। न्यूजीलैंड के लिए जैकरी फोक्स ने 77 रन देकर तीन और क्रिस्टियन क्लार्क ने 54 रन देकर तीन तीन विकेट झटके। वहीं जेडन लेनोक्स ने 42 रन देकर दो विकेट हासिल किए। मिचेल और फिलिप्स ने चौथे विकेट के लिए 188 गेंद में 219 रन की साझेदारी करके पारी की पूरी तस्वीर बदल दी। लक्ष्य का पीछा करने उतरे भारत की शुरूआत भी अच्छी नहीं रही और उसने 71 रन पर चार विकेट खो दिए थे।

मिचेल का वनडे सीरीज में बैक टू बैक दूसरा शतक

मिचेल ने इंदौर वनडे में अपना शतक 106 गेंदों पर पूरा किया और इससे पहले उन्होंने अपना अर्धशतक 56 गेंदों पर पूरा किया था। मिचेल का ये इस वनडे सीरीज में बैक टू बैक दूसरा शतक रहा जबकि ये उनके वनडे क्रिकेट करियर का 9वां शतक रहा। भारत के खिलाफ ये मिचेल का चौथा वनडे शतक रहा, लेकिन इस शतक के दम पर उन्होंने एक साथ 5 खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। मिचेल ने इस मैच में 3 छक्के और 15 चौकों की मदद से 131 गेंदों पर 137 रन बनाए। ये भारत के खिलाफ वनडे में मिचेल का बेस्ट स्कोर रहा।

पहली बार न्यूजीलैंड के 2 बल्लेबाजों ने लगाए शतक

डेरिल मिचेल जहां इस वनडे सीरीज में लगातार दूसरा शतक लगाने में कामयाब रहे तो वहीं ग्लेन फिलिप्स के बल्ले से भी उनके वनडे करियर का दूसरा शतक देखने को मिला। मिचेल इस मैच में 137 रनों की पारी खेलने के बाद पवेलियन लौटे तो वहीं फिलिप्स के बल्ले से 106 रनों की पारी देखने को मिली। वहीं न्यूजीलैंड की तरफ से भारत के खिलाफ किसी एक वनडे मुकाबले में पहली बार 2 बल्लेबाज शतकीय पारी में खेलने में भी कामयाब हो सके, जिसके साथ ही मिचेल और फिलिप्स दोनों ने मिलकर नया इतिहास रच दिया।

न्यूजीलैंड-337/8 (50)

खिलाड़ी	रन
कॉनवे का रोहित बो हर्षित राणा	05
हेनरी निकोल्स बो अर्शदीप	00
विल का जडेजा बो हर्षित राणा	30
मिचेल का कुलदीप बो सिराज	137
फिलिप्स का राहुल बो अर्शदीप	106
माइकल ब्रेसवेल नाबाद	28
मिचेल हे पगबाधा बो कुलदीप	02
जैकरी का कुलदीप बो अर्शदीप	10
क्रिस्टियन क्लार्क बो हर्षित राणा	11
काइल जैमीसन नाबाद	00

अतिरिक्त : 08

कुल : 50 ओवर में आठ विकेट पर 337 रन

गेंदबाजीः अर्शदीप 10-1-63-3, हर्षित 10-0-84-3, सिराज 10-0-43-1, नीतिश 8-0-53-0, कुलदीप 6-0-48-1, रविंद्र जडेजा 6-0-41-0

भारत-296/10 (46)

खिलाड़ी	रन
रोहित शर्मा का क्लार्क बो फोक्स	11
शुभमन गिल बो जैमीसन	23
कोहली का मिचेल बो क्लार्क	124
अय्यर का फोक्स बो क्लार्क	03
राहुल का फिलिप्स बो लेनोक्स	01
नीतिश रेड्डी का यंग बो क्लार्क	53
रविंद्र जडेजा का यंग बो लेनोक्स	12
हर्षित का निकोल्स बो फोक्स	52
मोहम्मद सिराज का हे बो फोक्स	00
कुलदीप यादव रन आउट	05
अर्शदीप सिंह नाबाद	04

अतिरिक्तः 08

कुल : 46 ओवर में 296 रन पर सभी आउट

गेंदबाजीः जैमीसन 9-0-58-1, जैकरी 9-0-77-3, क्लार्क 9-0-54-3, जेडन 10-0-42-2, मिचेल 1-0-10-0, ग्लेन 8-0-54-0

कोहली ने लगाया 54वां वनडे शतक

इंदौर। भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने रविवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला के तीसरे और अंतिम मैच में रिकॉर्ड 54वां वनडे शतक लगाया। यह सुपरस्टार वडोदरा में श्रृंखला के पहले वनडे में 93 रन पर आउट हो गया था और इस उपलब्धि से चूक गया था। उन्होंने 40वें ओवर की आखिरी गेंद पर जैकरी फोक्स की गेंद पर एक रन लेकर 91 गेंद में अपना शतक पूरा किया जिसमें आठ चौके और दो छक्के जड़े थे। न्यूजीलैंड के आठ विकेट पर 337 रन का स्कोर खड़ा किया जिसके बाद कोहली एक छोर पर डटे रहे और शतक पूरा किया।

न्यूजीलैंड बनाम भारत वनडे में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर

145* रन – टॉम लैथम, ऑकलैंड, 2022
140 रन – माइकल ब्रेसवेल, हैदराबाद, 2023
138 रन – डेवोन कॉनवे, इंदौर, 2023
137 रन – डेरिल मिचेल, इंदौर, 2026
134 रन – डेरिल मिचेल, वानखेड़े, 2023
131* रन – डेरिल मिचेल, राजकोट, 2026
130 रन – डेरिल मिचेल, धर्मशाला, 203

न्यूजीलैंड बनाम भारत वनडे में सबसे बड़ी पार्टनरशिप

221* रन – टॉम लैथम, केन विलियमसन, ऑकलैंड, 2022
219 रन – डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, इंदौर, 2026
200 रन – टॉम लैथम, रॉस टेलर, वानखेड़े, 2017
190 रन – एस स्टायरिसरॉस टेलर, दांबुला, 2010

टाटा स्टील मास्टर्स

एरिगैसी ने 32 चालों में जीता गेम, प्रज्ञाननंदा को हराया

एजेंसी ▸▸| विज्क आन जी

शीर्ष वरीयता प्राप्त अर्जुन एरिगैसी ने हमवतन आर प्रज्ञाननंदा को हराकर टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की जबकि विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने पहले दौर में उज्बेकिस्तान के विश्व कप विजेता जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ कड़े मुकाबले में ड्रॉ खेला। पर्यावरण कार्यकर्ताओं के विरोध के कारण खेल समय पर शुरू नहीं हो पाया था लेकिन इसके बाद जब दुनिया के सबसे पुराने टूर्नामेंट में से एक में खेल शुरू हुआ तो फिर कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। इस प्रतियोगिता की पहली जीत अमेरिका के हैंस मोके नीमन ने हासिल की, जिन्होंने स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसेव हो हराया। जर्मन खिलाड़ी विन्सेंट कीमर दिन के दूसरे विजेता रहे। उन्होंने नीदरलैंड के स्टार खिलाड़ी अनीश गिरी को पराजित किया।

■ गुकेश ने सिंदारोव के खिलाफ कड़े मुकाबले में खेला ड्रॉ

चिदंबरम ने ब्लूबाउम के खिलाफ ड्रॉ के साथ की शुरुआत

इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे एक अन्य भारतीय खिलाड़ी अरविंद चिदंबरम ने भी जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम के खिलाफ ड्रॉ के साथ शुरुआत की। अन्य मुकाबलों में तुर्की के यागिज़ कान एर्दोगमस ने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक याकुबोएव के साथ जबकि नीदरलैंड के जॉर्डन वान फॉरेस्ट ने चेक गणराज्य के थाई दाई वान गुयेन के साथ ड्रॉ खेला।

बढ़त पर एरिगैसी, कीमर और नीमन

पहले दौर के बाद एरिगैसी, कीमर और नीमन एक-एक अंक के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं, जबकि गुकेश और सात अन्य खिलाड़ी उनसे आधा अंक पीछे हैं। अपने मित्र प्रज्ञाननंदा के खिलाफ एरिगैसी ने शुरू से ही अच्छा प्रदर्शन किया। प्रज्ञाननंदा ने शुरू में ही एक गलती कर दी, जिससे उनका राजा बीच में फंस गया, जिसका एरिगैसी ने पूरा फायदा उठाया और केवल 32 चाल में मुकाबला जीत लिया। गुकेश भी जीत के करीब पहुंच गए थे लेकिन सफेद मोहरों से खेल रहे सिंदारोव के खिलाफ अपनी मजबूत स्थिति को जीत में तब्दील नहीं कर सके।

इथियोपियाई धावकों का दबदबा अबाते और येशी ने जीता खिताब

मुंबई। मुंबई मैराथन में एक बार फिर इथियोपियाई धावकों का दबदबा देखने को मिला, जिसमें ताडु अबाते देमे और येशी कलायू चेकोले ने क्रमशः पुरुष और महिला एलीट वर्ग के खिताब अपने नाम किए। अबाते ने पुरुष एलीट वर्ग में दो घंटे नौ मिनट 55 सेकंड का समय लेकर जीत दर्ज की, जबकि उनकी हमवतन येशी ने 2:25:13 के समय के साथ खिताब जीता। मुंबई मैराथन में 21 चरणों में यह सातवीं बार है जब इथियोपियाई धावकों ने पुरुष और महिला दोनों खिताब एक साथ जीते हैं। पुरुष एलीट रेस में कीनिया के लियोनार्ड किपरोतिच लंगाट (2:10:10) दूसरे और इरिट्रिया के मेरहावी केसेटे वेल्डेमारियम (2:10:22) तीसरे स्थान पर रहे। महिला एलीट रेस में इथियोपियाई धावकों ने क्लीन स्वीप किया। किडसान अलेमा गेब्रेमेधिन (2:27:35) दूसरे और गोज्जाम त्सेगाये एनीयू (2:28:27) तीसरे स्थान पर रहीं। पुरुष और महिला एलीट वर्ग के शीर्ष तीन धावकों को क्रमशः 50000 अमेरिकी डॉलर, 25000 अमेरिकी डॉलर और 15000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि दी गई। भारतीय पुरुष वर्ग में कार्तिक करकेरा ने 2:19:55 के समय के साथ जीत दर्ज की।

इंडिया ओपन चैंपियनः लिन चुन यी और आन से यंग ने जीता खिताब

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

चीनी ताइपे के लिन चुन यी ने रविवार 950,000 अमेरिकी डॉलर इनामी इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष एकल में अपना पहला सुपर 750 खिताब जीता, जबकि दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग ने महिला एकल का खिताब जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। वर्तमान में विश्व में 12वीं रैंकिंग पर काबिज 26 वर्षीय लिन ने पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन सुपर 1000 में शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद शानदार वापसी करते हुए फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त जोनाथन क्रिस्टी को 21-10, 21-18 से हराकर पुरुष एकल का खिताब अपने नाम किया।

आन से यंग का दबदबा कायम

महिला एकल में शीर्ष वरीयता प्राप्त और मौजूदा चैंपियन आन से यंग ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखते हुए चीन की विश्व में नंबर दो खिलाड़ी वांग झियी को 21-13, 21-11 से हराकर सत्र का अपना दूसरा खिताब जीता। युगल स्पर्धा में लियू शेंगशु और टैन निंग की चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त महिला जोड़ी ने 58 मिनट तक चले महिला युगल फाइनल में जापान की पांचवीं वरीयता प्राप्त युकी फुकुशिमा और सायका मात्सुमोतो पर 21-11, 21-18 से जीत हासिल करके खिताब अपने नाम किया।

डब्ल्यूपीएल : आज शाम 7.30 बजे से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात जायंट्स में भिड़ंत

जीत का सिलसिला जारी रखने मैदान में उतरेगी आरसीबी

एजेंसी ▸▸| वडोदरा

अब तक अपने चारों मैच जीत कर उत्साह से भरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम गुजरात जायंट्स के खिलाफ सोमवार को होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच में अपना विजय अभियान जारी रखने के लिए मैदान पर उतरेगी।कप्तान स्मृति मंधाना की अगुवाई वाली आरसीबी की टीम ने अभी तक खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है और उसकी टीम को हराना आसान नहीं होगा। दूसरी तरफ गुजरात जायंट्स ने पहले दो मैच जीत कर इस सत्र की अच्छी शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद वह अगले दो मैच में हार गई और अंक तालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गई।

स्मृति ने की फॉर्म में वापसी

आरसीबी के लिए सबसे अच्छी बात यह है कि कप्तान मंधाना ने फॉर्म में वापसी की है। उन्होंने शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आठ विकेट से मिली शानदार जीत में 96 रन की मैच विजेता पारी खेली। सलामी बल्लेबाज ग्रेस हैरिस ने भी अच्छी शुरुआत की है लेकिन वह उन्हें बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रहीं हैं। पिछले मैच में जॉर्जिया वोल ने भी नाबाद 54 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया। आरसीबी के पास ऋचा घोष, नादिन डी क्लर्क, गौतमी नायक और राधा यादव जैसी आक्रामक बल्लेबाज भी हैं, जिससे बल्लेबाजी उसका सबसे मजबूत पक्ष बन गया है।

आरसीबी की गेंदबाजी इकाई मजबूत

आरसीबी की गेंदबाजी इकाई भी काफी मजबूत है, जिसमें लॉरेन बेल और सायली सतघरे जैसी गेंदबाज शुरुआती ओवरों में जिम्मेदारी संभालती हैं जबकि श्रेयांका पाटिल, प्रेमा रावत और राधा यादव जैसे स्पिनरों ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। आरसीबी ने गुजरात जायंट्स के खिलाफ पिछला मैच जीता था और इससे भी उसकी टीम को आत्मविश्वास मिलेगा।

गुजरात जायंट्स को अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एशले गार्डनर की अगुवाई वाली गुजरात जायंट्स की टीम में बेथ मूनी, सोफी डिवाइन, कनिका आहूजा, गार्डनर, जॉर्जिया वेयरहम और भारती फुलमाली जैसी अच्छी बल्लेबाज शामिल हैं, लेकिन इन सभी को मिलकर अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। गुजरात जायंट्स की गेंदबाजी की कमान रेणुका सिंह संभाल रही हैं, जो टूर्नामेंट में अब तक प्रभावित करने में विफल रही हैं। डिवाइन ने अभी तक बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उन्हें अन्य खिलाड़ियों से सहयोग की जरूरत है।

बांग्लादेश में कार चालक ने हिन्दू युवक को कुचला, मौत

» नई दिल्ली/ढाका, भाषा।

बांग्लादेश में एक कार चालक ने पेट्रोल पंप पर काम करने वाले एक हिंदू युवक को पेट्रोल की कीमत चुकाए बिना वहां से जाने की कोशिश करने से रोकने पर अपने वाहन से कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि बीते शुक्रवार को राजबाड़ी जिले में हुई यह घटना बांग्लादेश में हिंदुओं को निशाना बनाकर की जा रही हिंसा की ताजा घटना है। द डेली स्टार अखबार ने पुलिस अधिकारियों के हवाले से प्रकाशित खबर में कहा कि मृतक की पहचान रिपन साहा (30) के रूप में हुई है, जो गोलंदा मोड़ स्थित करीम पेट्रोल पंप पर काम करता था। समाचार पोर्टल बीडीन्यूज24 डॉट कॉम पर राजबाड़ी सदर पुलिस प्रमुख खोनदकार जियाउर रहमान के हवाले से प्रसारित खबर में कहा गया है, हम हत्या का मामला दर्ज करेंगे। पेट्रोल की कीमत चुकाने से इनकार करने पर कर्मी गाड़ी के सामने खड़ा हो गया और वे उसे कुचलकर भाग गए।

बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए मतदान 12 फरवरी को

पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शुक्रवार तड़के लगभग साढ़े चार बजे एक काली एसयूवी में सवार लोग पेट्रोल पंप पहुंचे और 5,000 टका (लगभग 3,710 रुपए) का पेट्रोल भरवाया। उन्होंने बताया कि जब एसयूवी चालक ने पेट्रोल की कीमत चुकाए बिना वहां से जाने की कोशिश की, तो रिपन उसके आगे खड़ा हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एसयूवी चालक रिपन को कुचलते हुए वहां से भाग गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में रिपन की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि इसके बाद में एसयूवी को जब्त कर लिया और उसके मालिक अब्दुल हाशिम उर्फ सुजान (55) तथा चालक कमाल हुसैन (43) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, पेशे से ठेकेदार हाशिम बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की राजबाड़ी जिला इकाई का कोषाध्यक्ष और जुबो दल का पूर्व जिला अध्यक्ष रहा है। साल 2022 की जनगणना के अनुसार, बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी लगभग 1.313 करोड़ है, जो देश की कुल आबादी का लगभग 7.95 फीसदी है। जनवरी की शुरुआत में बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद (बीएचबीसीयूसी) ने एक बयान में आरोप लगाया था कि जैसे-जैसे आम चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है, देश में सांप्रदायिक हिंसा खतरनाक दर से बढ़ रही है। बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए मतदान 12 फरवरी को होना है। बीएचबीसीयूसी ने आरोप लगाया कि हिंसा का मकसद अल्पसंख्यक मतदाताओं को अपनी पसंद के उम्मीदवारों के पक्ष में वोट डालने से रोकना है। परिषद ने कहा कि उसने अकेले दिसंबर 2025 में सांप्रदायिक हिंसा की 51 घटनाएं दर्ज कीं। पिछले साल दो दिसंबर को नरसिंदी में एक स्कूल के मैदान में बदमाशों ने 42 वर्षीय जौहरी प्रांतोश सरकार की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मैमनसिंह शहर में 18 दिसंबर को ईशनिंदा के आरोप में एक कपड़ा कारखाने के 25 वर्षीय श्रमिक दीपू चंद्र दास की भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी थी और फिर उसका शव जला दिया था। राजबाड़ी कस्बे के पंगशा उपजिला में 24 दिसंबर को जबरन वसूली के आरोप में अमृत मंडल नामक एक अन्य हिंदू व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। वहीं, 31 दिसंबर की रात को 50 वर्षीय खोकोन चंद्र दास जब अपनी दुकान बंद करके घर लौट रहे थे, तब बदमाशों ने उन पर चाकू से कई वार किए और उन्हें आग के हवाले कर दिया। दास ने तीन जनवरी को अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पलाश उपजिला के चारसिंधुर बाजार में पांच जनवरी को अज्ञात हमलावरों ने 40 वर्षीय किराना दुकान मालिक मोनी चक्रवर्ती पर धारदार हथियार से हमला कर दिया था, जिससे उनकी मौत हो गई। नाराइल से प्रकाशित दैनिक बीडी खबर अखबार के कार्यवाहक संपादक और बर्फ बनाने वाली फैक्टरी के मालिक राणा प्रताप बैरागी (38) की भी पांच जनवरी को जेस्सोर जिले में अज्ञात हमलावरों ने सिर में गोली मारकर हत्या कर दी थी। नौगांव जिले में चोरी का आरोप लगाने वाली भीड़ से बचने के लिए नहर में कूदने के बाद 25 वर्षीय मिथुन सरकार की छह जनवरी को मौत हो गई थी। मुक्ति संग्राम में हिस्सा लेने वाले सेवानिवृत्त स्कूल प्रधानाध्यापक जोगेश चंद्र रॉय (70) और उनकी पत्नी शुबर्ना रॉय की पिछले साल सात दिसंबर को रंगपुर के तारागंज इलाके में हत्या कर दी गई थी। दंपति के खून से लथपथ शव उनके घर की रसोई के फर्श पर मिले थे।

निगरानी के लिए अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल की तैनाती और हमास के निरस्त्रीकरण की कठिन प्रक्रिया शामिल

व्हाइट हाउस ने गाजा में आगामी कदमों की निगरानी के लिए नेताओं के नामों की घोषणा की

» काहिरा, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस ने उन नेताओं के नाम जारी किए हैं जो गाजा में आगामी कदमों की निगरानी करेंगे। ये नाम शुक्रवार को मिस्र की राजधानी काहिरा में फलस्तीनी समिति की पहली बैठक के बाद जारी किए गए हैं, जो अमेरिका की निगरानी में क्षेत्र पर शासन करेगी। पेशे से इंजीनियर और गाजा से फलस्तीनी प्राधिकरण के पूर्व अधिकारी अली शात ने परिस्थितियों में सुधार के लिए जल्द काम शुरू करने का वादा किया है। उन्होंने कहा कि पुनर्निर्माण एवं पुनर्स्थापन में लगभग तीन साल का समय लगेगा और उनकी योजना आश्रय जैसी पहले तत्काल आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित करने की है।

शात ने बैठक के बाद मिस्र के सरकारी अल-काहिरा न्यूज चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा, फलस्तीनी लोग इस समिति, इसकी स्थापना और इसके जरिए उन्हें राहत पहुंचाए जाने को लेकर उत्सुक हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइल और हमास के बीच दो साल के युद्ध के बाद गाजा में शासन करने के लिए इस समिति के प्रयासों का समर्थन किया है। इजराइली सैनिकों ने 10 अक्टूबर को संघर्षविराम लागू होने के बाद गाजा के कुछ हिस्सों से वापसी की, जबकि हजारों विस्थापित फलस्तीनी अपने जर्जर घरों को लौटे। अब, आगे कई बड़े चुनौतीपूर्ण मुद्दे हैं जिनमें संघर्षविराम समझौते की निगरानी के लिए अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल की तैनाती और हमास के निरस्त्रीकरण की कठिन प्रक्रिया शामिल है। ट्रंप की योजना के तहत, शात के नेतृत्व वाली समिति गाजा का प्रशासन संभालेगी और इसकी निगरानी ट्रंप के नेतृत्व वाला बोर्ड ऑफ पीस करेगा। बोर्ड के सदस्यों के नाम अब तक घोषित नहीं किए गए हैं। व्हाइट हाउस ने निगरानी बोर्ड के लिए कुछ अधिकारियों के नाम पेश किए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि एक कार्यकारी बोर्ड बोर्ड ऑफ पीस के दृष्टिकोण को लागू करने के लिए काम करेगा।कार्यकारी बोर्ड के लिए व्हाइट हाउस की ओर से जारी नामों में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ, ट्रंप के दामाद जैरेड कुशनर, ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर, अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क रोवन, विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा और ट्रंप के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट गैब्रियल का नाम शामिल है। पूर्व बुल्गेरियाई नेता और संयुक्त राष्ट्र के पश्चिम एशिया मामलों के दूत रहे निकोलाय म्लादेनोव कार्यकारी बोर्ड के प्रतिनिधि के रूप में दैनिक मामलों की निगरानी करेंगे।

ईरान में असहज शांति के बीच कट्टरपंथी मौलवी ने प्रदर्शनकारियों के लिए मृत्युदंड की मांग की

दुबई, (भाषा)। ईरान में व्यापक विरोध प्रदर्शनों और उनके खूनी दमन के बाद हालात भले ही असहज शांति की ओर लौटते दिखे हों, लेकिन इस्लामिक गणराज्य में सत्ता प्रतिष्ठान के भीतर व्याप्त गुस्सा अब भी साफ नजर आ रहा है। इसी कड़ी में एक वरिष्ठ कट्टरपंथी मौलवी ने हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों के लिए शुक्रवार को मृत्युदंड की मांग की और सीधे तौर पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धमकी दी। बहरहाल, ट्रंप ने अपेक्षाकृत नरम रुख अपनाते हुए ईरान के नेतृत्व को हिरासत में लिए गए सैकड़ों प्रदर्शनकारियों को फांसी न देने के लिए धन्यवाद दिया। इसे इस बात के संकेत के रूप में देखा जा रहा है कि ट्रंप प्रशासन संभावित सैन्य कार्रवाई से पीछे हट सकता है। ईरान की खराब अर्थव्यवस्था के खिलाफ 28 दिसंबर को शुरू हुए प्रदर्शन धीरे-धीरे देश की धार्मिक सत्ता को चुनौती देने लगे। प्रदर्शनकारियों पर सख्त कार्रवाई में हजारों लोगों की मौत की खबरों के बीच फिलहाल तेहरान में प्रदर्शन थम गए हैं। हालांकि, इंटरनेट सेवा अब भी बंद है। अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, मृतकों की संख्या 3,090 तक पहुंच चुकी है, जबकि ईरान सरकार ने आधिकारिक आंकड़े जारी नहीं किए हैं। इस बीच, कट्टरपंथी मौलवी अयातुल्ला अहमद खातमी ने नमाज के लिए एकत्रित लोगों को दिए अपने उपदेश में नारे लगाने के लिए प्रेरित किया जिनमें से एक नारा था कि सशस्त्र पाखंडियों को मौत के घाट उतार दिया जाए। ईरान के सरकारी रेडियो ने इस उपदेश का प्रसारण किया। खातमी ने प्रदर्शनकारियों को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के गुलाम और ट्रंप के सैनिक बताया। वहीं, ईरान के निर्वासित युवराज रेजा पहलवी ने अमेरिका से हस्तक्षेप का वादा निभाने की अपील की और ईरानियों से संघर्ष जारी रखने का आह्वान किया।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में सड़क हादसे में छह बच्चों सहित 14 लोगों की मौत

लाहौर, (भाषा)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात एक ट्रक घने कोहरे के कारण पुल से सूखी नहर में गिर गया, जिससे छह बच्चों समेत कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह दुर्घटना लाहौर से लगभग 200 किलोमीटर दूर सरगोधा जिले के कोट मोमिन में हुई। पंजाब आपात सेवा रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता के अनुसार ट्रक में 23 लोग सवार थे, जिनमें से ज्यादातर एक ही परिवार के सदस्य थे और संघीय राजधानी इस्लामाबाद से पंजाब प्रांत के फैसलाबाद एक अंतिम संस्कार कार्यक्रम में हिस्स लेने जा रहे थे। प्रवक्ता ने कहा, घने कोहरे के कारण राजमार्ग को बंद कर दिया गया था, इसलिए ट्रक स्थानीय मार्ग से जा रहा था। दृश्यता का स्तर कम होने के कारण चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और वह कोट मोमिन तहसील के गलापुर पुल से सूखी नहर में गिर गया। प्रवक्ता के मुताबिक मृतकों में शामिल 14 लोगों में छह बच्चे और पांच महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि हादसे में नौ लोग घायल हुए हैं और उनका इलाज कोट मोमिन के सिविल अस्पताल में किया जा रहा है। एक अन्य घटना में, शनिवार तड़के बलूचिस्तान प्रांत के ग्वादर के पास मकरान तटीय राजमार्ग पर एक यात्री बस पलट जाने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। तटीय राजमार्ग पुलिस के पुलिस अधीक्षक (एसपी) असलम बंगुलजई ने दुर्घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि बस जिवानी से कराची जा रही थी।

न्यूज ब्रीफ

मिनियापोलिस में शांतिपूर्वक प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई पर अदालत की रोक

» मिनियापोलिस (अमेरिका), भाषा।

मिनेसोटा की एक न्यायाधीश ने शुक्रवार को फैसला सुनाया कि मिनियापोलिस क्षेत्र में हाल में हुए अमेरिका के सबसे बड़े आव्रजन प्रवर्तन अभियान में शामिल संघीय अधिकारी शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे लोगों को हिरासत में नहीं ले सकते और न ही उन पर आंसू गैस छोड़ सकते हैं। आदेश के अनुसार, उन लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई नहीं की जा सकती जो सड़कों पर खड़े होकर अधिकारियों को कार्रवाई करते हुए केवल देखते हैं। अमेरिकी जिला न्यायाधीश केट मेनेंडेज ने दिसंबर में मिनेसोटा के छह कार्यकर्ताओं की ओर से दायर मामले में यह फैसला दिया। दिसंबर की शुरुआत से ही मिनियापोलिस-सेंट पॉल क्षेत्र में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की आव्रजन संबंधी कार्रवाई को लागू करने वाले आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन और सीमा गश्ती अधिकारियों की कार्रवाई को हजारों लोग सड़कों पर देखते रहे हैं।

इस फैसले के तहत अधिकारी वाहनों में बैठकर कार्रवाई को देखने वाले चालकों और यात्रियों को तब तक हिरासत में नहीं ले सकते, जब इस बात का कोई उचित संदेह न हो कि वे अधिकारियों के काम में बाधा डाल रहे हैं या हस्तक्षेप कर रहे हैं। फैसले में कहा गया है कि सुरक्षित रूप से उचित दूरी पर रहकर एजेंटों का पीछा करना वाहन रोकने को उचित ठहराने के लिए अपने आप में पर्याप्त कारण नहीं है। मेनेंडेज ने कहा कि एजेंटों को इस उचित कारण या उचित संदेह के बिना लोगों को गिरफ्तार करने की अनुमति नहीं होगी कि व्यक्ति ने कोई अपराध किया है या वह अधिकारियों की गतिविधियों में बाधा डाल रहा है या हस्तक्षेप कर रहा है। मामले में कार्यकर्ताओं का प्रतिनिधित्व मिनेसोटा के संगठन अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन ने किया।

सिंगापुर में भारतीय नौसेना का प्रशिक्षण स्क्वाड्रन बंदरगाह दौरे पर

» सिंगापुर, भाषा।

भारतीय नौसेना के प्रथम प्रशिक्षण स्क्वाड्रन के जहाज आईएनएस तीर, शार्दुल, सुजाता और भारतीय तटरक्षक पोत सारथी यहां बंदरगाह प्रवास के दौरान प्रशिक्षण, पेशेवर और सामाजिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला में भाग ले रहे हैं। चारों जहाज दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए लंबी दूरी की प्रशिक्षण तैनाती (एलआरटीडी) के तहत 15 जनवरी को सिंगापुर पहुंचे और 18 जनवरी तक यहां रहेंगे। यहां भारतीय उच्चायोग ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि यह यात्रा भारत की एक्ट ईस्ट नीति के तहत उसके और सिंगापुर के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के महत्व को रेखांकित करती है।

यह तैनाती 110वें एकीकृत अधिकारी प्रशिक्षण कोर्स (आईओटीसी) के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का हिस्सा है और भारत-आसियान संबंधों में एक महत्वपूर्ण अवसर को भी चिह्नित करती है क्योंकि 2026 को आसियान-भारत समुद्री सहयोग वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। सिंगापुर के बाद यह स्क्वाड्रन इंडोनेशिया और थाईलैंड के बंदरगाहों की यात्रा करेगा। उच्चायोग के अनुसार, इस तैनाती का उद्देश्य अधिकारी प्रशिक्षुओं को व्यापक परिचालन और अंतर-सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करना है। साथ ही दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ भारत की निरंतर समुद्री भागीदारी और स्वतंत्र, खुले एवं समावेशी हिंद महासागर क्षेत्र के उसके दृष्टिकोण को सुदृढ़ करना है। 110वें आईओटीसी में मालदीव, म्यांमा और वियतनाम के छह अंतरराष्ट्रीय अधिकारी प्रशिक्षु शामिल हैं। इसके अलावा भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना के कर्मी भी इसमें सवार हैं।

सैन्य गतिविधियों के मद्देनजर पूर्वी प्रशांत के ऊपर उड़ान भरते समय सतर्क रहें विमान चालकः एफएए

» वाशिंगटन, भाषा।

फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने अमेरिकी विमान चालकों से मेक्सिको, मध्य अमेरिका और दक्षिण अमेरिका के कुछ हिस्सों के निकट पूर्वी प्रशांत महासागर के ऊपर उड़ान भरते समय सतर्कता बरतने का आग्रह किया है और इसके लिए सैन्य गतिविधियों एवं उपग्रह नेविगेशन में हस्तक्षेप का हवाला दिया है।

यह चेतावनी शुक्रवार को एफएए द्वारा जारी नोटैम (नोटिस टू एयरमैन) की एक श्रृंखला के तहत जारी की गई। इनमें कहा गया है, विमान के उड़ान भरने के दौरान और उड़ान के आगमन एवं प्रस्थान चरणों सहित, सभी चरणों पर विमानों के लिए संभावित जोखिम मौजूद हैं।

सीरिया में विवादित क्षेत्र से कुर्द नेतृत्व वाली सेनाएं पीछे हटेंगी

» दीर हाफेर (सीरिया), भाषा।

सीरिया में कुर्द नेतृत्व वाले बलों के नेता ने शुक्रवार को घोषणा की कि वे उत्तरी सीरिया के एक विवादित इलाके से पीछे हटेंगे, जिससे सरकारी बलों के साथ बड़ी झड़प की आशंका टल सकती है। कुर्द नेतृत्व वाले सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेस (एसडीएफ) के नेता मजलूम अब्दी की यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब सीरियाई सेना ने कहा था कि उसने एसडीएफ के ठिकानों पर हमले शुरू कर दिए हैं और एसडीएफ ने अलेप्पो शहर के पूर्व में दीर हाफेर में तोपों से भीषण गोलाबारी की सूचना दी।

इससे कुछ घंटे पहले, अमेरिकी सैन्य प्रतिनिधिमंडल ने दीर हाफेर का दौरा किया और तनाव कम करने की स्पष्ट कोशिश के तहत एसडीएफ अधिकारियों से मुलाकात की। अमेरिका के दोनों पक्षों के साथ अच्छे संबंध हैं और उसने संयम बरतने का आग्रह किया है। अमेरिकी सेना के एक प्रवक्ता ने इस मामले में टिप्पणी के अनुरोध पर तुरंत प्रतिक्रिया नहीं दी। अब्दी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किए गए एक बयान में कहा कि मित्र देशों और मध्यस्थों के आह्वान पर तथा सद्भावना दिखाते हुए एसडीएफ अपने बलों को फरात नदी के पूर्व में स्थित इलाकों में शनिवार सुबह पुनः तैनात करेगा। अब्दी की घोषणा से कुछ ही समय पहले, सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शारा ने कुर्द अधिकारों को मजबूत करने वाला एक फरमान जारी करने की घोषणा की थी। इससे पहले दिन में, कुर्द नेतृत्व वाले लड़ाकों के नियंत्रण वाले इलाके पर सीरियाई सैनिकों की संभावित कार्रवाई से पहले सैकड़ों लोग अपना सामान लेकर उत्तरी सीरिया में सरकार के नियंत्रण वाले इलाकों में पहुंचे। सीरियाई सेना ने बुधवार देर रात कहा था कि आम नागरिक बृहस्पतिवार को सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक मानवीय गलियारे के जरिए निकल सकेंगे लेकिन यह अवधि एक और दिन बढ़ा दी गई। सेना ने कहा कि एसडीएफ ने आम नागरिकों को बाहर निकलने से रोका जिसके कारण यह अवधि बढ़ाई गई। इससे पहले, इलाके में दोनों पक्षों के बीच सीमित गोलीबारी हुई थी।

कुर्द लड़ाकों के पीछे हटने के बाद सीरिया की सेना का देइर हाफर शहर पर नियंत्रण

हमीमा (सीरिया)। सीरिया की सेना शनिवार को उत्तरी शहर के बाहरी इलाके में प्रवेश कर गई, जब कुर्द नेतृत्व वाले लड़ाकों की कमान ने संघर्ष से बचने के लिए इलाके को खाली करने की घोषणा की। इस महीने की शुरुआत में सीरिया के सबसे बड़े शहर अलेप्पो में सरकारी सैनिकों और अमेरिका समर्थित, कुर्द नेतृत्व वाली सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्स (एसडीएफ) के बीच हिंसक झड़पें हुई थीं। इन झड़पों का अंत कुर्द लड़ाकों के तीन इलाकों से निष्कासन के साथ हुआ, जिन्हें सरकारी बलों ने अपने नियंत्रण में ले लिया। शनिवार को बुलडोजर द्वारा अवरोध हटाए जाने के बाद सैन्य टैंक, बख्तरबंद वाहन पास के हमीमा से देइर हाफर शहर की ओर बढ़ रहे थे। शहर की सीमा पर एसडीएफ की कोई मौजूदगी नहीं थी। इस बीच, सीरियाई सेना ने शनिवार को कहा कि उसने देइर हाफर पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया है,बारुदी सुरंगों और विस्फोटकों को हटाने का काम जारी है।

ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान सैन्य टकराव को रोकने के अपने दावे को फिर दोहराया

» न्यूयॉर्क/वाशिंगटन , भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य टकराव को रुकवाकर लाखों लोगों की जान बचाई। ट्रंप ने फ्लोरिडा में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शुक्रवार को दावा किया कि अमेरिका ने एक साल से भी कम समय में कई शांति समझौते कराए हैं और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत एवं पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष रुकवाकर कम से कम एक करोड़ लोगों की जान बचाने का श्रेय उन्हें दिया है। उन्होंने कहा, एक साल से कम समय में हमने आठ शांति समझौते कराए और गाजा में युद्ध समाप्त कराया। पश्चिम एशिया में शांति है। किसी ने नहीं सोचा था कि यह संभव होगा।

ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका ने परमाणु हथियारों से लैस दो पड़ोसियों भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने में मदद की। उन्होंने कहा, हमने परमाणु हथियारों से लैस दो देशों भारत और पाकिस्तान को लड़ने से रोका... पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने कम से कम एक करोड़ लोगों को बचाया। यह अद्भुत था और यह सम्मान की बात है। ट्रंप बार-बार यह दावा करते रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले वर्ष हुए सैन्य टकराव को उन्होंने रुकवाया। वह पिछले वर्ष 10 मई से अब तक करीब 80 बार यह दावा कर चुके हैं। उन्होंने पहली बार 10 मार्च को सोशल मीडिया के जरिए घोषणा की थी कि कथित तौर पर अमेरिका की मध्यस्थता में रात में हुई लंबी बातचीत के बाद दोनों देश टकराव को पूरी तरह और तत्काल रोकने पर सहमत हुए। वहीं, भारत पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों में किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप को लगातार खारिज करता रहा है।

ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर अमेरिका के नियंत्रण का समर्थन न करने वाले देशों पर शुल्क लगाने की चेतावनी दी

कोपेनहेगन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ग्रीनलैंड पर अमेरिका के नियंत्रण का समर्थन न करने वाले देशों को वह शुल्क लगाकर दंडित कर सकते हैं। अमेरिकी संसद के द्विदलीय प्रतिधिनमंडल ने ट्रंप से डेनमार्क के साथ तनाव कम करने का अनुरोध किया है, जिसके बाद ट्रंप ने यह बात कही। ट्रंप महीनों से ग्रीनलैंड पर अमेरिका का नियंत्रण होने की बात कहते आ रहे हैं, जिसपर फिलहाल डेनमार्क का नियंत्रण है। ट्रंप ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि ग्रीनलैंड पर अमेरिका के नियंत्रण के अलावा कुछ भी स्वीकार्य नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने शुक्रवार को अपने कार्यालय व्हाइट हाउस में आयोजित एक कार्यक्रम में बताया कि उन्होंने औषधियों के मामले में यूरोपीय देशों को किस तरह धमकाया था। उन्होंने कहा, मैं ग्रीनलैंड के लिए भी ऐसा कर सकता हूं। मैं ग्रीनलैंड के मामले पर समर्थन न देने वाले देशों पर शुल्क लगा सकता हूं। हमें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड की जरूरत है।

रूस को अवैध रूप से विमानन पुर्जे निर्यात करने के आरोप में भारतीय नागरिक को 30 महीने की जेल

न्यूयॉर्क। अमेरिका में 58 वर्षीय एक भारतीय नागरिक को नियंत्रित विमानन पुर्जों के ओरेगन से रूस तक अवैध निर्यात की साजिश रचने के मामले में ढाई साल की जेल की सजा सुनाई गई है। इस सप्ताह की शुरुआत में सुनाए गए फैसले में ओरेगन के अमेरिकी अटॉर्नी स्कॉट ब्रैडफोर्ड ने कहा कि संजय कौशिक के कृत्य जानबूझकर किए गए और मुनाफे के उद्देश्य से प्रेरित थे। उन्होंने कहा, यह बार-बार किए गए लेन-देन, भारी मुनाफे और प्रतिबंधित रूसी संस्थाओं समेत विदेशी सह-साजिशकर्ताओं के साथ समन्वय से जुड़ी एक सुनियोजित, लाभ-प्रेरित योजना थी। इस आरोपी ने कई मौकों पर अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के लिए अहम सुरक्षा उपायों को अपने निजी लाभ के लिए कमजोर करने की कोशिश की। अदालत ने दिल्ली निवासी कौशिक को निर्यात नियंत्रण सुधार अधिनियम का उल्लंघन कर नियंत्रित विमानन पुर्जे तथा नेविगेशन व उड़ान नियंत्रण प्रणाली रूस में अंतिम उपयोगकर्ताओं को निर्यात करने की साजिश रचने के लिए 30 महीने की संघीय जेल और 36 महीने नजरबंद रखने की सजा सुनाई। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सहायक अटॉर्नी जनरल जॉन आइजनबर्ग ने कहा, जो लोग अमेरिकी निर्यात नियंत्रण कानूनों को दरकिनार करने की साजिश रचते हैं खासकर जब इसमें सैन्य उपयोग वाली तकनीक शामिल हो, तो उन पर सख्त कानून के तहत मुकदमा चलाया जाएगा। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, सितंबर 2023 की शुरुआत से कौशिक ने दूसरों के साथ मिलकर रूस की संस्थाओं के लिए अमेरिका से एयरोस्पेस सामान और प्रौद्योगिकी अवैध रूप से हासिल करने की साजिश रची। न्याय विभाग के अनुसार, इन वस्तुओं को इस बहाने खरीदा गया कि वे कौशिक और उसकी भारतीय कंपनी के लिए हैं।

अमेरिकी, पाकिस्तानी सैनिकों ने पब्बी में संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास पूरा किया

इस्लामाबाद। अमेरिकी और पाकिस्तानी सैनिकों ने अभ्यास इंस्पायर्ड गैम्बिट 2026 के तहत पब्बी स्थित राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक केंद्र में संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास का समापन किया। डॉन अखबार की शनिवार की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि अमेरिका और पाकिस्तान के बीच इस तरह के प्रशिक्षण अभ्यास दोनों देशों के लंबे समय से चले आ रहे रक्षा संबंधों को मजबूत करते हैं। बयान में कहा गया कि इस सप्ताह संपन्न हुआ यह अभ्यास संयुक्त पैदल सेना के कौशल और रणनीतियों तथा आतंकवाद-रोधी अभियानों पर केंद्रित था। रिपोर्ट के मुताबिक, आठ से 16 जनवरी तक चला यह दो सप्ताह का अभ्यास दोनों रक्षा प्रतिष्ठानों के बीच फिर से बढ़ते जुड़ाव के व्यापक संकेतों के बीच हुआ है।

गिरफ्तार आतंकवादियों के खिलाफ 44 मामले दर्ज किए गए

पाकिस्तान प्रतिबंधित टीटीपी के 49 आतंकवादी गिरफ्तार

» लाहौर, भाषा।

पाकिस्तान की पंजाब पुलिस ने पिछले 30 दिनों में संचालित अलग-अलग अभियान के दौरान प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 49 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पंजाब पुलिस के आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी) ने बताया कि उसने पंजाब के अलग-अलग जिलों में कुल 425 अभियान संचालित किए, जिसमें 427 संदिग्धों से पूछताछ की गई और 49 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया।

इसके अलावा, हथियारों, विस्फोटकों तथा अन्य प्रतिबंधित साम्राग्री बरामद की गई। सीटीडी के बयान में कहा गया है, आतंकवादियों ने अलग-अलग शहरों में महत्वपूर्ण इमारतों को निशाना बनाने की

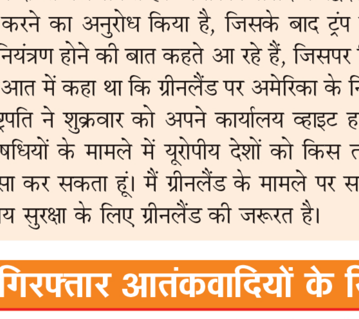

साजिश रची थी। गिरफ्तार आतंकवादियों के खिलाफ 44 मामले दर्ज किए गए हैं और आगे की जांच की जा रही है। सीटीडी ने आतंकवादियों के पास से 16,480 ग्राम विस्फोटक, दो हथगोले, 36 डेटोनेटर, 58 फुट सेफ्टी फ्यूज वायर, छह बम और प्रतिबंधित साहित्य बरामद किया है। सीटीडी ने आरोप लगाया कि गिरफ्तार आतंकवादियों में से एक भारतीय जासूसी एजेंसी के लिए काम करने वाला संदिग्ध है। हालांकि उसने इसका कोई सबूत नहीं दिया।

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की कार्रवाई में बलूचिस्तान में बारह आतंकवादी मारे गए

कराची। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों की कार्रवाई में अशांत दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में दो बैंक और एक पुलिस थाने पर हमला करने वाले 12 आतंकवादी मारे गए। सेना ने शनिवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी। सेना के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) द्वारा जारी बयान के अनुसार, करीब 15-20 आतंकवादियों ने खारान कस्बे में दो बैंक और एक पुलिस थाने पर हमला कर कुछ कर्मियों को बंधक बना लिया था। इन कर्मियों को बाद में एक अभियान के दौरान सकुशल बचा लिया गया। इसमें कहा गया कि आतंकवादियों ने 15 जनवरी को बैंकों से 34 लाख पाकिस्तानी रुपए (पीकेआर) लूटकर भागने की कोशिश की तथा इस घटना के बाद हुई तीन अलग-अलग मुठभेड़ों में उनमें से 12 आतंकवादी मारे गए। आईएसपीआर ने कहा कि खारान कस्बे पर हमले में शामिल आतंकवादी प्रांत में अन्य आतंकी हमलों में भी शामिल रहे थे। उसने कहा कि खारान और आसपास के इलाकों में आतंकवादियों को खोजने का अभियान अब भी जारी है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com